शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in

बुधवार 28 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 311

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	31.9	20.5
जमशेदपुर	31.6	19.0
डालटनगंज	30.4	14.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

सत्यमेव जयते

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा
की पावन धरती, झारखण्ड पर

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

का हार्दिक अभिनंदन और

जोहार

श्री सी. पी. राधाकृष्णन
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति

श्री चम्पाई सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

बोकारो में इंडस्ट्रीज के लिए सिर्फ आठ फीसदी ही जमीन है खाली

राज्य के 12 इंडस्ट्रियल एरिया में उद्योगों के लिए जमीन खाली नहीं, सभी एलॉट

रवि भारती। रांची

झारखंड नए उद्योगों का तेजी से विस्तार हो रहा है. इसका अंदाजा इस बात लगाया जा सकता है कि राज्य के 12 इंडस्ट्रियल एरिया में जियाडा में एक भी प्लॉट खाली नहीं हैं. वही प्लॉट उद्योगों को एलॉट कर दिए गए हैं. बोकारो में जियाडा के सिर्फ आठ फीसदी प्लॉट खाली हैं. संतालपरगना में 11.7 फीसदी और आदित्यपुर में 20.7 फीसदी प्लॉट खाली हैं. वहीं रांची रिजन में 59.6 फीसदी प्लॉट खाली हैं.

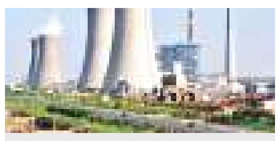

- संताल परगना में 11.7 और आदित्यपुर में 20.7 फीसदी ही प्लॉट वेकेंट
- राजधानी रांची में उद्योगों का है स्कोप, 59.6 फीसदी प्लॉट उपलब्ध

झुमरीतिलैया और रामगढ़ में प्लॉट ही नहीं : जियाडा के तहत आने वाले इंडस्ट्रियल एरिया के रामगढ़, झुमरी तिलैया, बसिया, कसिरा, मेराल, जलता, चकला (ओरमांझी) बभनी, सरवाल, तेनसेरा, कुल्ही, सिकरी, हुसैनाबाद में एक भी प्लॉट खाली नहीं है. इसके अलावा तुपुदाना में 23, खूंटी में 13, नामकुम में 04,पतरातू में 22, लोहरदगा में 49, गुमला में 20 और डालटनगंज में 33 प्लॉट खाली हैं.

किस इंडस्ट्रियल एरिया में कितने प्लॉट खाली

इंडस्ट्रियल एरिया	कितने खाली	कितने एलॉट
तुपुदाना	23	275
खूंटी	13	140
कोकर	36	143
नामकुम	04	45
पतरातू	22	116
लोहरदगा	49	56
गुमला	20	44
डालटनगंज	33	89
बेलचंपा	35	26
रामगढ़	00	24
हजारीबाग	04	20
टाटीसिल्वे वन	05	55
झुमरीतिलैया	00	22
टाटीसिल्वे टू	03	55
गेतलसूद	09	02
बरही	45	38

इंडस्ट्रियल एरिया	कितने खाली	कितने एलॉट
होटवार	10	01
नगड़ी	07	08
चकला	00	02
चंदवारा	01	04
बभनी	00	03
चान्हो	07	11
इरबा	02	14
इरबा टू	04	00
कोलरी	04	00
सरवाल	00	01
तेनसेरा	00	01
कुल्ही	00	07
बुड़मू	04	08
सिकरी	00	01
पतरातू फेज टू	34	01
उचरिंगा	05	01

इंडस्ट्रियल एरिया	कितने खाली	कितने एलॉट
कटिया	05	00
न्यूतुपुदाना	03	154
सिसई	12	04
हुसैनाबाद	00	01
सिमडेगा	01	01
कुरडेग	01	01
कर्रा	01	01
कालामाटी	01	01
चंदवारा	01	01
घाघरा	01	00
चैनपुर	01	00
बसिया	00	01
कसिरा	00	01
मेराल	00	01
जलता	00	01

▾ ब्रीफ खबरें

हेमंत की रिट पर हाईकोर्ट में आज भी सुनवाई

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और बरहेट के विधायक हेमंत सोरेन की क्रिमिनल रीट पर मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई. हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ न्यायाधीश जस्टिस एस चंद्रशेखर और जस्टिस अरुण कुमार राय की बेंच में काफी देर तक बहस चली. इसके बाद अदालत ने इस मामले में सुनवाई जारी रखते हुए अगली सुनवाई के लिए बुधवार की तिथि निर्धारित कर दी. हेमंत सोरेन की ओर से देश के वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल और हाईकोर्ट के अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने बहस की.

जनजातीय भाषा में पढ़ाई का देंगे जोर

रांची। राज्य सरकार ने जनजातीय भाषा में पढ़ाई शुरू करने पर जोर दिया है. इसको लेकर सीएम चंपाई सोरेन ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में वरीय अधिकारियों के साथ बैठक की. सीएम ने अफसरों को निर्देश दिया कि स्थानीय जनजातीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों में जनजातीय भाषा की शिक्षा दिलाई जाए.

प्रदेश में 1100 करोड़ की लागत से सात सड़कों का होगा चौड़ीकरण

50 लाख लोगों को मिलेगा सुचारू आवागमन का लाभ

47 किमी लंबी सड़क रांची के अनगड़ा से मुरी तक बन रही

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड में एनएच से जुड़ने वाले सात महत्वपूर्ण हाईवे के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण का काम जल्द शुरू होगा. सरकार ने इन सभी सात सड़कों के लिए करीब 1100 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है. इन सड़कों के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण होने से करीब 50 लाख की आबादी को सुचारू आवागमन का लाभ मिलेगा. बाहर से आने वाले लोगों को बेहतर सड़क से गुजरने का मौका मिलेगा. यात्रा में समय की बचत होगी. जाम आदि से मुक्ति मिलेगी.

बंगाल से पुरूलिया होकर मुरी सिल्ली होते हुए रांची आनेवाले लोगों को 4 लेन सड़क से गुजरने का मौका मिलेगा. पथ निर्माण विभाग ने रांची के अनगड़ा से मुरी तक के 47 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण की योजना पर काम शुरू कर दिया है. अनगड़ा-सिल्ली-मुरी सड़क का चौड़ीकरण 500 करोड़ की लागत से होगा. इस सड़क के बनने से रांची से मुरी स्टेशन जाने आने वाले लोगों बहुत कम समय लगेगा.

चाईबासा में तांतनगर-भरभरिया-कुमारडुंगी-अन्धारी-मंझगांव पथ का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण होगा. तकरीबन 60 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण पर कुल 300 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना है.

चतरा/मेदिनीनगर में 100 किलोमीटर लंबी सड़क का चौड़ीकरण होगा. जिसपर पथ निर्माण विभाग ने 500 करोड़ खर्च करने का प्लान बनाया है. मेदिनीनगर-पांकी-हरदीपुर-बगड़ा मोड़ पथ का निर्माण होगा. इसके लिए जल्द ही निविदा आमंत्रित की जाएगी.

रांची लातेहार के बीच चामा मोड़-मैक्लुस्कीगंज-लपरा-मुरपा-बालूमाथ पथ के चौड़ीकरण की योजना है. इस योजना के तहत करीब 42 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण करीब 210 करोड़ की लागत से होगा. इस योजना का काम शुरू हो गया है. जमीन की मापी का काम चल रहा है.

जामताड़ा धनबाद और बोकारो को जोड़ने वाली तामताड़ा-निरसा-सिंदरी-चन्दक्यारी-बरमसिया सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण होगा. इस योजना के तहत कुल 110 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण किया जाएगा. जिसके निर्माण पर कुल 592 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है.

दुमका और देवघर के बीच नोनीहाट-बासुकीनाथ-हरिपुर-केराबनी-पालाजोरी बगदाहा मोड़ तक की सड़क का निर्माण होगा. विभाग द्वारा इस योजना पर कुल 310 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है. इस योजना के तहत कुल 62 किलोमीटर सड़क का निर्माण होगा.

औद्योगिक विकास के लिए विधि-व्यवस्था और आधारभूत संरचना जरूरी : राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि जमशेदपुर में बहुत पूर्व टाटा स्टील के एकीकृत संयंत्र की स्थापना हुई, इसके बावजूद भी पूर्वी क्षेत्र के उद्योग का समुचित वातावरण नहीं हो सका. औद्योगिक विकास के लिए समुचित वातावरण, विधि-व्यवस्था व आधारभूत संरचना का होना आवश्यक है, तभी कोई निवेशक निवेश करते हैं व उद्योग स्थापित करते हैं. खनिज संपदा से परिपूर्ण झारखंड में औद्योगिकीकरण की अपार संभावनाएं हैं. राज्यपाल मंगलवार को जमशेदपुर में सीआईआई झारखंड की वार्षिक बैठक में बोल रहे थे.

सकारात्मक पहल जरूरी

राज्यपाल ने कहा कि संभावनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सुनियोजित एवं सकारात्मक पहल करने की आवश्यकता है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं.

देश कर रहा है तरक्की

हमारा देश तरक्की कर रहा है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का देश बनने की ओर अग्रसर है. देश आर्थिक रूप से सबल होगा तो विभिन्न सामाजिक मुद्दों यथा– शिक्षा, स्वास्थ्य, यातायात इत्यादि की दिशा में भी काफी प्रगति होगी.

राज्य प्रशासनिक सेवा से 9 और गैर सेवा से 6 अफसर बनेंगे आईएएस

रांची । झारखंड राज्य प्रशासनिक सेवा के नौ अफसरों को आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. यह प्रोन्नति वर्ष 2023 की रिक्ति के विरुद्ध दी जाएगी. इसके लिए राज्य प्रशासनिक सेवा के 27 अफसरों के नामों की सूची तैयार की जाएगी. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजे जाने का प्रावधान है. वहीं गैर प्रशासनिक सेवा के छह अफसरों को भी आइएएस संवर्ग में प्रोन्नति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इसमें भी 18 नामों की अनुशंसा की जाएगी. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजे जाने का प्रावधान है.

प्रमोटी आइएएस होंगे प्रोन्नत : 11 आइएएस अफसरों को ज्वाइंट सेक्रेटरी से स्पेशल सेक्रेटरी के पद पर प्रमोशन देने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. ये अफसर 2011 बैच के हैं. डीपीसी की बैठक में इसकी सहमति भी मिल चुकी है. बताते चलें कि ये सभी अफसर 41 प्रमोटी आइएएस में से हैं. इनमें से 19 अफसरों को प्रमोशन दिया जाना था, जिसमें जिनमें आठ जनवरी को आठ अफसरों को स्पेशल सेक्रेटरी रैंक में प्रमोशन दे दिया गया था, लेकिन शेष 11 अफसरों अब प्रोमशन दिया जा रहा है. जल्द ही इसका आदेश जारी किया जाएगा.

एनटीपीसी साइट पर बम फोड़ने के आरोपी को किया आरोपमुक्त

संवाददाता। रांची

एनटीपीसी के जीएम ने बम फोड़ने को लेकर बड़कागांव थाना में एफआईआर दर्ज कराया था और मंटू सोनी नामजद आरोपी बनाया था. लेकिन सबूत नहीं मिलने पर पुलिस ने छह साल बाद उसे आरोपमुक्त कर दिया है. हजारीबाग के बड़कागांव स्थित एनटीपीसी के त्रिवेणी-सैनिक साइट कार्यालय लंगातु में बम फोड़ने की घटना को लेकर तत्कालीन जीएम टी गोपाल कृष्ण ने बड़कागांव थाना में मामला दर्ज कराया था. विस्फोट कर रंगदारी मांगने को लेकर भी एफआईआर किया था. लेकिन सबूत के अभाव में नामजद आरोपी मंटू सोनी को पुलिस ने छह साल बाद आरोपमुक्त कर दिया है.

अज्ञात चरवाहा-मजदूर के हवाले से एनटीपीसी जीएम ने केस किया था

एनटीपीसी के तत्कालीन जीएम टी गोपाल कृष्ण ने 30 नवंबर 2017 को बड़कागांव थाना में अज्ञात चरवाहा और मजदूरों के हवाले से (नाम पता स्पष्ट नहीं) मंटू सोनी व अन्य के खिलाफ बड़कागांव थाना में एक आवेदन दिया था. आवेदन में घटना का कोई चश्मदीद गवाह नहीं था और अज्ञात मजदूरों व चरवाहों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया था. हजारीबाग के तत्कालीन एसपी ने सुतली बम फोड़ने और जेपीसी नामक नक्सली संगठन का पर्चा छोड़े जाने की बात कहते हुए जांच करने की बात कही थी.

भाजपा में जाते ही भ्रष्टाचारी हो जाते हैं दूध के धुले : वृंदा

रांची । सीपीएम की पोलित ब्यूरो सदस्य वृंदा करात ने कहा कि भाजपा में जाते ही भ्रष्टाचारी दूध के धुले हो जाते हैं. चुनाव फंड में कॉरपोरेट घरानों से अरबों रुपए लेने और उन्हें लाखों-करोड़ों का फायदा पहुंचाने के मामले में भाजपा आज चैंपियन है. भाजपा के भी कई नेता और सांसद भ्रष्टाचार के आरोपी हैं. गुजरात के एक बड़े व्यापारी के पास से भारी मात्रा में अवैध धन बरामद हुआ था लेकिन उसके द्वारा दिए गए बयान में केंद्र के एक बड़े नेता जो कि एक पावरफुल मंत्री भी हैं, का नाम उजागर होने पर मामले को ही दबा दिया गया. भृष्टाचार पर हाय - तौबा मचाने वाली भाजपा को पहले अपने गिरेबां में झांक कर देखना चाहिए. वृंदा मंगलवार को दुमका में मीडिया से बातचीत कर रही थीं.

23 आईपीएस का तबादला, एक को प्रभार

संवाददाता। रांची

- गृह कारा व आपदा प्रबंधन विभाग ने अधिसूचना जारी की
- आरके मलिक को एडीजी मुख्यालय में हुए पदस्थापित

झारखंड के 23 आईपीएस अधिकारियों का सरकार ने तबादला किया है, और एक को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है. इससे संबंधित अधिसूचना गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने जारी कर दी है.

जानें कौन कहां गए : एडीजी वायरलेस के पद पर पदस्थापित आरके मलिक को एडीजी मुख्यालय के पद पर पद पदस्थापित किया गया. आरके मलिक एडीजी वायरलेस के अतिरिक्त प्रभार पर भी रहेंगे. आईजी प्रोविजन के पद पर पदस्थापित प्रभात कुमार को आईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित किया गया है.

आईजी एसीबी के पद पर पदस्थापित पंकज कंबोज को आईजी प्रोविजन के पद पर पदस्थापित किया गया है. जोनल आईजी पलामू के पद पर पद स्थापित राजकुमार लकड़ा को जैप आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया है. नरेंद्र कुमार सिंह को पलामू जोनल आईजी के पद पर पदस्थापित किया गया. नरेंद्र कुमार सिंह रेल आईजी के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे. कोल्हान डीआईजी के पद पर पदस्थापित अजय लिंडा को डीआईजी होमगार्ड के पद पर पदस्थापित किया गया.

डीआईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित मनोज रतन चौथे को डीआईजी कोल्हान के पद पर पदस्थापित किया गया. डीआईजी रेल के पद पर पदस्थापित कार्तिक एस को डीआईजी स्पेशल ब्रांच के पद पर पदस्थापित किया गया. डीआईजी एसआईबी के पद पर पदस्थापित शैलेंद्र प्रसाद बरनवाल को डीआईजी एसीबी के पद पर पदस्थापित किया गया. डीआईजी होमगार्ड के पद पर पदस्थापित वाई एस रमेश को डीआईजी बजट, सुमित कुमार अग्रवाल को रांची ट्रैफिक एसपी के पद पर स्थापित किया गया. प्रवीन पुष्कर को जमशेदपुर रेल एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया. शंभू कुमार सिंह को गुमला एसपी के पद पर पदस्थापित किया गया.

गुमला एसपी के पद पर पदस्थापित हरविंदर सिंह को एसपी वायरलेस के पद पर पद पदस्थापित किया गया. आनंद प्रकाश को जैप 6 जमशेदपुर का कमांडेंट बनाया गया. मूमल राजपुरोहित को स्पेशल ब्रांच का एसपी बनाया गया. रेल एसपी जमशेदपुर के पद पर पदस्थापित ऋषभ झा को एटीएस एसपी, लातेहार एसपी के पद पर पदस्थापित अंजनी अंजन को रांची ग्रामीण एसपी, सरायकेला एसपी के पद पर पदस्थापित डॉक्टर विमल कुमार को रामगढ़ एसपी, चतरा एसपी के पद पर पदस्थापित राकेश रंजन को जैप 1का कमांडेंट, रांची ग्रामीण एसपी के पद पर पदस्थापित मनीष टोप्पो को सरायकेला एसपी, रामगढ़ एसपी के पद पर पदस्थापित पीयूष पांडे को लातेहार का एसपी, विकास कुमार पांडे को चतरा का एसपी, जेएपीटी पदमा सपा के पद पर पदस्थापित चंदन कुमार झा अपने कार्यों के अतिरिक्त निदेशक झारखंड पुलिस अकादमी का प्रभार में रहेंगे.

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने पत्र जारी किया

झारखंड के 140 मिडिल स्कूल होंगे हाई स्कूल में अपग्रेड, खर्च होंगे 156 करोड़

- स्कूल बनने से सबसे अधिक लाभ छात्राओं को होगा

रजनीश प्रसाद। रांची

झारखंड के 140 मिडिल स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड किया जायेगा. झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने इससे संबंधित पत्र जारी किया है. इसको लेकर राज्य के सभी जिलों ने अनुशंसा की थी, जिसके बाद विभाग ने मिडिल स्कूलों को हाई स्कूल में अपग्रेड करने की मंजूरी दे दी.

हाई स्कूल बनने से छात्र-छात्राओं को नौंवी व दसवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा. वे अपने ही स्कूल में हाई स्कूल की सुविधा ले पायेंगे. खासकर लड़कियां सबसे अधिक लाभान्वित होंगी, क्योंकि उनको पढ़ने के लिए दूर जाना पड़ता था. लेकिन मिडिल स्कूल के हाई स्कूल में अपग्रेड होने से वे अपने ही गांव में पढ़ाई पूरी कर पायेंगी.

एक स्कूल पर खर्च होंगे 1 करोड़ 11 लाख

एक स्कूल को अपग्रेड करने में 1,11,63,500 (एक करोड़ 11 लाख तिरेसठ हजार पांच सौ) रुपये खर्च होगा. वहीं 140 स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए 1,56,28,90,000 (एक अरब छप्पन करोड़ अठाइस लाख नब्बे हजार) रुपये लगेंगे. विभाग ने गिरिडीह जिले में सबसे अधिक 25 स्कूलों को अपग्रेड करने की मंजूरी दी है. वहीं देवघर, गुमला, जामताडा और पाकुड़ जिले में सबसे कम एक-एक स्कूल को अपग्रेड करने की स्वीकृति दी गयी है.

अपग्रेडशन के बाद स्कूलों में 2992 पद किये जाएंगे सृजित

जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, झारखंड के जिन 140 मिडिल स्कूल को हाई स्कूल में अपग्रेड किया जायेगा, उसमें बोकारो के 11, चतरा के 8, देवघर के 1, धनबाद के 7, दुमका के 3, गढ़वा के 15, गिरिडीह के 25, गोड्डा के 2, गुमला के 1, हजारीबाग के 12, जामताड़ा के 1, खूंटी के 3, कोडरमा के 3, लातेहार के 5, पाकुड़ के 1, पलामू के 9, पश्चिमी सिंहभूम के 9, पूर्वी सिंहभूम के 5, रांची के 8, साहिबगंज के 3, सरायकेला-खरसावां के 4 और सिमडेगा 4 स्कूल शामिल हैं. इन स्कूलों के अपग्रेडशन के बाद हर स्कूल में 1 प्रधानाध्यापक, 8 स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक, 1 लिपिक और 1 आदेशपाल का पद भी सृजित होगा. 140 अपग्रेडेड स्कूलों में 2992 पद सृजित किये जायेंगे. आदेशपाल के पद पर श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग द्वारा निर्धारित पारिश्रमिक के आधार पर आउट सोर्सिंग से बहाल किया जायेगा.

CLASSIFIED

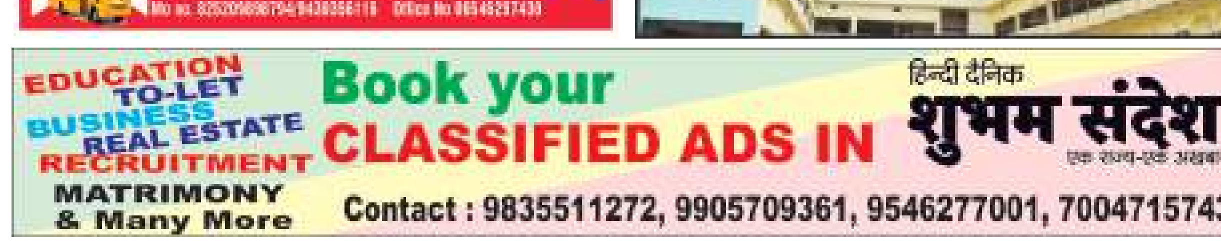

बुधवार 28 फरवरी 2024 फाल्गुन कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2080 पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 वर्ष : 1, अंक : 311 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

हमीन कर बजट

झारखंड बजट 2024-25

₹1,28,900 करोड़ का बजट

2500 आंगनबाड़ी भवन का निर्माण कराया जाएगा,महिला एवं बाल विकास के तहत

125 यूनिट प्रतिमाह मुफ्त बिजली प्रदान करेगी राज्य सरकार घरेलू उपभोक्ता को 100 यूनिट के स्थान पर

वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने पेश किया वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बजट

गांव-गरीब और किसान पर फोकस

चंपाई सरकार अब गरीबों को देगी दाल-भात, सब्जी, आधारभूत संरचना पर विशेष ध्यान

कौशल आनंद/सत्य शरण। रांची। राज्य की चंपाई सोरेन सरकार ने अपना पहला और गठबंधन सरकार का अंतिम बजट मंगलवार को पेश किया. वित्त मंत्री सदन में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1,28,900 करोड़ का बजट सदन में पेश किया. इस बजट में सरकार ने किसान, ग्रामीण एवं गरीबों पर विशेष ध्यान रखा है. इसके अतिरिक्त राज्य की आधारभूत संरचना के विकास पर फोकस किया है. सरकार अब गरीबों को दाल-भात, सब्जी खिलाएगी. इसके लिए जनवितरण प्रणाली के दुकानों से चावल के साथ-साथ दाल एवं सोयाबीन-बरी भी देगी. सरकार ने किसानों पर विशेष मेहरबानी जताते हुए ऋण माफी की सीमा 50 हजार रुपए से बढ़ाकर 2 लाख करने और एनपीए खाते धारक किसानों को भी इस योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है.

नई घोषणाएं

- 4,036 पंचायत स्तरीय स्कूलों को अगले 2 वर्षों में आदर्श विद्यालय के रूप में विकसित करने का लक्ष्य.
- डिप्लोमा स्तर पर पढ़ाई करने वाली छात्राओं को मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के तहत डिप्लोमा स्तर पर 15,000 प्रति वर्ष और डिग्री स्तर के लिए 30,000 रुपए प्रतिवर्ष आर्थिक सहायता दी जाएगी.
- राज्य सरकार मेसर्स कॉमन सर्विस सेंटर पीवी के साथ साझेदारी कर एक राज्यव्यापी लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करेगी.
- राज्य सरकार राज्य में 19 नए महाविद्यालय जिसमें 15 डिग्री महाविद्यालय तथा 4 महिला महाविद्यालय की स्थापना करेगी.
- राज्य सरकार आगामी वर्षों में राजधानी रांची में मेडिकल कॉलेज की स्थापना करेगी. रिम्स की भी स्थिति में सुधार करेगी. रिनपास के कैंपस में उपलब्ध भूमि पर मेडिको सिटी की स्थापना करेगी.
- बढ़ती महंगाई को देखते हुए जन वितरण प्रणाली के डीलरों का कमीशन 100 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति क्विंटल करने का प्रस्ताव किया गया है.
- राष्ट्रीय खाद सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद सुरक्षा योजना के प्रत्येक राशन कार्डधारी परिवार को सोयाबीन बड़ी का वितरण किए जाने का प्रस्ताव.
- छात्रों के लिए नि :शुल्क आवासन की सुविधा के लिए बहुमंजिला मॉडल छात्रावास का निर्माण चरणबद्ध तरीके से कराया जाएगा.
- जनजातीय गांवों में अखड़ा के निर्माण एवं उनके लिए पारंपरिक वाद्य यंत्रों की आपूर्ति का प्रस्ताव.
- वर्ष 2024-25 में पथ घनत्व बढ़ाने एवं कोर रूट नेटवर्क कनेक्टिविटी विकसित करने के निर्धारित लक्ष्य के तहत नए पथों को शामिल करने का प्रस्ताव है.
- राज्य के उभरते खिलाड़ियों को खेल प्रतियोगिता के लिए उचित मंच प्रदान करने के लिए खेल प्रतियोगिता के आयोजन का प्रस्ताव .झारखंड बजट का आकार 8 .5 फीसदी बढ़ा

सरकार का खाओ पकाओ बजट : बाबूलाल मरांडी

रांची। झारखंड विधानसभा में वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव ने बजट पेश किया. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इसे अदूरदर्शी सोच और विकास विरोधी वाला बजट बताया. बाबूलाल ने कहा कि यह बजट राज्य के खजाने को केवल लूटने और लुटवाने वाला है. इसमें कोई दूरगामी सोच वाला लोक कल्याणकारी योजनाओं का समावेश नहीं है.

रुपया कहां से आएगा

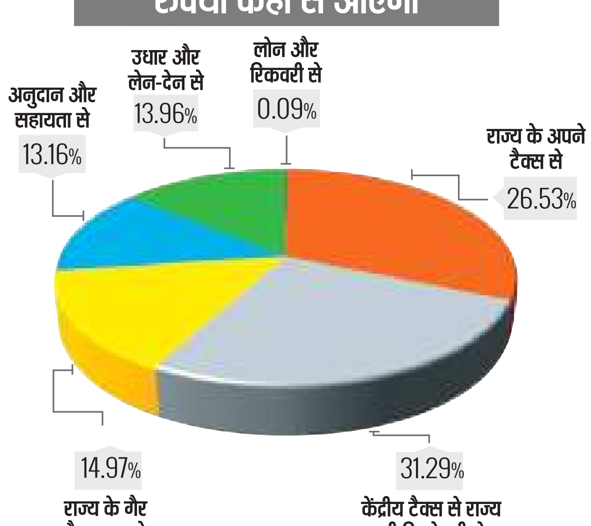

रुपया कहां जाएगा

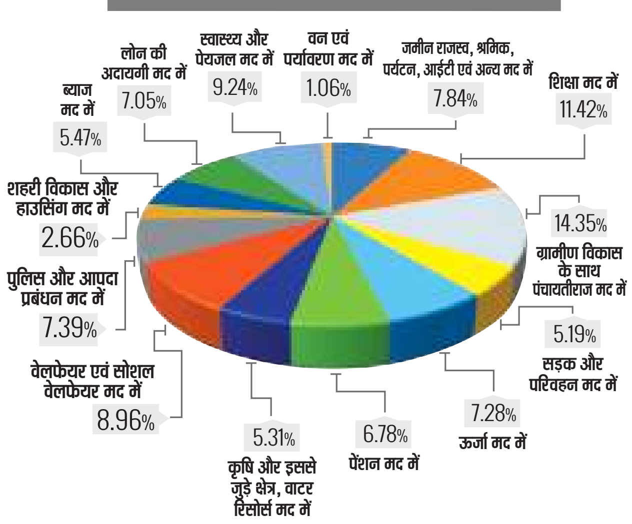

06 महत्वपूर्ण फैसले

1. किसानों की ऋण माफी

वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में झारखंड की चंपाई सोरेन सरकार ने किसानों की ऋण माफी योजना के तहत रकम की सीमा को बढ़ाने का ऐलान किया गया है. इस बजट में किसानों की ऋण माफी सीमा को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दिया गया है. इसके अलावा, एनपीए (नॉन परफॉर्मेंस एसेट्स) खाताधारक किसानों को भी इस ऋण माफी योजना में शामिल किया जाएगा.

2. अबुआ आवास योजना

केंद्र सरकार के प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर झारखंड के गरीब परिवारों को घर मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से अबुआ आवास योजना के तहत आवास ऋण की रकम को 2 लाख रुपए से बढ़ाकर 3.50 लाख रुपए कर दिया गया है. इसके लिए सरकार की ओर से करीब 4,831.83 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. अबुआ आवास के लिए वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर 2027-28 के दौरान हरेक साल करीब 4.5 लाख परिवारों को आवास मुहैया कराए जाएंगे और 2027-28 तक करीब 20 लाख परिवारों को आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है.

3. सिंचाई परियोजना

इसके साथ ही, सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए पीरटांड मेगा लिफ्ट सिंचाई परियोजना के क्रियान्वयन का भी प्रस्ताव किया गया है. इसके तहत बराकर नदी पर वीयर का निर्माण कराने के बाद अंडरग्राउंड पाइपलाइन के जरिए पीरटांड प्रखंड के अलावा पूर्वी सिंहभूम के पटमदा आदि क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

4. अंडरग्राउंड पाइपलाइन

इसके साथ ही सरकार ने सालाना बजट में पलामू जिले में अंडरग्राउंड पाइपलाइन के माध्यम से विभिन्न जलाशयों और जल निकायों में पेयजल और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए 456.63 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव किया गया है. इससे पलामू के चैनपुर, मेदिनीनगर, सतबरवा, विश्रामपुर, छत्तरपुर, हुसैनाबाद और मोहम्मदगंज के निवासियों और किसानों को लाभ मिलेगा.

5. मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना

बजट में सरकार ने झारखंड के लोगों को 60 साल के व्यक्ति को पेंशन देने के लिए मुख्यमंत्री सर्वजन पेंशन योजना लागू करने का प्रस्ताव किया है. इस योजना में दिव्यांगों, आदिम जनजाति के व्यक्तियों, निराश्रित महिलाओं, एचआईवी/एड्स से ग्रस्त व्यक्तियों और ट्रांसजेंडरों के साथ-साथ 50 साल की उम्र पार सभी महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को पेंशन का लाभ दिया जाएगा. इसके लिए सरकार की ओर से करीब 3,107.40 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया गया है.

झारखंड के विकास का सटीक रोडमैप : सीएम

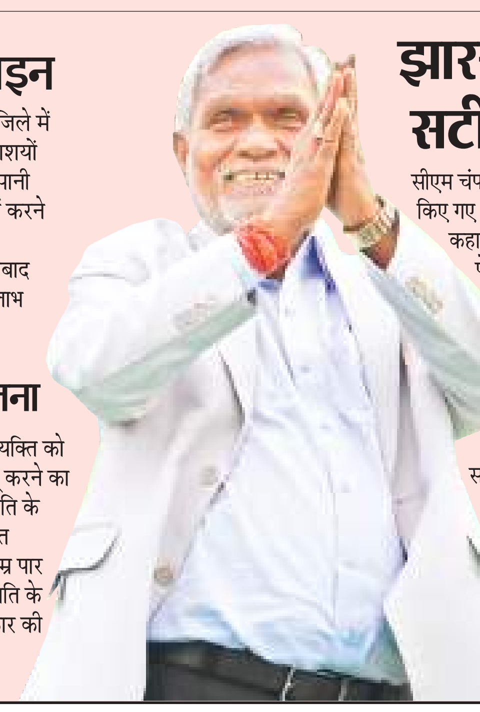

सीएम चंपाई सोरेन ने वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव द्वारा पेश किए गए 2024-25 के बजट की जमकर तारीफ की है. उन्होंने कहा कि झारखंड के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को लेकर पेश किए गए इस बजट में आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े मामलों का विशेष ध्यान रखा गया है. इसमें रांची में इनर रिंग रोड समेत कई फ्लाईओवर बनाने का प्रस्ताव है. उसके साथ ही साथ ग्रामीण सड़कों एवं पुलों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया है. पिछले चार वर्षों की तरह ही, हमारी सरकार का यह बजट, वास्तव में गांव, गरीब, किसानों, मजदूरों एवं प्रदेश के विकास का सटीक रोडमैप है. सीएम ने कहा कि किसानों को ऋण मुक्ति दिलाने के लिए इसमें ऋण माफी की सीमा को बढ़ाया गया है. किसानों के लिए कृषि उपकरण से लेकर सिंचाई तक की व्यवस्था की जाएगी. उन्हें समुचित प्रशिक्षण देते हुए कृषि की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल करना सिखाया जाएगा.

- झारखंड में अब 20 लाख से बढ़कर 25 लाख लोगों को राज्य सरकार खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ेगी.
- पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत 2,500 किमी पथ एवं 200 पुल के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है.
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1000 किमी के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है
- बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है.
- स्कूली शिक्षा में 325 प्रखंड स्तरीय लीडर स्कूल के निर्माण का लक्ष्य.

बोले पीएम : भाजपा कभी किसी राज्य को वोट बैंक के नजरिए से नहीं देखती

विपक्ष मान चुका है कि वह चुनाव हारेगा : मोदी

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दावा किया कि विपक्ष यह मान चुका है कि वह इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में जीत नहीं पाएगा और देश की प्रगति को लेकर उसके पास कोई खाका नहीं है इसलिए वह उन्हें 'भला-बुरा' कहने की रणनीति अपना रहा है. मोदी ने यहां सेंट्रल स्टेडियम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई की पदयात्रा के समापन समारोह में केरल के लोगों से आग्रह किया कि वे आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य में उनकी पार्टी को दोहरे अंकों में सीट जिताकर अपना आशीर्वाद दें. उन्होंने कहा कि भाजपा कभी किसी राज्य को वोट बैंक के नजरिए से नहीं देखती. मोदी ने दावा किया कि पिछले 10 साल में केरल को अन्य भाजपा शासित राज्यों की तरह ही विकास से लाभ हुआ है. उन्होंने कहा कि यह उनकी गारंटी है कि वह केरल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को साकार करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के साथ-साथ देश से गरीबी और भ्रष्टाचार मिटाना 'मोदीयूड गारंटी' है.

आप सभी अमृत पीढ़ी के प्रतिनिधि : मोदी ने अंतरिक्ष यात्रियों की प्रशंसा की और कहा कि उनका नाम भारत की सफलता के साथ जुड़ गया है. उन्होंने प्रशिक्षण के प्रति उनके समर्पण और भावना की सराहना की और कहा कि वे भारत की अमृत पीढ़ी के प्रतिनिधि हैं, जो कभी हार नहीं मानती और सभी प्रतिकूल परिस्थिति को चुनौती देने की ताकत रखती है.

गगनयान मिशन के लिए 4 अंतरिक्ष यात्रियों के नाम घोषित

पीएम मोदी ने मंगलवार को उन चार अंतरिक्ष यात्रियों के नामों की घोषणा की जो देश के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन-गगनयान के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं. पीएम ने थुंबा स्थित विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अंगद प्रताप, अजीत कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान मिशन के लिए नामित किये गए अंतरिक्ष यात्री हैं. उन्होंने इन चारों को अंतरिक्ष यात्री पंख प्रदान किये. मोदी ने इन चार अंतरिक्ष यात्रियों को चार ताकतें करार दिया, जो देश के 1.4 अरब लोगों की आकांक्षाओं को समाहित करती हैं.

राहुल गांधी ने केंद्री की मोदी सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

सरकार देश के भविष्य की शत्रु बन गई है

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यूपी में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार देश के भविष्य की दुश्मन बन गई है. यूपी सरकार ने विभिन्न जिलों में 17 और 18 फरवरी को हुई पुलिस भर्ती परीक्षा को निरस्त कर दिया है और छह माह के भीतर पुनः परीक्षा कराने के आदेश दिए हैं. यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा बीते 11 फरवरी को आयोजित की गई समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 से जुड़ी शिकायतों की भी जांच कराने का निर्णय लिया है.

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, मोदी सरकार देश के भविष्य'' की दुश्मन बन गई है! कहीं भर्ती के लिए तरसते छात्र, कहीं पेपर लीक से हताश छात्र, कहीं नियुक्ति के लिए कोर्ट का चक्कर काटते छात्र, तो कहीं आवाज उठाने पर लाठियों की मार सहते छात्र.

उन्होंने दावा किया कि समीक्षा अधिकारी से लेकर पुलिस भर्ती तक और रेलवे से लेकर सेना तक एक भी परीक्षा न्यायपूर्ण ढंग से करा पाने में नाकाम भाजपा सरकार अपना गुस्सा युवाओं पर निकाल रही है. राहुल गांधी ने आरोप लगाया, नौकरी पैदा करने वाले संस्थान अपने मित्रों को बेच कर युवाओं को ठेके पर रखना, मोदी की नीति है और शोषण मोदी की गारंटी. मोदी सरकार छात्रों और उनके परिवारों के सपनों पर लगा ग्रहण है, जिसने उनसे उम्मीदों की रोशनी छीनी है. उन्होंने कहा, इस अपराध के लिए इतिहास नरेंद्र मोदी को कभी माफ नहीं करेगा.

ब्रीफ खबरें

टोल प्लाजा के कर्मियों को जल्द मिलेगा वेतन

मैथन। मैथन स्थित टोल प्लाजा पर एनपीएस कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों की समस्याओं की लेकर मंगलवार को पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कंपनी अधिकारियों से वार्ता की. इस दौरान चटर्जी ने वेतन भुगतान समस्याओं को प्रमुखता से उठाया. अधिकारियों ने चटर्जी को आश्वस्त किया की जल्द समस्याओं का निदान कर दिया जाएगा. अप्रैल महीने से सभी कर्मचारियों को सही समय पर अकाउंट पेमेंट, ईपीएफ, ईएसआईसी एवं चल रहे सही वेतन का भुगतान किया जाएगा. अधिकारियों द्वारा आश्वासन मिलने के बाद कर्मचारियों में खुशी देखी गई.

युवाओं व किसानों को ठगा गया: दीप नारायण

कतरास। जदयू प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स के प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह ने झारखंड सरकार के बजट पर पार्टी की ओर से अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट लोक लुभावन चुनावी बजट है. इस बजट में युवाओं और किसानों को ठगा गया है. बजट में रोजगार, कृषि विकास और ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु कोई योजना नहीं है. बजट में रोजगार का अभाव से राज्य के युवाओं का पलायन होगा. युवा ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं.बजट पुरी तरह से निराशाजनक है.

लाला हत्याकांड में गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। जमीन कारोबारी लाला खान की हत्या के चर्चित मामले में मंगलवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने अपर लोक अभियोजक को गवाह पेश करने का आदेश दिया है. जमीन कारोबारी मोहम्मद असरफ अल हसन उर्फ लाला खान की गोली मारकर हत्या12 मई 21 को दोपहर करीब 3 बजे की गई थी. जब्बार मस्जिद के पास दिनदहाड़े अपराधियों ने लाला खान को गोली मारी थी. घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई थी.लाला खान के साले शहबाज आलम ने 13 मई 21 गुरुवार रात बैंक मोड़ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी.

सीबीआई को गवाह पेश करने का आदेश

धनबाद। जज हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे आरोपी राहुल वर्मा व लखन वर्मा के विरुद्ध दर्ज मोबाइल चोरी के मामले की सुनवाई मंगलवार को अदालत में हुई. धनबाद के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने सीबीआई को गवाह पेश करने का आदेश दिया है.सीबीआई ने दोनों के विरुद्ध हत्या के अलावे ऑटो चोरी एवं मोबाइल चोरी अलग एफआईआर 7 सितंबर 21 को दर्ज की थी. सीबीआई ने दोनों के विरुद्ध 27 अक्टूबर 21 आरोप पत्र दायर किया था. 24 नवंबर 21 को आरोप तय होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी.

चोरी के डीजल के साथ दो गिरफ्तार

तेतुलमारी। सोमवार की देर रात तेतुलमारी पुलिस ने गश्ती के दौरान सुभाष चौक के समीप मारुति ईको वाहन से करीब 250 लीटर चोरी का डीजल के साथ दो युवकों को धर दबोचा. पुलिस ने वाहन सहित डीजल को जप्त लिया. साथ ही गिरफ्तार तस्करों व वाहन मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर लिया है. मंगलवार को गिरफ्तार दोनों तस्करों को जेल भेज दिया है. बताया जाता है कि गश्ती दल को गुप्त सूचना मिली की कुछ लोग कोलियरियों से डीजल चोरी कर इक्कों वाहन में लोड कर उसे ले जा रहे हैं सूचना के आलोक पर पुलिस ने जांच पड़ताल में वाहन में 10 गिलन लगभग 250 लीटर डीजल भरा हुआ मिला.

वास्तु विहार आवासीय परिसर में कहीं भी मस्जिद या ईदगाह निर्माण का जिक्र नहीं है : प्रबंध निदेशक

दोनों पक्षों की उपस्थिति में हुआ ईदगाह विवाद का समाधान

संवाददाता। गोविंदपुर

गोविंदपुर थाना परिसर में मंगलवार को दंडाधिकारी अंचल निरीक्षक कुमार सत्यम भारद्वाज एवं पुलिस इंस्पेक्टर रविकांत प्रसाद ने वास्तु विहार उत्तरायण कॉलोनी कौआ बांध के दोनों पक्षों की उपस्थिति में नमाज गाह विवाद का समाधान कर दिया. वास्तु विहार के प्रबंध निदेशक धीरेंद्र सिंह ने कंपनी का बायलॉज सभी के समक्ष रखा. इसके प्रावधानों में वास्तु विहार आवासीय परिसर में कहीं भी मस्जिद, नमाज गाह या ईदगाह निर्माण का जिक्र नहीं है. सिंह ने कहा कि निर्माण की लिखित या मौखिक किसी भी तरह की सहमति नहीं दी गई थी. उन्होंने यह भी कहा कि यह आवासीय परिसर है और इसमें किसी भी तरह के अवैध निर्माण की इजाजत नहीं दी जा सकती. इसके बाद दोनों समुदाय के लोग यथा स्थिति बनाए रखने पर सहमत हुए.

खास बातें

- अवैध निर्माण की इजाजत नहीं दी जा सकती
- इबादत करने पर किसी को कोई मनाही नहीं

इबादत में बाहरी लोग भाग नहीं लेंगे

अंचल निरीक्षक एवं पुलिस इंस्पेक्टर ने दोनों पक्षों से पूर्व की तरफ भाईचारा के साथ रहने और एक दूसरे के सुख-दुख में साथ देने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि किसी के घर में इबादत करने पर किसी को कोई मनाही नहीं है, लेकिन उसमें बाहर के लोग भाग नहीं लेंगे. मोहल्लावासी शामिल होंगे. किसी भी तरह का माइक नहीं लगने पर भी सहमति बनी. वार्ता में वास्तु विहार सोसायटी के अध्यक्ष हरिरंजन सिंह, सचिव आरके सिंह, कोषाध्यक्ष देव प्रकाश तिवारी, आजसू नेता पप्पू सिंह, विहिप जिलाध्यक्ष विपिन कुमार मंडल, दीपक मंडल, प्रदीप गुप्ता, राजकिशोर गोप, नितेश गोप, मुन्ना खान, शाहनवाज आलम, जयप्रकाश शर्मा, अभिषेक सिंह, विवेक सिंह, राजेश जायसवाल, विजय बरनवाल, डॉ एएन सिंह, इंदू सिंह, संध्या पांडेय, किरण सिंह, इंदु अग्रवाल, नीलू देवी, सिमरन कुमारी, रिंकी जायसवाल, प्रीति कुमारी, महेंद्र प्रसाद, राजकुमार साव समेत दोनों पक्षों के दर्जनों लोग शामिल थे.

आपसी सहमति के बाद अवैध अधूरा निर्माण हटा

अंचल निरीक्षक एवं पुलिस इंस्पेक्टर ने कहा कि वास्तु विहार प्रबंधन की जो नियमावली है, उसके विरुद्ध किसी भी तरह के अवैध निर्माण की अनुमति प्रशासन नहीं देगा. इसके बाद वास्तु विहार प्रबंधन ने 12 घंटे में विवादित अधूरे निर्माण को हटाकर पूर्व की स्थिति में लाने की बात कही. इसमें दोनों पक्षों ने सहमति जताई और शाम तक अवैध अधूरा निर्माण हटा लिया गया.

बाहरी लोग 77 साल से कर रहे हैं कब्जा, मगर अधिकारी गंभीर नहीं

रेलवे की जमीन कब्जा कर बना लिये 1,53,832 मकान

संवाददाता। धनबाद

भारतीय रेलवे में 74 रेल मंडलों में सबसे अधिक हर साल 26 हजार करोड़ की कमाई कर नंबर वन का खिताब जीतने वाले वाला धनबाद रेल मंडल में कब्जाधारियों ने 1, 53, 832 मकान बना लिया है. कब्जाधारियों को रेलवे की ओर से संयुक्त रूप से नोटिस दी गई है, लेकिन कब्जा मुक्त नहीं हो रहा है. कभी कभार किसी-किसी इलाके में रेलवे की ओर से अभियान चलाकर अतिक्रमणकारियों के घरों-झोपड़ियों को ध्वस्त किया जाता है.

हालांकि, यह अभियान नाकाफी है. जानकारों का कहना है कि धनबाद रेल मंडल के 147 रेलवे स्टेशन व हॉल्ट के निकट रेलवे कॉलोनियों में भले ही रेलवे की ओर से 24,630 रेलवे क्वार्टर बनाए गए हैं, लेकिन इन क्वार्टरों के आसपास खाली जमीन पर भू-माफिया ने 1, 53, 832 मकान बना डाले. यह कब्जा कोई एक दिन या एक साल में नहीं किया गया, बल्कि आजादी के बाद 1947 से 2024 के बीच 77 सालों में किया गया है. रेलवे से अधिकारी शुरू से ही राजस्व बढ़ाने में लगे रहे और गैर रेलकर्मी रेलवे कॉलोनियों में शरण लेकर पहले झोपड़ी बनाया और बाद में कुछ वर्षों बाद कच्चे और पक्के मकान बना लिया. रेलवे के अधिकारियों ने आरपीएफ जवानों के साथ रांगाटांड़, डायमंड क्रॉसिंग व न्यू मटकुरिया कॉलोनी समेत एक दर्जन कॉलोनियों में अभियान चलाकर झोपड़ी व घरों पर बुलडोजर चलवाया.

तालाब की 90 एकड़ जमीन पर कब्जा

जानकारी के अनुसार, धनबाद स्टेशन के पूर्व व पश्चिम दिशा में रेलवे के दो तालाब हैं. अंग्रेजों के जमाने में बना रेलवे के तालाब का 90 एकड़ हिस्सा भू-माफियाओं का निवाला बन चुका है. तालाब के किनारे के हिस्से को जमीन तैयार कर सैकड़ों घर बन गए हैं, जो खुद को अब रैयती बता रहे हैं. बकायदा गृहस्वामी के पास रजिस्ट्री की हुई जमीन के कागजात भी हैं. निगम को होल्डिंग टैक्स भी दे रहे हैं. आजादी से पहले दोनों तालाब 125 एकड़ का था, लेकिन वही तालाब 76 साल बाद सिकुड़ कर 35 एकड़ का हो गया. रेलवे के पास तालाब का नक्शा नहीं होने से अधिकारियों को दिक्कत हो रही है. यही हाल रहा तो आनेवाले कुछ वर्षों में दोनों तालाब लुप्त हो जाएगा.

क्वार्टरों पर भी नहीं दिया गया ध्यान

लोगों का कहना है कि अतिक्रमणकारियों की बात कौन करे, रेलवे अधिकारियों ने क्वार्टरों पर भी ध्यान नहीं दिया. कभी मरम्मत के बारे में नहीं सोचा. सिर्फ बंगला व डीआरएम कार्यालय को देखा. उसके बाद कमाई वाले रेलवे परियोजनाओं पर ध्यान दिया. रेलकर्मी परिवार के क्वार्टरों में झांकने तक नहीं गए. कई बार रेलकर्मी परिवार और यूनियन के नेता अधिकारियों से शिकायत किया, लेकिन समस्या फाइलों में कैद होकर रह गई. रांगाटांड़ हो या फिर हिल कॉलोनी, पुराना स्टेशन या डीएस कॉलोनी व वाच एंड वार्ड, सभी कॉलोनियों के 50 फीसदी से अधिक क्वार्टर जर्जर हो चुके हैं. उसे बचाने के लिए कभी ध्यान नहीं दिया गया.

अधिकारियों के बंगले का हर साल होता है मेंटेनेंस

रेलकर्मी बताते हैं कि धनबाद रेल मंडल में लगभग 134 रेल अधिकारी है और बड़े-बड़े बंगले में रहते हैं. उनके बंगले का हर साल बरसात से पहले मेंटेनेंस होता है. रंगाई-पोताई भी होता है. खिड़की-दरवाजा और बगिया का गेट भी दुरूस्त हो जाता है. पुराना है तो नया लग जाता है. इसके लिए टेंडर निकालने की जरूरत नहीं होती है. रेलवे के पास हर साल विभिन्न कार्यों के लिए करोड़ों का बजट आता है, जिसमें रेलवे के अधिकारी निजी तौर पर इस्तेमाल कर लेते हैं और दूसरे कार्य में दिखा देते हैं. बंगले के भीतर पुराने टाइल्स को भी तुड़वा कर नया बिछाते हैं. शौचालय व स्नान घर को भी मेंटनेंस करा कर नया रूप देते हैं. बंगले के साथ-साथ अपने कार्यालय के चेंबर का भी मेंटेनेंस कराते हैं. यहां तक की हर साल खिड़की का पर्दा भी लगाते हैं.

तोपचांची झील के सौंदर्यीकरण की मांग विधानसभा में उठी

तोपचांची। प्रखंड अपनी अनुपम सुंदरता के कारण देश विदेश में काफी सुप्रसिद्ध है. प्रखंड में स्थित तोपचांची झील अपनी अनुपम सुंदरता के कारण दुर दराज के पर्यटकों का झील में आना जाना हमेशा लगा रहता है. झील के प्रवेश द्वार से झील के अंदर विकास नहीं होने के कारण झील अपने अस्तित्व को लेकर लड़ाई लड़ रही है. सरकार के द्वारा सौंदर्यीकरण के नाम पर लाखों करोड़ों रुपए का योजना बनाया जाता है परंतु योजना आने से पहले ही योजना का बंदर बांट शुरू हो जाता है और विकास कार्य अधूरी रह जाती है. शुभम संदेश दैनिक अखबार के माध्यम से हमने तोपचांची झील की बादल तस्वीर को बड़ी प्रमुखता से सरकार को दिखाने का काम किया.

आगामी लोस चुनाव पर दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया

गोमो। 27 फरवरी 2024 को प्रखंड कार्यालय तोपचांची के सभागार में आगामी लोकसभा चुनाव हेतु प्रखंड कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया. इस दौरान चुनाव कार्य की बारीकियों को अच्छी तरह से समझाया गया. जिसमें बैलेट यूनिट, वी वी पेट, कंट्रोल यूनिट, के कार्य प्रक्रिया को बताया गया. साथ ही विधिक लिफाफा, एससियल पेपर, अविधिक लिफाफा चौथा लिफाफा के फार्म भरने एवं सीलिंग प्रक्रिया बताई गई. साथ ही मॉकपोल क्या है और क्यों करवाया जाता है. इसे विस्तार से बताया गया. विशेष परिस्थितियों जैसे टेंडर वोट, चैलेंज वोट, प्रॉक्सी वोट, ईडीसी, टेस्ट वोट, क्या है इन्हें भी विस्तार से बताया गया. प्रशिक्षक के रूप में ब्रिज किशोर चौबे एवं प्रदीप कुमार मिश्र उपस्थित रहे. प्रशिक्षण पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से दिया गया.

न्यूज अपडेट

पीएम के आगमन को लेकर स्थल का निरीक्षण

धनबाद। एक मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के धनबाद आगमन से पहले मंगलवार को झारखंड के डीजीपी, मुख्य सचिव, आईजी, डीआईजी सहित जिले के डीसी एवं एसएसपी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. अधिकारियों के साथ धनबाद विधायक राज सिन्हा ने भी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया. निरीक्षण के बाद डीजीपी अजय कुमार सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर संतोष जताया. डीजीपी सभी अधिकारियों के साथ पहले हर्ल प्लांट पहुंचे. जहां प्रधानमंत्री द्वारा हर्ल कारखाने का उद्घाटन किया जाएगा. वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के बाद बरवाअड्डा स्थित हवाई अड्डा पहुंच कर वहां के कार्यक्रम स्थल का भी मुआयना किया.

एआईआरएफ के 100 वर्ष पूरे, डाक टिकट जारी

धनबाद। ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत सरकार ने शताब्दी स्मारक डाक टिकट का विमोचन किया. नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम में आयोजित ऑल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन के विशेष जनरल काउंसिल की बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इसका विमोचन रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया. समारोह की अध्यक्षता एआईआरएफ के अध्यक्ष डॉ एन कन्हैया और मंच संचालन महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा ने किया. जिसमें रेलवे बोर्ड की चेयरमैन जया वर्मा सिन्हा सहित अन्य लोग शामिल थे. बता दें कि ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन की स्थापना 1924 में हुई थी.

चिरकुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में घोर अव्यवस्था

मैथन। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुधांशु शेखर झा ने मंगलवार को तालडांगा क्षेत्र में न्याय का हक मिलने तक जनसंपर्क अभियान चलाया. इस दौरान लोगों ने झा को बताया कि सिटीजंस फाउंडेशन द्वारा संचालित चिरकुंडा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नियमित रूप से कभी भी डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहते हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र के लोग चिकित्सा सुविधा से वंचित हैं. शिकायत मिलने पर झा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे. इस दौरान कर्मियों ने बताया कि डॉक्टर दो सप्ताह बाद मिलेंगे. इस दौरान उन्होंने कहा कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन की सरकार में इस तरह की अंधेरगर्दी नहीं चलने दिया जा सकता है.

श्रीराम सेल्स के मैनेजर ने दर्ज कराई प्राथमिकी

धनबाद। धनबाद के मटकुरिया रोड निवासी आशीष कुमार बंसल, जो श्रीराम सेल्स गोविंदपुर में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं. उन्होंने चास के हिमाद्री स्टील ट्रेडर्स के खिलाफ बिना टैग वाली रॉड की खरीद बिक्री करने का मुकदमा स्थानीय थाने में दर्ज कराया है. चास थाने में दी गई शिकायत में उन्होंने बताया है कि श्रीराम सेल्स नौ जिलों के अधिकृत विक्रेता हैं. मंगलवार को वह और उनके साथ विक्रय पदाधिकारी रवि चौधरी और अनिर्वन घोष बोकारो के डीलर बंधुओं से मिलने के मकसद से निकले थे. पुरुलिया रोड चास के हिमाद्री ट्रेडर्स पहुंचे, तो देखा कि वहां बिना टैग वाले रॉड रखे हुए हैं.

थाना प्रभारी को संस्थान के सदस्यों ने किया स्वागत

महुदा। भाटडीह ओ पी के नव नियुक्त ओपी प्रभारी बाल मुकुंद सिंह को स्वाभीमान संस्था के सदस्यों ने मंगलवार को गुलदस्ता देकर स्वागत किया. इस अवसर पर प्रभारी ने आभार प्रकट करते हुए जनसहयोग का आदान प्रदान पर बल दिया. साथ ही पुलिस पब्लिक में सामंजस्य स्थापित करने को लेकर संस्थान से सहयोग की अपील की. मौके पर संस्थान के अध्यक्ष भुनेश्वरी देवी, सचिव सुषमा देवी, सदस्य लक्ष्मी देवी, मालती देवी,रेणु कुमारी, आमना खातुन, अंजली कुमारी, दिपाली कुमारी, महेश्वर महतो, आदि उपस्थित थे.

सीए की धनबाद शाखा को मिला जागरूकता पुरस्कार

धनबाद । सीए की धनबाद शाखा कमेटी ने अपनी लगन और मेहनत के दम पर सामाजिक जागरूकता पुरस्कार में बाजी मारी. सीआईआरसी ऑफ आईसीआई द्वारा 26 फरवरी को जयपुर में वार्षिक उत्सव आयोजित किया गया था, जिसमें धनबाद ब्रांच को सामाजिक जागरूकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया .इस संबंध में 2023- 24 के चेयरमैन सौरव अग्रवाल ने कहा की यह सफलता ईश्वर की कृपा माता-पिता के आशीर्वाद और पूरी कमेटी के सहयोग से प्राप्त हुआ है. उन्होंने कहा कि धनबाद सीए परिवार के मेंबर्स तथा स्टूडेंट्स के स्नेह और सीनियर्स के मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं हो पाता.

भाजपा ने चिरकुंडा में निकाली पदयात्रा

मैथन। भाजपा धनबाद जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश सिंह के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक मार्च को धनबाद आगमन को लेकर चिरकुंडा शहीद चौक से आमंत्रण पदयात्रा निकाला गया, जो चिरकुंडा थाना व पंचेत रोड से होते हुए वापस शहीद चौक पहुंचा. मौके पर जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश सिंह ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धनबाद आगमन पर उनके स्वागत पर निरसा विधानसभा क्षेत्र से लाखों की संख्या में लोग पहुंचेंगे. हम लोगों ने यह निर्णय लिया है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे. यह संदेश लोगों के घर-घर तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया है.

जुनकूंदर में सात दिवसीय रामलीला शुरू

मैथन। चिरकुंडा क्षेत्र के जुनकुंदर ब्रह्मस्थान में धर्म उत्थान समिति की ओर से मंगल मूर्तिधाम परिसर में श्री रामलीला मंडली प्रयागराज के संचालक जितेंद्र पांडेय के नेतृत्व में मंगलवार को सात दिवसीय रामलीला शुरु हुआ. यूपी से आए युवा कलाकारों ने भव्य रामलीला प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया. रामलीला की शुरुआत गणेश वंदना के साथ हुआ. पहले दिन भगवान रामचंद्र, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न के जन्म दिखाया गया. मौके पर पुजारी संतोष पांडेय, रिंटू पाठक, मुखिया रंजीत पासवान, उपमुखिया पूनम मल्लिक, राजू चौहान, बीरेंद्र अटल आदि मौजूद थे.

याद किए गए चंद्रशेखर आजाद, दी श्रद्धांजलि

कतरास। पार्श्वनाथ उद्यान रामकनाली में मंगलवार को बीसीकेयू एवं झामुमो के संयुक्त तत्वावधान में क्रांतिकारी महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद शिरोमणी चंद्रशेखर आजाद की शहादत दिवस मनाया गया, जिसकी अध्यक्षता राजेन्द्र प्रसाद राजा ने किया. सर्वप्रथम उपस्थित लोगों ने शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपना श्रद्धा सुमन अर्पित किया. वक्ताओं ने शहीद आंदोलन एवं उद्देश्य पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए देश की आजादी क्रांतिकारियों के बलिदान का देन बताया. श्रद्धांजलि सभा में बीसीकेयू के केंद्रीय सचिव कंचन महतो, झामुमो पंचायत अध्यक्ष साजन महतो एवं संजय महतो सहित अन्य मौजूद थे.

कार्यक्रम की सफल बनाने निकला प्रचार वाहन

गोविंदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की सफलता को लेकर जिला उपाध्यक्ष नंदलाल अग्रवाल ने मंगलवार को प्रचार वाहन को रवाना किया. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सभा ऐतिहासिक होगी. इसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण भाग लेंगे. भाजपा नेता ओमप्रकाश बजाज, सांसद प्रतिनिधि बलराम साव, दिनेश मंडल, बमबम साव, तालेश्वर साव, नंद गोपाल गिरि, निर्मल कुमार आदि ने पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न पंचायत का दौरा किया और ग्रामीणों को प्रधानमंत्री की सभा में भाग लेने का आमंत्रण दिया. पश्चिमी मंडल अध्यक्ष अजय गिरि, किसान मोर्चा के प्रदेश सदस्य बलदेव महतो, अजय दास, वीरेंद्र गिरि आदि ने पश्चिमी मंडल के प्रचार वाहन को रवाना किया और पंचायतों का दौरा कर कार्यक्रम में भागीदारी का निमंत्रण दिया.

जनप्रतिनिधियों का धरना दूसरे दिन भी जारी, बीडीओ पर जमकर निकाली भड़ास

संवाददाता। तोपचांची

प्रखंड विकास पदाधिकारी फणीश्वर रजवार के खिलाफ प्रखंड मुखिया संघ का बेमियादी धरना दूसरे दिन भी जारी रहा. उपस्थित वक्ताओं प्रखंड विकास पदाधिकारी फणीश्वर रजवार के खिलाफ जमकर बरसे. मुखियाओं ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी फणीश्वर रजवार अपने तानाशाही रवैया से बाज नहीं आ रहे हैं. पदाधिकारी अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहे हैं. जदयू झारखंड प्रदेश महासचिव दीपनारायण सिंह ने कहा कि जो बीडीओ किसी पार्टी के इशारे में काम रही है वैसे बीडीओ का सूची चुनाव आयोग को देने का काम करेंगे. ग्राम सभा से पारित को कूड़ेदान में फेंक कर अपने मनमानी तरीके से सूची बनाने का काम किया है. बीडीओ के कार्यशैली में सुधार करने की चेतावनी दिया. प्रखंड मुखिया संघ के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण वर्णमाला ने कहा कि बीडीओ अपनी कार्यशैली में सुधार लाएं अगर बीडीओ गिरी दिखाना है तो कार्यालय में दिखाई पंचायत में नहीं. जिला परिषद सदस्य विकास महतो ने कहा कि प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण जन कल्याणकारी योजना धरातल में उतर नही पा रही है. प्रखंड प्रमुख ने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी अपनी मनमानी तरीके से काम नहीं करें.

समाजसेवी गोपाल पाण्डेय ने कहा कि बीडीओ को पहले तीन पंचायत मिला था वर्तमान तोपचांची में उन्हें 28 पंचायत मिल जाने से अपना होशोहवास खो बैठे है. मौके पर मुखिया द्वारिका महतो, सीताराम महतो, सरवर खान, कपिल सिंह, अजमत अंसारी, जाबिर अंसारी, दयानंद प्रमाणिक सहित अन्य उपस्थित थे.

विस्थापन नीति का पालन करें आउटसोर्सिंग प्रबंधन: हर्ष सिंह

संवाददाता। धनबाद

सुशी आउटसोर्सिंग में सोमवार को सिंह मेंशन एवं रघुकुल समर्थकों में हुई मारपीट की घटना के बाद मंगलवार को जनता मजदूर संघ (बच्चा गुट) के संगठन सचिव हर्ष सिंह जयरामपुर पहुंचे . जहां उन्होंने कल की घटना के लिए सीधे तौर पर आउटसोर्सिंग प्रबंधन को दोषी ठहराया. कहा कि यदि एटी देवप्रभा आउटसोर्सिंग के प्रबंधन जबरन लोगों को हटाने की कोशिश करेंगे तो पूरे झरिया में चल रहे उसके सभी आउटसोर्सिंग को बंद करा दिया जाएगा . हर्ष ने कहा कि प्रबंधन विस्थापन नीति का पालन करते हुए लोगों से बात कर पुनर्वास की व्यवस्था करें . हर्ष सिंह ने कल की घटना पर कहा कि परियोजना विस्तारीकरण में बाधक बनी चार आवासों का सुविधा के साथ पुनर्वास कि सहमति दी गई है.

सिंह मेंशन व रघुकुल समर्थकों में हुई थी भिड़ंत

मालूम हो कि सोमवार को जयरामपुर में चल रही आउटसोर्सिंग परियोजना से पास की बस्ती की सुरक्षा को बनी बैरियर को काटे जाने के बाद सिंह मेंशन और रघुकुल समर्थकों में भिड़ंत हुई थी. जिस घटना को लेकर मंगलवार को बच्चा गुट के संगठन सचिव हर्ष सिंह ने घटनास्थल का दौराकर किया. उन्होंने यह भी कहा कि वे कोयला उत्पादन के विरोधी नहीं है. लेकिन, ग्रामीणों कि आवासों पर जबरन डोजर चलाकर आउटसोर्सिंग प्रबंधन ने अगर घर उजाड़ने की हिमाकत की तो उनका संगठन झरिया क्षेत्र में चल रही उसकी सारी परियोजनाओं को बंद करा देगा.

सावधान ! अन्य राज्यों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों को फोन पर धमकी देकर की जा रही ठगी

साइबर ठगी के नए ट्रेंड से अभिभावकों में खौफ

- रकम ना दें, सबसे पहले पुलिस को सूचित करें
- बातों में उलझाकर फोन काटने नहीं देते ठग

संवाददाता। धनबाद

साइबर ठगों ने धनबाद कोयलांचल के अभिभावकों में खौफ की लहर दौड़ा दी है. एक के बाद एक कर दर्जनों फोन ऐसे अभिभावकों के पास आए हैं, जिनके बच्चे अन्य राज्यों में पढ़ते हैं. ऐसे लोगों को फोन पर कहा जाता है कि उनका बेटा रेप केस में फंस गया है, दुर्घटना में घायल हो गया है, या कोई और मामले में थाने में बंद है, उसकी पिटाई हो रही है....आदि बातें बताकर फिर कहा जाता है यदि बेटे को केस से बाहर निकालना है तो लाख-पचास हजार रुपये तत्काल देने होंगे. ऐसे में धनबाद में कई तो ठगे भी जा चुके हैं, जबकि कई लोग थोड़ी होशियारी दिखा कर साइबर ठगों के इरादों को नाकाम कर चुके हैं. ऐसे साइबर ठगों से बचने के लिए पुलिस की तरफ से कई सुझाव हैं.

सबसे पहले इन बातों पर ध्यान दें

सबसे पहले इस बात पर ध्यान दें कि वह आपकी बेचैनी को ही हथियार बनाता है. ऐसे कॉल आने पर आपको बेचैन नहीं होना है. समझदारी से काम लेना है, क्योंकि यदि आपके बच्चों के साथ कुछ मामला होता है तो इसकी जानकारी स्कूल-कॉलेज प्रबंधन के तरफ से आपको दी जाएगी. सिर्फ इतना ही नहीं फोन करने वाला सबसे पहले यह सुनिश्चित करता है कि आपको फोन काटने नहीं देना है. क्योंकि वह जानता है कि यदि आपने फोन काट दिया तो अपने बच्चे या उसके संबंधित संस्थान को फोन कर जानकारी लेंगे. इसी को लेकर साइबर ठग फोन पर इतना प्रेशर बना देता है और तरह-तरह की बातों में उलझाकर फोन तब तक काटने नहीं देता, जब तक रकम उसके बताए खाते या मोबाइल नंबर में ट्रांसफर नहीं हो जाती. इसके अलावा वह फोन में बातकर वह यह भी कंर्फम करता है, आपका बच्चा बाहर में पढ़ाई करता है कि नहीं, फिर आपके डर को रुपये में तब्दील कर लेता है. ऐसे में यदि आपके पास यदि कोई इस तरह का फोन आता है तो पहले पुलिस को सूचित करें, न कि खुद रकम देकर ठगी का शिकार बनें.

साइबर अपराध के लिए दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता। मैथन

साइबर अपराधियों पर नकेल कसने के लिए मंगलवार को मैथन स्थित एसडीपीओ कार्यालय में पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दी गई. प्रशिक्षण में निरसा अनुमंडल के सभी थाना व ओपी प्रभारी मौजूद थे. साइबर डीएसपी एस लकड़ा एवं उनके टीम ने पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया. इसकी जानकारी देते हुए एसडीपीओ रजत मानिक बाकला ने बताया कि आज साइबर क्राइम बढ़ता जा रहा है. हमारे क्षेत्र में भी साइबर अपराधी पाव पसार रहे हैं. कुछ अपराधियों को क्षेत्र में रहने की भी सूचना है. ऐसे में साइबर क्राइम अंकुश लगाने, अपराधियों पर नकेल कसने एवं उन्हें गिरफ्त में लेने के उद्देश्य से एक समीक्षा बैठक सह साइबर प्रशिक्षण आयोजित किया गया. बाकला ने कहा कि हमारे क्षेत्र के सभी थाना व ओपी प्रभारी नये हैं और मैं भी नया हूं. यह नई टीम क्षेत्र में बेहतर कार्य कैसे कर सकते हैं, आपसी तालमेल एवं जनता के विश्वास व सहयोग प्राप्त करने आदि मुद्दों पर विस्तार से चर्चा किया गया. संगठित एवं आर्थिक अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण, लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आवश्यक दिशानिर्देश भी दिया गया.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | बुधवार 28 फरवरी 2024 ● फाल्गुन कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 311 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झामुमो संकल्प सभा में भाजपा को सबक सिखाने का कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

साजिश के तहत हेमंत को भेजा गया जेलः चंपाई सोरेन

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड आदिवासी मूलवासियों का है. रांची ही नहीं, बोकारो, धनबाद और जमशेदपुर की जमीन भी आदिवासी मूलवासियों की है. आदिवासी और मूलवासियों के हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा है. यह केंद्र की मोदी सरकार को नहीं दिख रहा है. सिर्फ 8 एकड़ जमीन की बात हो रही है. जिसका कोई खता बही नहीं है. कहीं भी हेमंत सोरेन का नाम नहीं है. इसके बाद भी एक षडयंत्र के तहत युर्वा सम्राट और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल भेज दिया गया. 2024 के चुनाव में इसका जवाब देंगे. उक्त बातें मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने पुराने विधानसभा मैदान में कही. वे झामुमो के संपल्प रैली को संबोधित कर रहे थे. आदिवासियों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ, हेमंत सोरेन को जेल भेजने के खिलाफ संकल्प रैली का आयोजन किया गया था.

चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड में डबल इंजन की सरकार थी. जिसने हाथी उड़ाया. नौकरी देने के नाम पर युवाओं का धोखा दिया. वे हमेशा से छलने का काम किया है. आदिवासियों का कभी भी भला नहीं किया. आदिवासियों की संपत्ति को लूटने का काम किया. ऐसी पार्टी, जिसने हमारे नेता को जेल भेजा, उसे सबक सिखाने का समय आ गया है. बीजेपी बहरूपिया पार्टी है. हमसब आज संकल्प ले कि किसी भी पंचायत के किसी भी बूथ पर उस पार्टी को जीतने नहीं देंगे. 2024 के लोकसभा चुनाव में 14 सीटों पर महागबंधन को जीताने का काम करेंगे.

हमारे बच्चे नहीं पढ़ें, इसलिए बंद कर दिया 5000 स्कूल : चंपाई सोरेन ने कहा कि भाजपा शिक्षा, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बात नहीं करती. क्योंकि कभी भी इस क्षेत्र में काम किया ही नहीं. इस सरकार की सोच थी कि आदिवासी मूलवासी के बच्चे पढाई नहीं करे, तभी तो 5000 स्कूल को बंद करने का काम किया. जब हेमंत सोरेन की सरकार बनी, तो आदिवासी और मूलवासियों के लिए योजनाएं शुरू हुईं. आज हमारे बच्चे विदेशों में पढने जा रहे है. हमारे पूर्व मुख्यमंत्री को काम करने का बहुत कम समय मिला. सरकार बनी, तो दो साल कोरोना रहा. इसके बाद जब काम शुरू हुआ, रोजगार मिलने लगा, स्कूल में शिक्षा का स्तर सुधरा, यह सब भाजपा को अच्छा नहीं लगा. आखिर में हेमंत को जेल भेज दिया गया. हम भी मांग करते है कि केंद्र की सरकार आदिवासियों की जमीन, हरीयाली और उनकी खनीज संपत्ति वापस करें. हमें अपनी भाषा संस्कृति की भी रक्षा करनी है. ऐसे लोगों से सतर्क रहना है. अगामी चुनाव में भाजपा को सबक सिखाना है.

शिबू सोरेन ने हमलोगों को बेहतर संस्कार दिया है

चंपाई सारेन ने कहा कि जीवनभर आदिवासियों के नेता शिबू सोरेन ने जमीन की लड़ाई लड़ी. महाजन प्रथा का विरोध किया. आदिवासी कैसे आगे बढे, इसके लिए काम किया. आदिवासियों की जमीन वापस दिलाई. उसके पूत्र को जमीन के मामले में फंसा कर जेल भेज दिया. चंपाई सोरेन ने कहा कि 2019 में जनता ने हेमंत सोरेन को सरकार बनाने का मौका दिया. एक बेहतर जनादेश के साथ हेमंत सोरेन के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार बनी. झारखंड गठन के बाद जो किसी भी सरकार ने नहीं किया, बहुत कम समय में हेमंत सोरेन ने करके दिखाया. इससे भाजपा डर गई. जब से हेमंत सोरेन की सरकार बनी थी, तभी से सरकार को अस्थिर करने का काम किया जाता रहा. जब बात नहीं बनी, तो एक सोची समझी साजिश के तहत हमारे नेता को जेल में डाल दिया. हमारे नेता जबतक जेल से बाहर नहीं आ जाते, तबतक हमलोगों का संकल्प पूरा नहीं होगा. चंपई सोरेन ने कहा कि हेमंत सोरेन को बेवजह परेशान किया जाता रहा. कभी भ्रष्टाचार, कभी माइनिंग भ्रष्टाचार, तो कभी जमीन का भ्रष्टाचार की बात करते रहे, मगर यह कभी नहीं बताया कि भ्रष्टाचार अखिर कहां है. प्रदेश में सीएनटी एक्ट, एसपीटी एक्ट के रहते आदिवासियों की जमीन लूटती रही, मगर किसी को यह भ्रष्टाचार नहीं दिखा. झारखंड हमारे पूर्वजों के बलिदान की धरती है. यह भगवान बिरसा और तिलका मांझी की धरती है. इसके बाद भी यहां के आदिवासियों और मूलवासियों को एक प्रकार से घर में बंधक बनाकर रखने का काम किया गया. जब हेमंत सोरेन आदिवासी, मूलवासी की आवाज बने, तो उनकी आवाज को भी दबाने का काम किया गया.

खाता न बही, ईडी जो कहे, बस वही सही : मिथिलेश ठाकुर

संकल्प रैली को संबोधित करते हुए मंत्री मिथलेश ठाकुर ने कहा कि खाता न बही, ईडी जो कहें, वहीं सहीं. इसी आधार पर हमारे नेता हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया. एक साजिश के तहत ऐसा किया गया. हम दिल्ली में जाकर कहेंगे कि लालकिला मोदी का है, तो क्या मोदी को ईडी गिरफ्तार करेगी. लेकिन झारखंड में बिना किसी सबूत के ही हेमंत सोरेन को ईडी दोषी बता रही है. मिथलेश ठाकुर ने कहा कि हम सबों को भगवान ने बनाया है. मगर एक आदमी है, जो प्रचार कर रहा है वह धरती पर राम लल्ला को लाया है. भगवान को भी लाने का दावा अब यह लोग कर रहे हैं. जो राम लल्ला को लाए है, हम उसी को लाएंगे, ऐसा प्रचार कर रहे हैं. अगर उनमें शक्ति है तो वह घोटालेबाज निरव मोदी, चौकसे आदि को देश में लाकर दिखाए. कालाधन लाकर दिखाए. मोदी ऐसा काम कर रहे है कि देश का कर्ज बढता जा रहा है. आमलोग परेशान है. जीएसटी और नोटबंदी से आमलोगों को कोई फायदा नहीं हुआ. यह सबने देखा. अब समय आ गया है, ऐसी सरकार को सबक सिखाने का. हमारे नेता हेमंत सोरेन को जिसने जेल भेजा है, उसको सबक सिखाने का संकल्प लें.

संकल्प रैली को मंत्री दीपक बिरूआ, मंत्री हफीजुल हसन, विधायक बैजनाथ राम सहित कई नेताओं ने संबोधित किया. इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय नेताओं सहित जिला स्तर के नेता मंच पर उपस्थित थे. मंच से पार्टी नेताओं ने लोगों का अभार व्यक्त किया, जो दो दिनों के नोटिस में ही संकल्प रैली में शामिल होने के लिए भारी संख्या में उपस्थित हुए.

रामराज मंदिर के नाम पर रैयतों की जमीन हड़पने का लगाया आरोप

बाघमारा विधायक के खिलाफ रैयतों का बेमियादी धरना शुरू

- विधायक की बात नहीं सुनने पर तरह -तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है
- विधायक महतो रामराज मंदिर के नाम पर हम रैयतों की जमीन हड़पना चाहता है

संवाददाता। धनबाद

बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो के अत्याचार से परेशान चीटाही धाम के 8 रैयतों ने मंगलवार से रणधीर बर्मा चौक पर अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया है. इससे पूर्व रैयतों ने बाघमारा विधायक के खिलाफ राज्य के मुख्यमंत्री, धनबाद उपायुक्त, एसएसपी और एसडीएम से लिखित शिकायत की थी, जिसमें रैयतों ने विधायक ढुल्लू महतो पर रामराज मंदिर के नाम पर रैयतों की जमीन हड़पने, ग्रामीणों के साथ शोषण करने व अत्याचार का आरोप लगाते हुए 27 फरवरी तक न्याय दिलाने की मांग की थी. आवेदन पर कोई सुनवाई नहीं होने पर मंगलवार से रैयत अनिश्चित कालीन धरना शुरू कर दिया है.

धरने पर बैठे पीड़ित सुनीति कुमारी ने कहा कि विधायक ढुल्लू महतो के खिलाफ आखिरी सांस तक आंदोलन जारी रहेगा. क्योकि हम रैयतों की लड़ाई न्याय की मांग को लेकर है. विधायक राम राज मंदिर के नाम पर हम रैयतों की जमीन हड़पना चाहता है. विधायक की बात नहीं सुनने पर तरह तरह से प्रताड़ित किया जा रहा है. जिससे पूरे परिवार की भविष्य अधर में लटक गई है. रोजी रोजगार पर आफत आ गयी है. अब लड़ कर मरने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई रास्ता नही बचा है. क्योंकि मामले की लिखित जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री और जिला प्रसासन के वरीय अधिकारियों के देने के बावजूद विधायक पर कोई कार्यवाई नही हुई.

क्या कहते हैं पीड़ित

वहीं पीड़ित रजनी देवी, विकास महतो, नीरा देवी, जितनी देवी, सुरेश महतो, विकास महतो, अशोक माहतो ने कहा कि विधायक द्वारा बनाया गया चिटाही स्थित रामराज मंदिर प्रांगण के बाहर हम रैयतों का पुश्तैनी जमीन है. जहां हमलोग दुकान लगा कर अपनी रोजी रोटी चलाते हैं. जिसे विधायक के द्वारा जबरन मंदिर ट्रस्ट को दान करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है. नहीं देने पर विधायक द्वारा दुकान के आगे तिरपाल से घेर दिया गया है, दुकान और घर का बिजली भी कटवा दिया गया है, रास्ता बंद कर दिया गया है. विधायक की इस दबंगई, शोषण एवं अत्याचार के कारण हम लोगों का आर्थिक स्थिति अत्यंत खराब हो गया है. हम लोग अपनी दिनचर्या के जरूरत को पूरा करने में असमर्थ हो गए हैं. हम लोगों के समक्ष भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है. जिसके कारण हम सभी रैयत न्याय की मांग को लेकर अनिश्चित कालीन धरना पर बैठ गए है.

नक्सली कमांडर रवींद्र गंझू के दस्ते का सदस्य नायक गिरफ्तार

रांची। भाकपा माओवादी कमांडर रविंद्र गंझू के दस्ते का सदस्य रहा नक्सली किशोर नायक गिरफ्तार हुआ है. पुलिस की टीम ने किशोर नायक को रांची-लातेहार सीमा क्षेत्र से गिरफ्तार किया है. पुलिस ने किशोर नायक की निशानदेही पर पिस्टल समेत कई हथियार भी बरामद किया है. पुलिस फिलहाल उसे गुप्त ठिकाने पर रखकर पूछताछ कर रही है. किशोर पिछले कुछ महीने से कारोबारियों को धमकी देकर लेवी वसूलने में जुटा हुआ है. बीते दिनों किशोर ने लातेहार के चंदवा इलाके में फायरिंग की घटना को अंजाम दिया था. साथ ही कई वाहनों में तोड़फोड़ की थी. किशोर नायक इलाके में अभय जी के नाम से लेवी मांगता था. बताया जाता है कि 40-50 कारोबारी से लेवी वसूली की थी. किशोर नायक को 20 लाख के इनामी नक्सली रविंद्र गंझू का शूटर माना जाता है.

आज जारी होगा नया बिजली टैरिफ, बढ़ जाएगी बिजली दर

विशेष संवाददाता। रांची

विद्युत नियामक आयोग 28 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2023-24 का नया बिजली टैरिफ जारी करेगा. दोपहर 1.30 बजे आयोग अपने कार्यालय में इसकी घोषणा करेगा. मालूम हो कि उक्त वित्तीय वर्ष के लिए जेबीवीएनएल के प्रस्ताव पर आयोग ने अपनी सारी औपचारिकताएं पूरी कर ली है. जनसुनवाई और सलाहकार परिषद की बैठक करके प्रक्रिया पूरी कर ली है.

जेबीवीएनएल का यह है प्रस्ताव : जेबीवीएनएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए घरेलू कंज्यूमरों के लिए प्रति यूनिट 2.30 रूपया बढ़ाने का प्रस्ताव आयोग को दिया था. वर्तमान में शहरी घरेलू कंज्यूमरों का बिजली दर 6.30 रुपये प्रति यूनिट है. जिसे बढ़ाकर 8.60 रुपये करने का प्रस्ताव जेबीवीएनएल ने दिया है. यह दर 400 यूनिट से अधिक खपत करने वालों के लिए है. जबकि जबकि 100 से 400 यूनिट तक खर्च करने वाले कंज्यूमरों के लिए 7.60 प्रति यूनिट करने का प्रस्ताव है. मालूम हो कि पूर्ववर्ती हेमंत सरकार 100 यूनिट तक खपत करने वाले बिजली कंज्यूमरों को फ्री बिजली योजना दे रही है. वहीं वर्तमान चंपाई सोरेन सरकार ने इसे 100 से बढ़ाकर 125 यूनिट खपत तक फ्री करने की घोषणा की है. जिसे आयोग अपने बिजली टैरिफ में दर्शा सकता है. हालांकि यह आयोग पर निर्भर करता है कि वह जेबीवीएनएल के प्रस्ताव पर कितना प्रतिशत तक बिजली दर बढ़ाएगा. आयोग नया टैरिफ जारी करने के पहले एक बार ऑनआफिशियल तरीके से सरकार से राय-मशवरा करता है. सरकार के निर्देश पर ही अंततः आयोग अंतिम रूप से कोई फैसला लेता है.

डॉक्टर का अपहरण,विरोध में सड़क जाम

संवाददाता ।हुसैनाबाद (पलामू)

हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के ऊपरी कला गांव निवासी ग्रामीण चिकित्सक मो. फिरोज उर्फ मो. रहमान का गमहरिया से सोमवार की शाम 7 बजे अपराधियों ने अपहरण कर लिया. बताया जा रहा है कि छत्तरपुर-जपला मुख्य पथ पर गामहरिया गांव में बने क्लीनिक से अपहरण किया गया. ग्रामीणों के अनुसार तीन अपराधी चारपहिया वाहन से डॉ. रहमान के क्लीनिक के पास पहुंचकर रोगी देखने के बहाने उन्हें वाहन के पास बुलाया और गाड़ी में जबरन बैठा कर चलते बने. घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया था, जिसे बाद में हटा लिया गया. डॉक्टर रहमान की सकुशल वापसी के लिए पुलिस सक्रिय हो गयी है. संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है.

लोकसभा चुनाव में टिकट के दावेदार दिखाएंगे अपना दमखम, जुटाएंगे भारी भीड़

पीएम के कार्यक्रम के लिए भाजपा के दावेदारों ने कसी कमर

संवाददाता। धनबाद

पीएम नरेंद्र मोदी की जनसभा में भाजपा नेताओं का शक्ति प्रदर्शन दिखेगा. लोस चुनाव में टिकट के दावेदार पूरा दमखम दिखाएंगे. धनबाद-गिरिडीह के नेताओं का शक्ति प्रदर्शन बरवाअड्डा हवाई अड्डा पर दिखेगा. धनबाद के विधायक अपने-अपने क्षेत्र से हजारों समर्थकों को जुटाने में जुटे हैं. जिले के धनबाद, बाघमारा, झरिया, सिंदरी, निरसा एवं बोकारो, चंदनकियारी और गिरिडीह से भारी संख्या में भीड़ आने की उम्मीद है. धनबाद विधायक राज सिन्हा इस दौड़ में सबसे आगे हैं. दो दिन पहले से ही तैयारी में भी जुटे हैं. पहली बार जिलाध्यक्ष बने श्रवण राय एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष घनश्याम ग्रोवर के लिए भी पीएम का यह कार्यक्रम अहम है. दोनों के लिए यह परीक्षा की घड़ी है. वहीं सांसद पीएन सिंह, रागिनी सिंह, ढुल्लू महतो, अपर्णा सेनगुप्ता, विरंचि नारायण द्वारा भी भारी संख्या में भीड़ जुटाई जाएगी. सभी को प्रधानमंत्री के सामने अपनी दावेदारी को मजबूत दिखाने का प्रयास किया जाएगा. पीएम के कार्यक्रम को लेकर भाजपा नेताओं का पोस्टर वार भी होगा. शहर से कार्यक्रम स्थल तक जगह जगह भाजपा नेताओं द्वारा होर्डिंग बैनर लगाने शुरू कर दिए गए हैं. अनुमान है कि बुधवार से पूरे शहर के साथ ही कार्यक्रम स्थल को होर्डिंग बैनर से पाट दिया जाएगा. टिकट के दावेदारों द्वारा भीड़ जुटा कर अपनी टिकट कन्फर्म कराने की भरपूर कोशिश की जाएगी.

सिमडेगा में पुलिस पर हमला, कई घायल

भारी बवाल: शराब बेचने से मना किया, तो लोगों ने पुलिस पर ही कर दिया हमला

संवाददाता। सिमडेगा

सिमडेगा में अवैध शराब के खिलाफ अभियान पर निकले पुलिस बल पर हमला हुआ है. इसमें कई पुलिस कर्मी घायल हो गये हैं. मिली खबर के मुताबिक मंगलवार को जिले की जलडेगा पुलिस लम्बोई गांव में लगे साप्ताहिक बाजार में गश्ती पर गयी थी. पुलिस को बाजार में कुछ लोग शराब बेचते हुए दिखाई दिए. पुलिस दल ने बाजार में शराब बेचने से इन लोगों को मना किया. लेकिन इसके बाद शराब विक्रेताओं ने ही पुलिस को ही घेर लिया. देखते ही देखते बाजार में मौजूद अन्य लोग भी वहां जमा होने लगे. कुछ देर की बहस के बाद लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया.

घायल पुलिसकर्मी अस्पताल में एडमिट

लोगों ने लाठी, सैंडल आदि से पुलिस पर हमला किया. लोगों ने पुलिस को खदेड़ कर भगा दिया. पुलिस वहां से किसी जान बचा कर जलडेगा पहुंची. जलडेगा अस्पताल में घायल पुलिस कर्मियों का इलाज किया जा रहा है. बताया गया कि जलडेगा थाना प्रभारी शशि शेखर और एसआई महेश को गंभीर चोटें आई हैं. पुलिस के सीनियर अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं.

उद्‌घाटन 740 एकलव्य आवासीय विद्यालय खोलने हैं, देशभर में 413 विद्यालय बन कर तैयार हो चुके हैं

एकलव्य आदर्श विद्यालयों में 30 हजार शिक्षकों की होगी बहालीः मुंडा

- पहले किसानों को सरकार से किसी तरह का कोई लाभ ही नहीं मिलता था, अब मिल रहा

संवाददाता ।नोवामुंडी

केंद्रीय जनजातीय मंत्री और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने सोमवार देर शाम को 18 करोड़ रुपए की लागत से तोड़ेतोपा गांव के निकट नवनिर्मित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का उद्घाटन फिता काटकर व दीप जला कर किया. केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि भारत सरकार की जन जातिय मंत्रालय से देशभर में 740 एकलव्य आवासीय विद्यालय खोलने की योजना है. जिसमें से पश्चिमी सिंहभूम के तांतनगर, मंझारी और नोवामुंडी का नवनिर्मित भवन का उदघाटन हो चुका है. अबतक देशभर में 413 एकलव्य विद्यालय बन चुका है. बताया कि इन स्कूलों में पढ़ाई शुरू करने के लिए दस हजार शिक्षकों की बहाली हो चुकी है.आने वाले समय में और 30 हजार शिक्षकों की बहाली शुरू करने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है. स्कूलों में छठवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा तक पढ़ाई करने वाले सभी छात्रों को खेल से जोड़ा जाएगा. एकलव्य विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए खर्च होने वाले राशि भारत सरकार वाहन करेगी. यहां पढ़ने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति भी मिलेगी. ये लोग एकलव्य विद्यालय से पढ़ाई कर निकलने वाले छात्रों को विदेश में भी पढ़ाने के प्रावधान बने हैं. पहले के दौर में एकलव्य विद्यालय में नामंकन के लिए 240 छात्रों को पढ़ाने की क्षमता थी.अब उसे बढ़ा कर छात्रों की संख्या 840 कर दी गई है. पहले किसानों को सरकार से किसी तरह की कोई लाभ नहीं मिलता था. अब भाजपा वाले केंद्र सरकार में प्रत्येक किसानों के खाते में सीधे धनराशि जमा हो रही है. मौके पर उप विकास आयुक्त, जगन्नाथपुर एसडीओ मुकेश मछुआ,नोवामुंडी बीडीओ अनुज वांडो,जनप्रतिनिधियों में प्रखंड प्रमुख पूनम गिलुवा,महुदी पंचायत मुखिया लक्ष्मी देबी के अलावा भाजपा नेताओं में अशोक पान, प्रखंड अध्यक्ष चंद्रमोहन ग़ोप आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थी.

बाइक स्टंट कर रहे युवकों ने दो राहगीरों को रौंदा, मौत

पलामू। रेहला के बी मोड़ के पास बाइक स्टंट कर रहे तीन युवकों ने दो राहगीरों को रौंद दिया. जिससे दोनों की मौत हो गयी. वहीं मिथुन और उसके दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हैं. मृतकों की पहचान योगेंद्र पांडेय और चंदन के रूप में हुई है. योगेंद्र रेहला फैक्ट्री में मजदूरी करता था. सूचना पाकर पुलिस पहुंची और बाइक को कब्जे में ले लिया. रेहला थानेदार ने कहा कि पुलिस में मामले में छानबीन कर रही है.

बाइक स्टंट कर रहे तीनों युवक भी गंभीर : बताया जाता है कि रेहला निवासी मिथुन अपने दो दोस्तों के साथ बाइक से स्टंट कर रहा था. तभी बी मोड़ के पास दो राहगीरों को रौंद दिया. घटना में योगेंद्र व चंदन गंभीर रूप से जख्मी हो गये. योगेंद्र का पैर कटकर अलग हो गया. चंदन को गंभीर चोटें लगी. दोनों अस्पताल में भर्ती कराया गया. लेकिन दोनों की मौत हो गयी. हादसे में मिथुन और उसके दोस्त भी गंभीर रूप से जख्मी हो गये हैं.

दुमका में फिर पेट्रोल कांड

प्रेमी ने प्रेमिका और उसकी मां को जलाया, हालत गंभीर

संवाददाता। दुमका

एक बार फिर पेट्रोल कांड की घटना सामने आयी है. प्रेमिका के घर नहीं जाने से नाराज प्रेमी सुनीराम किस्कू ने प्रेमिका और उसकी मां पर पेट्रोल डाल कर आग लगा दी. यह घटना मसलिया थाना क्षेत्र की है. इस घटना के बाद दोनों को पीजेएमसीएच में भर्ती कराया गया है, जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है.

वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. इससे पहले साल 2022 में दुमका में पेट्रोल कांड की तीन घटनाएं हुई थीं, जिसमें तीन युवतियों की मौत हुई थी. पहली घटना नगर थाना क्षेत्र की थी, दूसरी जरमुंडी थाना क्षेत्र, जबकि तीसरी घटना गोपीकान्दर थाना क्षेत्र की थी.

क्या है मामला : सुनीराम किस्कू अपनी प्रेमिका को अपने घर ले जाने की जिद करने लगा. प्रेमिका ने बात नहीं मानी तो सोमवार देर रात वह चुपके से प्रेमिका के घर में प्रवेश कर गया. जहां वो अपनी मां के साथ घर में सो रही थी. इसी बीच देर रात सुनीराम ने दोनों पर पेट्रोल डाल दिया और आग लगा दी. इस आग में मां-बेटी बुरी तरह जल गईं, आनन-फानन में दोनों को फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है.

पूर्व मुखिया व उप मुखिया ने कुछ गिने-चुने लोगों पर लगाया राशि डकारने का आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश

पेटो पंचायत में चल रहा प्रदूषण की राशि की बंदरबांट का खेल

संवाददाता। केरेडारी

मिले हक

- कोल माइंस से ट्रांसपोर्टिंग पर लोगों ने रखी अपनी राय
- भारी वाहनों के परिचालन के कारण सड़क पर उभरे गड्ढे

एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना से भारी वाहनों के जरिये हो रही कोयले की ट्रांसपोर्टिंग की वजह से प्रदूषण को लेकर पंचायत के ग्रामीण आक्रोशित हैं. इसे लेकर मंगलवार को पूर्व मुखिया राजकिशोर यादव, उपमुखिया लक्ष्मण साव व रेशम परवीन के संयुक्त नेतृत्व में दर्जनों परियोजना प्रभावित भू-रैयतों की बैठक जोरदाग रोड पर भदईखाप के बड़काआम में हुई.

इसमें मौजूद लोगों ने कोल माइंस से कोयले की ट्रांसपोर्टिंग सहित कई मुद्दों पर अपनी बातें रखीं. लोगों का एकमत से कहना था कि कंपनी के द्वारा दिए प्रदूषण की राशि का कुछ गिने चुने लोगों द्वारा बंदरबांट किया जा रहा है. वहीं, स्थानीय प्रभावित भू-रैयतों को उनका वाजिब हक नहीं मिल रहा है. इसमें पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक है. लोगों का यह भी कहना था कि आम जनता के लिए बनी सड़क से 24 घंटे लगातार कोयले की ट्रांसपोर्टिंग हो रही है, जिससे जान-माल का खतरा हमेशा बना रहता है. भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे उभर आए हैं, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है.

बैठक में प्रभु यादव, मिथिलेश कुमार, रवींद्र कुमार, कृष्णा कुमार यादव, बैद्यनाथ साव, रामेश्वर राणा, भिखु रजक, सिकेंद्र यादव, नारायण यादव, संतोष यादव, बिनोद यादव, सुबोध कुमार, किसुन यादव, पप्पू ठाकुर, विकास रजक, रंजीत कुमार रजक, करमजीत यादव, उत्तम राम, प्रकाश राम, मो. सुभान, नजमा खातून, टिकेश्वर साव, प्रकाश कुमार सहित कई लोग मौजूद थे.

मजदूरों से धोखाधड़ी बंद करें कोल उत्खनन कंपनी : इंटक

हजारीबाग। राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस (इंटक) के नवनियुक्त कार्यकारी जिला अध्यक्ष आशुतोष आनंद ने मंगलवार को जिला कार्यकारिणी की बैठक कर संगठन का विस्तार किया. इसमें सुरेंद्र चंद्रवंशी, नवीन कुमार सिंह, जीवाधन शाह व उदय सिंह उर्फ मंटू सिंह को उपाध्यक्ष, उदय कुमार, रामकुमार गुप्ता, सुनील चंद्रवंशी व किशोर साव को सचिव, अमित कुमार दुबे महासचिव, रविंद्र पांडेय संगठन सचिव बनाया गया. इस दौरान संगठन के अधिकारियों एवं सदस्यों ने कहा कि जिले में कोयला खनन परियोजना में मजदूरों के साथ हो रही धोखाधड़ी को कंपनी बंद करें. कहा कि जिले में कई कंपनियां कोयला उत्खनन का कार्य कर रही है. इसमें बीजीआर माइनिंग में कुशल, अर्ध कुशल और अकुशल सभी तरह के मजूदरों को समान राशि मात्र 504 रुपये दिया जा रहा है. इस मजदूरों का वेतन 504 से बढ़कर उसकी क्षमता के अनुरूप किया जाए. वहीं, प्रबंधन द्वारा मजदूर को सप्ताह में एक दिन छुट्टी अनिवार्य छुट्टी देकर एक दिन का पैसा भी काट लिया जाता है, इस पर रोक लगनी चाहिए.

बालकुदरा खदान में गोलीबारी मामला

अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने ली घटना की जिम्मेदारी

संवाददाता। रामगढ़

बयान जारी

- बीते 20 फरवरी को गोलीबारी से दहल उठा था माइंस क्षेत्र
- घटना के बाद पूरे इलाके में व्याप्त था दहशत का महौल

जिले के बासल थाना क्षेत्र में बीते 20 फरवरी को दिनदहाड़े बलकुदरा माइंस क्षेत्र में गोलीबारी की घटना हुई थी. इस वारदात के करीब एक सप्ताह बाद अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर इस घटना की जिम्मेदारी ली है. वहीं कोयला कारोबारी सिद्धांत बाउरी के घर पर हुई गोलीबारी की भी मयंक सिंह ने जिम्मेदारी ली है.

जानकारी के अनुसार, बीते 20 फरवरी को माइंस में खराब गाड़ी को इंजीनियर ठीक करने की कोशिश कर रहे थे. इसी दौरान बाइक पर दो युवक पहुंचे और गाड़ी पर चारों तरफ से अंधाधुंध गोलीबारी करने लगे. इस दौरान वहां कार्य कर रहे इंजीनियर और कर्मी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे थे. इस गोलीबारी में गाड़ी के पीछे का शीशा चकनाचूर हो गया था और आगे के शीशे पर भी गोलियों के कई निशान बन गए थे. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का महौल पैदा हो गया था.

ब्रीफ खबरें

सोना के कंगन का लालच देकर 10 हजार की ठगी

हजारीबाग। पुराना बस स्टैंड के समीप बीते सोमवार देर शाम को एक व्यक्ति को डेढ़ लाख के सोने के कंगन का लालच देकर 10 हजार रुपए की ठगी कर ली गई. इस संबंध में भुक्तभोगी चतरा जिले के मयूरहंड के नवाडीह गांव निवासी आनंद कुमार ने सदर थाना में आवेदन दिया है. उसने पुलिस को बताया है कि एक ठग ने डेढ़ लाख के सोने का कंगन देने के लालच देकर उससे 10 हजार रुपए की ठग लिए. मामले में सदर थाना प्रभारी ने कहा कि आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मुखिया का नामांकन दाखिल प्रपत्र मांगा

कटकमसांडी। कटकमसांडी अंचल और उपायुक्त कार्यालय में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत नवनिर्वाचित मुखिया अनवारूल हक द्वारा वर्ष 2022 में पंचायत चुनाव के समय मुखिया पद के लिए नामांकन प्रपत्र दाखिल किया गया था. वहीं नवनिर्वाचित मुखिया अनवारूल हक द्वारा चुनाव में समर्पित सभी प्रमाण पत्र को खुटरा के प्रभारी मुखिया पति तासीर शेख द्वारा कटकमसाडी सीओ और उपायुक्त से मांग की है.

मृतक की पत्नी को 2 लाख का चेक सौंपा

इचाक। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक एमसी पॉल ने रुद गांव के मृतक काली साव की पत्नी संजू देवी को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत ली गई पॉलिसी के तहत दो लाख रुपए की मृत्यु दावा राशि का चेक सौंपा. काली साव ने 330 रुपए प्रीमियम देकर स्वयं का बीमा करवा रखा था. इस अवसर पर शाखा प्रबंधक संजीव कुमार, मुखिया संघ जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता, उप प्रमुख सत्येंद्र कुमार मेहता, खजांची अनु कुमारी आदि मौजूद थे.

विभिन्न विद्यालयों में खाद्य पदार्थों की जांच

हजारीबाग। ईट राइट स्कूल पहल के कार्यान्वयन के तहत उपायुक्त नैंसी सहाय एवं एसीएमओ डॉ. शशि जयसवाल के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी के द्वारा विभिन्न सरकारी विद्यालयों में बनने वाले भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने खाद्य पदार्थों का सैंपल एकत्रित किया. उन्होंने खाद्य पदार्थों का सही से भंडारण करने का सुझाव दिया. इस क्रम में शहर के फन एंड फूड रेस्टूरेंट से पनीर, वर्धमान डिस्ट्रीब्यूटर से घी का सैंपल लेकर जांच हेतु भेजा गया.

दंतोपंत ठेंगडी रोजगार मेला में 125 युवक-युवतियों का चयन

32 को नियुक्ति पत्र सौंपा

संवाददाता। रामगढ़

रोजगार मेला का उद्घाटन करते डीसी चंदन कुमार, जिप अध्यक्ष सुधा देवी व मंच पर मौजूद अन्य गणमान्य.

सुनहरा अवसर

- 258 युवक-युवतियों अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्टेड
- 12 स्थानीय समेत कुल 14 नियोजकों ने लिया था भाग
- 500 रिक्तियों के साथ मेला में शामिल हुए थे सभी नियोजक

झारखण्ड सरकार श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के तत्वाधान में मंगलवार को दंतोपंत ठेंगडी रोजगार योजना के तहत रोजगार मेला का आयोजन किया गया. जिला नियोजनालय द्वारा स्थानीय छावनी परिषद फुटबाल मैदान में रोजगार मेला लगाया गया था. मेले का उद्घाटन उपायुक्त चंदन कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, जिला श्रम अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं जिला नियोजन पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया.

उपायुक्त ने रोजगार मेले में आए बेरोजगार युवक-युवतियों का प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जिले के स्थानीय एवं देश के अन्य भागों से आए नियोजकों से प्राप्त रिक्तियों में से अपनी योग्यता एवं रूची के अनुरूप कार्य का चयन कर आवेदन करें और सरकार द्वारा चलाये जा रहे इस रोजगार मेले का लाभ उठाएं. साथ ही कहा कि झारखंड सरकार द्वारा लागू नियोजन अधिनियम का अनुपालन करते हुए जिले के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का ज्यादा से ज्यादा चयन किया जाए. दतोपंत ठेंगडी रोजगार मेला का सफल आयोजन जिला नियोजन पदाधिकारी देव कुमार प्रसाद के मार्गदर्शन में हुआ.

उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेला में राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में नियोजन प्रदान करने के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुल 14 नियोजकों ने भाग लिया. इसमें 12 नियोजक स्थानीय थे. सभी नियोजक करीब 500 रिक्तियों के साथ मेला में शामिल हुए. उनके द्वारा कुल 125 युवक-युवतियों का चयन किया गया एवं 258 युवक-युवतियों को अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है. इस दौरान उपायुक्त एवं जिला परिषद अध्यक्ष ने कुल 32 युवक-युवतियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया.

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी समस्याएं

- दो दर्जन से अधिक फरियादियों ने दिया आवेदन, संबंधित अधिकारियों को जांचोपरांत त्वरित निष्पादन का निर्देश

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन किया. साप्ताहिक जनता दरबार में जिले भर से आए फरियादियों द्वारा दो दर्जन से अधिक आवेदन दिए गए. जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के समस्याओं से निष्पादन की आस लिए आए नागरिकों के फरियाद को सुन उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जांचोपरांत न्याय संगत कार्रवाई करने का निर्देश दिया. उपायुक्त वेश्म में आयोजित इस जनता दरबार में आम गैर मजुरूआ रास्ता में जबरन मकान बनाने, एलपीसी निर्गत करने, पारिवारिक विवाद निपटारा, अधिग्रहित भूमि का मुआवजा भुगतान, जीविकोपार्जन के लिए रोजगार उपलब्ध कराने, पीएम आवास योजना में अनिमियतता, खतियानी जमीन हड़पने, भू रैयतों का मुआवजा भुगतान करने के संबंध में आवेदन आए. इस दौरान रोजगार, मनरेगा, भूमि, म्यूटेशन, पेंशन, भूमि अधिग्रहण, आवास, राशन आदि समस्याओं से संबंधित आवेदन भी आए. उपायुक्त ने आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए जांचोपरांत निष्पादन के निर्देश दिए.

डीवीसी कार्यालय में राष्ट्रीय शिक्षुता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग की दी गई जानकारी

उद्यम जागरूकता

- आरडीएसडीई की योजना एवं लाभों से कराया गया अवगत
- उद्योग प्रतिनिधियों और कई शिक्षण संस्थानों ने लिया भाग

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में डीवीसी ऑडिटोरियम में क्षेत्रीय कौशल विकास एवं उधमशिलता निदेशालय (आरडीएसडीई), झारखंड के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षुता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि डीवीसी, हजारीबाग के निदेशक संजय कुमार के साथ आरडीएसडीई, झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक बीके सिंघा, उप निदेशक पीके मडावी, सहायक निदेशक हिमांशु एवं बीओपीटी के ओएसडी मुस्तफिजुर रहमान मंच पर उपस्थित रहे.

इस कार्यशाला में पीके मडावी, हिमांशु व मुस्तफिजुर रहमान ने अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग के आधारों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी. उन्होंने विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों एवं विभागों के अधिकारियों को योजना के विभिन्न प्रावधानों व मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूक किया. कार्यशाला में विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारी, विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने भी भाग लिया. इसे सफल बनाने में डीवीसी, व आरडीएसडीई की टीम, सरकारी एवं गैर सरकारी प्रतिष्ठान, सीपीएसयू इस्टैब्लिशमेंट, एसपीएसयू इस्टैब्लिशमेंट, थर्ड पार्टी एग्रीगेटर, एनजीओ, सेक्टर स्किल काउंसिल, राजकीय आईटीआई हजारीबाग के अधिकारी आदि का योगदान रहा.

ओएनजीसी सीएसआर से 188 आंगनबाड़ी को मिले बर्तन किट

संवाददाता। हजारीबाग

ओएनजीसी बोकारो के सीएसआर मद से विष्णुगढ़ एवं टाटीझरिया प्रखंड के 188 आंगनबाड़ी केंद्रों में बर्तन किट का वितरण किया गया. उपायुक्त सभागार में उपायुक्त नैंसी सहाय ने दोनों प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए मिले बर्तन किट का वितरण किया. इस मौके पर सभागार में सांकेतिक रुप से पांच आंगनबाड़ी केंद्रो की सेविका को बर्तन देकर वितरण कार्य प्रारंभ किया गया.

उपायुक्त ने सभी सेविका-सहायिकाओं को बर्तनों का समुचित सदुपयोग करने का निर्देश दिया. कहा कि इस परियोजना के तहत 188 केंद्रो से लगभग 4000 बच्चों को लाभ मिलेगा. इस परियोजना का संचालन जन सहयोग केंद्र द्वारा किया गया. मौके पर ओएनजीसी के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन), जिला समाज कल्याण पदाधिकारी इंदु प्रभा खालखो, जिला समाज कल्याण कार्यालय के कर्मी अभिषेक कुमार मौजूद रहे.

फर्जी अकाउंट बनानेवाले पर कार्रवाई की मांग की

हजारीबाग। सोशल मीडिया में अमन कुमार के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर विवादित पोस्ट किये जा रहे हैं. इसे लेकर अमन ने डीसी से मिलकर कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा है कि अमन कुमार नाम से एवं उनकी फोटो का उपयोग कर के कई फर्जी अकाउंट बनाये जा रहे हैं. इसके जरिए रामनवमी या लोकसभा चुनाव में भ्रामक या विवादित पोस्ट कर हिंसा जैसी स्थिति बनाई जा सकती है. उन्होंने कहा कि वह कुल 16 सोशल मीडिया अकाउंट चला रहे हैं. इसके अलावा कोई अकाउंट उनका नहीं है. वह सोशल मीडिया पर अपने सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करते हैं, जिसमें उनके लाखों फॉलोवर हैं. वह अपने पोस्ट में हमेशा सनातन और राष्ट्र की बात करते हैं. लेकिन कई बार उन्हें यह जानकारी मिलती है कि किसी अन्य ने उनके फोटो का उपयोग कर फर्जी आकाउंट बनाया है.

प्रखंड कार्यालय में घुसकर पंचायत सचिव के साथ जमकर मारपीट

मुखिया पति पर पिटाई का आरोप

संवाददाता। हजारीबाग

आरोप प्रत्यारोप

- पिंडारकोन पंचायत सचिव ने पदमा थाना में दिया आवेदन
- मुखिया पति ने आवास के लिए पैसे मांगने का लगाया आरोप

पदमा ब्लॉक परिसर में बीते सोमवार को पिंडारकोन मुखिया पति प्रभु मेहता द्वारा पंचायत सचिव के साथ मारपीट एवं गाली-गलौज करने का मामला प्रकाश में आया है. इसे लेकर पिंडारकोन पंचायत सचिव संतोष कुमार ने आरोपी के खिलाफ पदमा थाना में आवेदन दिया है. आवेदन में संतोष कुमार ने बताया है कि राज्य सरकार की महत्वकांक्षी योजना 'अबुआ आवास' के तहत अपने लोगों को आवास देने के लिए मुखिया द्वारा दबाव बनाया जा रहा था.

इसका विरोध करने पर मुखिया पति प्रभु कुमार मेहता प्रखंड कार्यालय परिसर में सरेआम गाली-गलौज और मारपीट करने लगे. इतना ही नहीं अबुआ आवास योजना के लाभुकों के कागजात के साथ छेड़छाड़ कर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाते हुए उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया. दूसरी ओर मुखिया पति ने बताया कि सरकार द्वारा योग्य लाभुकों को अबुआ आवास योजना का निःशुल्क लाभ दिया जाता है, लेकिन पंचायत सचिव आवास देने के नाम पर लाभुक से पैसा मांग रहा था. उन्होंने पंचायत सचिव पर महिला मुखिया के साथ अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया. कहा कि इसी को लेकर प्रखंड कार्यालय में दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई है.

इस संबंध में पदमा थाना प्रभारी राणा भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पंचायत सचिव के द्वारा मारपीट संबंधित आवेदन दिया गया था, मगर आवेदन में कुछ त्रुटि होने के कारण उन्हें सुधार कर दोबारा आवेदन देने की बात कही गई थी. पर अब तक उन्होंने थाना में कोई आवेदन नहीं दिया है.

दूरसंचार सलाहकार समिति के सदस्य बने सुनील साहू

चौपारण। प्रखंड के बेंदुवारा निवासी सह भाजपा के जिला महामंत्री सुनील कुमार साहू भारतीय दूर संचार सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत किए गए हैं. इन्हें निगम कार्यालय, भारत संचार निगम लिमिटेड, नई दिल्ली एवं सहायक महाप्रबंधक परिमंडल कार्यालय बीएसएनएल रांची के द्वारा पत्रांक के जरिए दूरसंचार सलाहकार समिति रांची के सदस्य के रूप में नामित किया गया है. यह नामांकन 13.07.2024 तक अथवा अगले आदेश तक के लिए वैध रहेगा. यह सदस्यता संचार मंत्रालय द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों द्वारा नियंत्रित होगी. उनके मनोनयन पर सांसद जयंत सिन्हा सहित कई लोगों ने बधाई दी है. वहीं सुनील साहू ने कहा कि बीएसएनएल के विकास कार्य के लिए उन्हें जो अवसर दिया गया है, हम उसे ईमानदारी पूर्वक निभाएंगे.

अनिकेत भुइयां की हाजत में मौत मामले को लेकर भाजपा का धरना

सांसद ने की सीबीआई जांच की मांग

संवाददाता। रामगढ़

आक्रोश व्याप्त

- भाजपा नेताओं ने प्रशासन पर खड़ा किया प्रश्न चिह्न
- मृतक के परिजन को 15 लाख रुपये देने की मांग की

थाना के हाजत में अनिकेत भुइयां की संदिग्ध मौत मामले को लेकर से जिला भाजपा के बैनर तले सुभाष चौक के पास धरना प्रदर्शन किया गया. महामंत्री रंजन सिंह ने मंच संचलन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सासंद जयंत सिन्हा ने प्रशासन पर प्रश्न चिह्न खड़ा करते हुए कहा कि इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए, कम है. उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवार को 15 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की.

वहीं, सरकार से इस मामले की सीबीआई जांच कराने को कहा है. धरना में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, राजेश ठाकुर, विनोद राम, उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी, शीतल सिंह, सत्यजीत सिंह, रुदल प्रताप, भीमसेन चौहान, प्रकाश मिश्रा, चंद्रशेखर चौधरी, रंजीत राम आदि कई वक्ताओं ने भी अपनी-अपनी बातें रखी. धरना स्थल पर मृतक की मां एवं उसके परिजन मौजूद थे. वहां पर सांसद के द्वारा पीड़ित परिवार को 25000 रुपये की आर्थिक मदद की गई. कार्यक्रम में रामगढ़ नगर कैंट अध्यक्ष शिवकुमार महतो, रनंजय कुमार, कुंटू बाबू, नारायण चंद्रभौमिक, प्रकाश मिश्रा, रंजीत पांडेय, रवींद्र शर्मा, लोजपा नेता रंजीत राम, विनोद कुमार, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेंद्र चंचल, मुन्ना खटीक, प्रवीण कुमार सोनू सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे.

खुशी

शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज में अस्पताल में चतरा की एक प्रसूता ने ट्रिपलेट्स को जना

प्रसूता ने एक साथ तीन बच्चियों को दिया जन्म, तीनों दिखने में एक जैसी

संवाददाता। हजारीबाग

कुदरत का करिश्मा

- नर्स के सहयोग से तीनों बच्चियों की नॉर्मल डिलीवरी
- दो बच्चियों को क्षितिज हॉस्पिटल में कराया गया भर्ती

ईश्वर की लीला भी अद्भुत है. जुड़वा बच्चे के जन्म की खबरें तो हमेशा सुनने को मिलती है, लेकिन मंगलवार को जिले में एक प्रसूता ने एक साथ तीन बच्चों को जन्म दिया. तीन बच्चे का जन्म असामान्य घटना है, जबकि तीनों बच्चों का जन्म शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नॉर्मल डिलीवरी से हुआ है.

चतरा जिले के मयूरहंड थाना क्षेत्र के अपरोन गांव निवासी रामपोशन राणा की पत्नी शोभा देवी ने तीन बेटियों को जन्म दिया है. गर्भवती महिला की जांच के दौरान चिकित्सक ने पहले बताया की संभवतः रिम्स ले जाने की जरूरत होगी, लेकिन लेबर रूम की नर्सों के सकारात्मक प्रयास से मेडिकल कॉलज असपताल में ही तीनों बच्चे की नॉर्मल डिलीवरी कराई गई. सदर विधायक मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी के सहयोग और चिकित्सक के निर्देश पर दो बच्चियों को शहर के क्षितिज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है. वहीं एक बच्ची मां के साथ हजारीबाग के मेडिकल कॉलेज अस्पताल के लेबर रूम में ही है.

लेबर रूम में कार्यरत नर्स सुनीता टोप्पो के मुताबिक हजारीबाग के सदर अस्पताल में करीब चार-पांच वर्ष पूर्व ऐसे ट्रिपलेट्स का जन्म हुआ था. उनके अनुसार, शहर के अन्नदापुरी इलाके की एक मां ने इसे जन्म दिया था. यह दूसरी घटना है जब हजारीबाग के सरकारी अस्पताल में ट्रिपेलेट्स का जन्म हुआ है. इस सफलतम डिलिवरी के लिए रंजन चौधरी ने लेबर रूम के नर्सों और बच्चियों के माता- पिता और परिजनों को बधाई दी. वहीं, परिजनों में हर्ष व्याप्त है.

लाखों मामलों में ट्रिपेलेट्स का एक केस : डॉ. स्नेहलता

शहर की प्रसिद्ध महिला रोग विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. स्नेहलता ने बताया की करीब 250 मामलों में जुड़वा बच्चे पैदा होने की संभावना होती है लेकिन ट्रिपेलेट्स (एक जैसे तीन बच्चे) में यह संभावना लाखों मामलों में से एक में होती है. उन्होंने बताया कि हमारे निजी परिवार में भी एक ऐसा मामला था, जिसमें तीन बच्चे का एक साथ जन्म हुआ था और तीनों सुरक्षित हैं. उन्होंने यह भी बताया कि वे फिलहाल एक केस को देख रही हैं, जिसमें प्रसूता के गर्भ में ट्रिपेलेट्स पल रहा है. इधर ट्रिपलेट्स बच्चियों के जन्म पर पिता रामपोषण राणा और मां शोभा देवी खुश हैं और इसे ईश्वर की कृपा मान रहें हैं.

डहरभंगा में धूमधाम से मना माता शबरी जयंती समारोह

संवाददाता। टाटीझरिया

अखिल भारतीय भुईयां समाज कल्याण समिति की ओर से मंगलवार को छोटा डहरभंगा में माता शबरी जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया. इस समारोह में टाटीझरिया, मायापुर, झरपो, डहरभंगा, बेरहो, मंगरपट्टा, होलंग, डुमर, धरमपुर, बेड़म, खंभवा सहित प्रखंड के कई गांव से भुईयां समाज के लोग जुटे. कार्यक्रम की शुरुआत माता शबरी की तस्वीर की पूजा अर्चना व दीप प्रज्ज्वलित कर हुई.

इस दौरान मुख्य रूप से मौजूद डहरभंगा मुखिया प्रतिनिधि रवींद्र यादव, पंसस प्रतिनिधि परमेश्वर प्रसाद यादव, समिति के जिलाध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, महासचिव रंजीत कुमार, सचिव हीराराम, उपाध्यक्ष अशोक राम शामिल हुए. अतिथियों ने कहा कि माता शबरी के निश्चल प्रेम ने प्रभु श्रीराम को उनकी कुटिया में आने पर विवश कर दिया था. कहा कि भुईयां समाज के लोग अपने बच्चों को शिक्षा से जोड़ने तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों को जड़ से मिटाने का संकल्प लें. मौके पर समाज के प्रखंड अध्यक्ष बद्री भुईयां, वासुदेव भुईयां, झमन राम भुईयां, झरी भुईयां, रामेश्वर भुईयां, ईश्वर भुईयां, त्रिभुवन भुईयां, गाजो भुईयां, बुधन भुईयां, शंकर भुईयां, सुनील कुमार भुईयां, कोलेश्वर भुईयां, नेम भुईयां, चरका भुईयां, माधो भुईयां सहित कई लोग उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

114 हेल्थ ऑफिसर को मिला प्रशिक्षण

साहिबगंज। संयुक्त स्वास्थ्य भवन सभागार में मंगलवार को एचडब्ल्यूसी के कार्यक्रम के तहत सिविल सर्जन डॉक्टर अरविंद्र कुमार की अध्यक्षता में जिले के सभी सीएचओ के लिए दो दिवसीय का प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. जिसमें मास्टर ट्रेनर के रूप में डॉक्टर राजेश कुमार, डॉक्टर शिवम शर्मा, यूएसएआईडी, जपायगो के द्वारा असाध्य बीमारियों का व्यवस्थापन के लिए प्रशिक्षण दिया गया. इसमें जिले के 114 कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर को प्रशिक्षण दिया गया. डॉक्टर राजेश कुमार ने कहा कि एनसीडी के तहत सही खाने की विधि, मात्रा के बारे में बताया जाएगा.

हनुमान मंदिर में वार्षिक पूजन का हुआ आयोजन

गावां। प्रखंड के पिहराहाट बाजार में स्थित हनुमान मंदिर में मंगलवार को वार्षिक पूजन का आयोजन किया गया. मन्दिर के प्रांगण में पूजन आदि के उपरांत संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भी आयोजन हुआ. बाद में वहां आयोजित हवन कार्यक्रम में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. मौके पर उपस्थित पप्पू यादव ने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीणों के सहयोग से यहां वार्षिक पूजन का आयोजन किया गया है. जिसमें काफी लोगो ने भाग लिया.

आयकर विभाग ने की टीडीएस पर कार्यशाला

बोकारो। आयकर विभाग, टीडीएस वार्ड, बोकारो द्वारा टीडीएस एवं टीसीएस विषय पर एक सेमिनार का आयोजन मंगलवार को आशा लता हेलेन केलर ऑडिटोरियम सेक्टर 5 के सभागार में किया गया. जिसमें आयकर अधिकारियों ने इस संदर्भ में विस्तार से जानकारी दी. कार्यशाला में आयकर अधिकारी, टीडीएस वार्ड कमलेश कुमार ने सभी कटौती कर्ता को सही कर से टीडीएस काटने, उसे सरकारी खाते में जमा करने एवं समय पर त्रिमासिक स्टेटमेंट फाइल करने का अनुरोध किया.

सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की हुई मौत

साहिबगंज । बरहेट प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कदमा ललमटिया के समीप मंगलवार को सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई. घटना मंगलवार सुबह लगभग 3 बजे बरहेट-दुमका मुख्य मार्ग स्थित कदमा ललमटिया के समीप हुई. एक हाईवा दुमका से बरहेट की ओर आ रही थी. उसी दिशा में उसके आगे आगे एक ट्रैक्टर जा रही थी. इसी दौरान हाईवा ने पीछे से ट्रैक्टर को टक्कर मार दी. जिससे ट्रैक्टर एक खंभे से टकरा गई. इसमें चालक सुनील कुमार मंडल की मौके पर ही मौत हो गई.

अग्नि पीड़ित परिवार से मिले भाजपा नेता

पाकुड़। सदर प्रखंड पाकुड़ के जमशेरपुर पंचायत अंतर्गत पीतांबरा गांव के सफीकुल शेख, दौलत शेख, रफीदा बेबा एवं खालिदा खातून के घर में मंगलवार सुबह आग लग गई. इससे सभी के घर जल कर राख हो गये. आग लगने से लाखों का नुकसान हुआ है. खबर मिलते ही भाजपा नेता सह पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबूधन मुर्मू घटना स्थल पर पहुंचे. वहां पर अग्निकांड में पीड़ित परिवारों से मिले. बाबूधन मुर्मू ने पीड़ित परिवारों से मिलकर आर्थिक सहायता प्रदान की. साथ ही घटनास्थल से सीओ पाकुड़ से बात कर सरकारी लाभ देने का आग्रह किया.

लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर हाथीमारा में माकपा का कार्यकर्ता सम्मेलन

लोकतंत्र बचाने के लिए माकपा प्रतिबद्ध : वृंदा करात

संवाददाता। पाकुड़

जुटे कार्यकर्ता

- भाजपा के कई नेता भ्रष्टाचार के आरोपी हैं
- भ्रष्टाचार के प्रमाणित आरोप से सिर्फ सीपीएम बेदाग है

राजमहल लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए मंगलवार को हाथीमारा में महेशपुर विधानसभा अंतर्गत सीपीआई (एम) की बैठक हुई. पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक सामुदायिक भवन में हुई. बैठक में सीपीआई (एम) की पोलिट ब्यूरो सदस्य और माकपा की झारखंड प्रभारी और पूर्व सांसद वृंदा करात ने कहा कि चुनाव फंड में कार्पोरेट घरानों से अरबों रुपये लेने और उन्हें लाखों करोड़ों का फायदा पहुंचाने के मामले में भाजपा आज चैंपियन है. उसी प्रकार भाजपा के भी कई नेता और सांसद भ्रष्टाचार के आरोपी हैं. गुजरात के एक बड़े व्यापारी के पास से भारी मात्रा में अवैध धन बरामद हुआ था. लेकिन उसके द्वारा दिए गए बयान में केंद्र के एक बड़े नेता जो कि एक पावरफुल मंत्री भी हैं, का नाम उजागर होने पर मामले को ही दबा दिया गया. इसलिए भृष्टाचार पर हाय तौबा मचाने वाली भाजपा को पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए. पूरे देश में भ्रष्टाचार के प्रमाणित आरोप से केवल सीपीएम ही बेदाग हैं.

कहा कि कई राज्यों में दशकों तक सरकार चलाने के बावजूद कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व पर घोर विरोधियों की भी हिम्मत नहीं हुई कि उन पर आर्थिक अनियमितता का आरोप लगायें. सीपीआई (एम) कार्पोरेट घरानों द्वारा राजनीतिक पार्टियों को इलोक्टरोल बांड के माध्यम से धन दिए जाने की प्रणाली को खारिज करते हुए इसे बंद करने की मांगवाली एक याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी. जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार देते हुए इस पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया.

वृंदा ने कहा कि उदारीकरण के दौर में आज राजनीतिक भ्रष्टाचार तेजी से बढ़ा है और वर्तमान आर्थिक नीतियां इसका पोषण करती हैं. सीपीएम मेहनतकश जनता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता और प्रगतिशील विचारधारा के प्रति अपने विश्वास के चलते इससे बचे हुए हैं. इसलिए सीपीएम की स्पष्ट समझ है कि भ्रष्टाचार किसी भी दल का हो दोषी को सजा जरूर मिलनी चाहिए. हमारी पार्टी माकपा देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए प्रतिबद्ध है.

जलमीनार बंद रहने को लेकर ग्रामीणों ने किया विरोध

संवाददाता। गावां

माल्डा पंचायत स्थित पांडेयडीह के ग्रामीणों ने मंगलवार को जलमीनार खराब रहने को ले विरोध प्रदर्शन व नारेबाजी की. ग्रामीणों का कहना है कि यहां का जलमीनार दुर्गा पूजा के पहले से खराब पड़ा है. उक्त जलमीनार से लगभग पचास परिवारों को पेयजल मिलता था.

गांव में कुआं सूखने के कगार पर पहुंच गया है. कुआं का पानी गंदा हो जाने के कारण लोग कपड़े से छानकर उसी को पीते हैं. इस माह यहां तीन परिवारों में वैवाहिक कार्यक्रम होनेवाला है. फलतः उक्त परिवार के लोग पेयजल की समस्या को ले काफी चिंतित हैं. कहा कि इस बाबत उन्होंने गांव के मुखिया से कई बार आग्रह किया, लेकिन वे भी आनाकानी कर रहे हैं. ग्रामीणों ने कहा कि यदि जलमीनार को शीघ्र दुरूस्त नहीं किया गया तो वे लोग प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सामने पूरे परिवार के साथ धरने पर बैठ जायेंगे. मौके पर सुधीर पांडेय, अनील पांडेय, कपिल देव पांडेय, कौशल पांडेय, अजय पांडेय, मनोज पांडेय, मालती देवी, वृंदा देवी एवम आष्टमा देवी समेत दर्जनों उपस्थित थे. इधर 20 सुत्री के प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि जब संवेदक द्वारा मेंटनेंस की राशि को ग्रामसभा के हवाले किया गया है तो मरम्मती नहीं होना चिन्ता का विषय है. आखिर मेंटनेंस ने लिए दिए गये रुपयों को कहां खर्च किया गया. यह जांच का विषय है.

न्याय पदयात्रा कार्यक्रम में झामुमो ने भाजपा पर साधा निशाना

झामुमो ने निकाली न्याय यात्रा

शफीक अंसारी के नेतृत्व में निकाली गई न्याय पदयात्रा

- इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक निजामुद्दीन शामिल थे

संवाददाता । धनवार (गिरिडीह)

हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा चलाए जा रहे राज्यव्यापी न्याय पदयात्रा कार्यक्रम के तहत मंगलवार को राजधनवार प्रखंड के परसन से यह यात्रा निकाली गई. यह यात्रा परसन से शुरू होकर राजधनवार गांधी चौक होते हुए खोरी महुआ अनुमंडल कार्यालय, घोडथम्बा, नवागढ़ चट्टी, कोडाडीह होते हुए राजधनवार के गांधी चौक में समाप्त हुई. झामुमो प्रखंड अध्यक्ष निरंजन सिंह व 20 सूत्री अध्यक्ष शफीक अंसारी के नेतृत्व में न्याय पदयात्रा निकाला गया. इस दौरान धनवार के पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी व गांडेय के पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा मौजूद थे. यात्रा धनवार प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए गांधी चौक पर सभा में बदल गई.

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन निर्दोष हैं : निजामुद्दीन अंसारी

सभा को सम्बोधित करते हुए धनवार के पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन निर्दोष हैं. उन्होंने ईडी को भी बताया कि मेरे नाम से कोई जमीन निकल जाती है तो हम राजनीति से संन्यास ले लेंगे और झारखंड से बाहर चले जायेंगे. आने वाले लोकसभा चुनाव को जीतने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार सभी केंद्रीय एजेंसियां सीबीआई, ईडी सभी का दुरुपयोग कर रही है. हमारे भोले मुख्यमंत्री को जिनकी लोकप्रियता दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी. उन्हें भाजपा ने ईडी के सहारे फंसाने का काम किया है. मुख्य अतिथि के रूप में गान्डेय के पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा मौजूद थे. उन्होंने कहा कि झारखंड में ईडी के द्वारा जो अन्याय किया गया है यह इतिहास में पहली बार है. जब किसी जनता द्वारा चुनी गई मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी हुई हो वह भी बगैर किसी सबूत का. जिस जमीन का दावा कर रही है उस पर जमीन पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि वह हमारा है ही नहीं. उनकी लोकप्रियता से भाजपा घबरा गई है. आने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को एक सीट भी नहीं मिलने वाली है. मौके पर धनवार 20 सूत्री अध्यक्ष सफीक अंसारी, प्रखंड अध्यक्ष निरंजन सिंह, रॉउफ अंसारी, विनोद राय, सरफुद्दीन अंसारी मौजूद थे.

लिट्टीपाड़ा में झामुमो ने की पदयात्रा

पाकुड़। जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड के झामुमो कार्यकर्ताओं ने प्रखंड अध्यक्ष चरण मुर्मू के नेतृत्व में प्रखंड के कुंजबोना और कर्माटांड़ पंचायत के बारामासिया और कुंजबोन गांवों में पदयात्रा किया. इस दौरान ग्रामीणों को बताया कि हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को केंद्र सरकार द्वारा साजिश कर झूठे केस में फंसा कर जेल में डाल दिया है. जिसका कोई भी सबूत अब तक नहीं मिला है. ना ही कोई इसे साबित कर पाया है. इससे ग्रामीणों में काफी आक्रोश है. कार्यकर्ताओं ने लोगों से संपर्क कर कहा कि हेमंत सोरेन के जेल से रिहा नहीं होने तक हम सभी झामुमो कार्यकर्ता गांव-गांव घूम कर लोगों के बीच जाकर बताएंगे कि किस तरह हमारे लोकप्रिय मुख्यमंत्री को आदिवासी होने के कारण भाजपा प्रताड़ित करने का काम कर रही है. वहीं मौके पर प्रखंड सचिव जावेद आलम, प्रसाद हांसदा, राजेश मरांडी, सगीर अहमद, समीयेल मुर्मू, सोनोत बेसरा, पोलूस मॉलतो, के अलावा दर्जनों कार्यकर्ता पदयात्रा में शामिल थे.

डिग्री कॉलेज के मामले को विधायक ने सदन में उठाया

संवाददाता। बोकारो

गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने मंगलवार को झारखंड विधानसभा के विशेष बजट सत्र में कसमार, पेटरवार एवं गोमिया प्रखंड में डिग्री कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज का मामला सदन में जोरदार तरीके से उठाया. उन्होंने सदन में प्रश्न उठाते हुए गोमिया विधानसभा क्षेत्र में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज एवं अभियंत्रण कॉलेज नहीं रहने से इस क्षेत्र के शिक्षित युवाओं की परेशानी की जानकारी दी.

जिस पर जवाब देते हुए सरकार के विभागीय सचिव ने बताया कि बोकारो जिले में दो पॉलिटेक्निक कॉलेज है, लेकिन फिलहाल गोमिया विधानसभा क्षेत्र में इस तरह के कॉलेज की स्थापित करने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है. वहीं विधायक ने कसमार एवं पेटरवार प्रखंड में डिग्री कॉलेज नहीं रहने से युवाओं के उच्च शिक्षा में परेशानी एवं सरकार का इस दिशा में कार्रवाई की आवाज उठाई.

मेहंदी लगाकर छात्राओं ने दिया मतदान का संदेश

बोकारो। लोकसभा आम चुनाव 2024 में अधिक से अधिक मतदान के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त विजया जाधव के मार्गदर्शन में पूरे जिले में मतदाता जागरुकता अभियान से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. इसी क्रम में मंगलवार को श्रम विभाग द्वारा कौशल विकास केंद्र फुसरो में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं ने स्लोगन लिखी मेंहदी लगाकर लोगों को अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया. मेहंदी से छात्राओं ने अपने हाथों पर मतदान मेरा अधिकार, वोट डालने जाना है, वोट डालने जाना है अपना फर्ज निभाना है, वोट हमारा है अधिकार करें नहीं इसको बेकार, आदि संदेश दिया.

पीएम के आगमन को लेकर भाजपा की बैठक

गावां (गिरिडीह) । जिले के गावां भाजपा कार्यालय में मंगलवार को भाजपा गावां व माल्डा का संयुक्त बैठक किया गया. बैठक की अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने किया. बैठक में मुख्य रुप से भाजपा नेता अशोक उपाध्याय, रामचन्द्र ठाकुर उपस्थित थे. बैठक में 1 मार्च को धनबाद में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की सफलता पर चर्चा की गई. तय किया गया कि प्रखंड के सभी सत्रह पंचायतों से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उक्त कार्यक्रम में भाग लेंगे. कार्यक्रम की सफलता को पंचायतवार प्रचार प्रसार की जिम्मेवारी कार्यकर्ताओं को दी गई. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अशोक उपाध्याय ने कहा कि कार्यकर्ता लोकसभा के चुनाव की तैयारी में तन मन से जुट जाएं.

न्यूज अपडेट

अंजना भारती ने लिया डीपीआरओ का पदभार

गिरिडीह। अंजना भारती ने मंगलवार को जिला जनसंपर्क पदाधिकारी के रूप में रश्मि सिन्हा से पदभार ग्रहण किया. भारती गिरिडीह जिले के 17वें जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी (डीपीआरओ) के रूप में निवर्तमान जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रश्मि सिन्हा से पदभार ग्रहण किया. मौके पर जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी ने कहा कि जनसम्पर्कीय कार्यों के लिए जो सरकार ने मुझे दायित्व सौंपा है, उस पर शतप्रतिशत खरा उतरने का प्रयास करूंगी. साथ ही सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी व व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार के साथ मीडिया से बेहतर समन्वय की दिशा में कार्य करने का प्रयास किया जायेगा. वहीं मौके पर सिन्हा ने कहा कि कार्यकाल के दौरान सभी सहकर्मियों और मीडिया कर्मियों का हमेशा सकारात्मक सहयोग मिला.

प्रधान जिला जज को दी गई भावभीनी विदाई

बोकारो। बोकारो के प्रधान जिला जज संतोष कुमार का तबादला सुप्रीम कोर्ट स्थित नालसा दिल्ली में हुआ है. वहीं बोकारो के कुटुंब न्यायालय के प्रधान जिला जज आलोक कुमार दुबे को रामगढ़ का प्रधान जिला जज बनाया गया है. मंगलवार को इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल काउंसिल मेंबर अधिवक्ता रंजीत गिरि ने दोनों अधिकारियों को शॉल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की. रंजीत गिरि ने बताया कि दोनों अधिकारियों ने अपने कार्यकाल में त्वरित न्याय के लिए प्रसंशनीय कार्य किया था. इसके लिए याद हमेशा किए जायेंगे. बधाई देने वालों में अधिवक्ता बासुदेव गोस्वामी, सोमनाथ शेखर, अतुल कुमार, बिनोद कुमार सिंह, दिनेश प्रसाद शर्मा शामिल थे.

गोमिया में 45 टन अवैध कोयले के साथ ट्रक जब्त

बोकारो। बेरमो अनुमंडल के गोमिया थानाक्षेत्र के पटवा बस्ती में प्रशिक्षु डीएसपी अमरेंद्र कुमार ने मंगलवार को छापेमारी करते हुए 45 टन अवैध कोयला लदे एक ट्रक को जब्त किया है. जानकारी के अनुसार पटवा बस्ती में छिपाकर यह ट्रक खड़ा किया गया था, जिसकी सूचना पुलिस को मिली. हालांकि पुलिस के पहुंचने से पूर्व ही गाड़ी का चालक एवं खलासी मौके पर फरार हो गया. ट्रक नंबर जेएच02 बीके- 8131 को पुलिस ने जब्त कर लिया है. प्रशिक्षु डीएसपी ने जब्त किये गये ट्रक को गोमिया थाना ले आया और मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी की जा रही है. मामले को लेकर बताया जाता है कि इन दिनों बेरमो अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्रों से व्यापक पैमाने पर पुलिस एवं कोयला तस्करों की आपसी मिलीभगत से अवैध कोयला की तस्करी का धंधा परवान पर है.

दंपती की हत्या के मामले में दो भाइयों को जेल

गोड्डा। जमीन जमीन विवाद में दंपती की हत्या के मामले में पुलिस ने दो भाइयों को जेल भेज दिया. बता दें कि दंपती की हत्या कर साक्ष्य को छुपाने के नियत से लाश को जला दिया गया था. मामला गोड्डा जिला सुंदरपहाड़ी थाना अंतर्गत ग्राम कैरासोल की है. जंगल से महिला के अधजली लाश मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साड़ी के कुछ टुकड़े बरामद किये. दोनों ही शव गांव के ही अनंत मड़ैया और उसकी पत्नी सावित्री देवी के थे, जो एक सप्ताह से गायब थे. पुलिस को जांच में पता चला कि अनंत मढैया का सोनालाल मड़ैया के साथ जमीन संबंधी विवाद चल रहा है. जांच के बाद पुलिस ने उनको पुत्रों वीरेंद्र और मिथिलेश को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

मुखिया की मनमानी के खिलाफ बीडीओ को आवेदन

संवाददाता। डुमरी (गिरीडीह)

डुमरी 15वें वित्त में बिना वार्ड सदस्य के कार्यकारिणी के बगैर एवं अबुआ आवास में बिना ग्रामसभा किए मुखिया के मनमानी करने के संबंध में मंगलवार को ग्रामीणों ने बीडीओ को आवेदन दिया. आवेदन में लिखा है कि जब से मुखिया का चुनाव हुआ है, उस समय से लेकर अभी तक जो भी सरकारी राशि पंचायत कल्हाबार में आया है उसकी जानकारी वार्ड सदस्य को नहीं दी गयी. ना कभी भी कार्यकारिणी की बैठक में वार्ड सदस्यों को बुलाया जाता है. कार्यकारिणी की बैठक मुखिया अपने घर में ही कर लेता है. जो भी अबुआ आवास आया है, उसमें मुखिया कल्हावार के द्वारा प्रति व्यक्ति से पैसा मांगा जा रहा है. लाभार्थी से बोलता है कि पैसा दो तब हम आवास देंगे. मुखिया कल्हावार वैसे व्यक्ति को चिन्हित कर रहा है. जो पैसा दे रहा है और कुछ लोगों से मुखिया के द्वारा पैसा ले भी लिया गया है. वार्ड सदस्यों ने अनुरोध करते हुए लिखा है कि मुखिया की वित्तीय शक्ति जब्त कर उचित कार्रवाई की जाए. इसके लिए हम सभी कल्हावार पंचायत के वार्ड सदस्य आभारी रहेंगे.

ट्रैक्टर-बाइक की टक्कर में युवक की हुई मौत

गावां। गावां थाना क्षेत्र के पटना बल्हारा मुख्यमार्ग पर पंडरिया गांव के समीप ट्रैक्टर ओर बाइक की टक्कर में बाइकसवार एक युवक की मौत हो गई. जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया. बादीडीह पंचायत के नावाडीह निवासी गोविंद कुमार, पिता सहदेव यादव, उम्र 22 वर्ष एवं प्रवीण कुमार, पिता बासदेव यादव उम्र 20 वर्ष अपनी बाइक से बादीडीह में मुखिया से कागज पर हस्ताक्षर करवाने जा रहे थे. पंडरिया के पास उनकी बाइक की टक्कर विपरीत दिशा से आ रही गिट्टी लदे ट्रैक्टर से हो गई. टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिर गए. स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को 108 एम्बुलेंस से सीएचसी लाया गया, जहां मौके पर मौजूद चिकित्सक डॉ हबीबुल्लाह ने गोविंद कुमार को मृत घोषित कर दिया. वहीं प्रवीण कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद गिरिडीह सदर अस्पताल रेफर कर दिया. युवक के परिजन समेत ग्रामीण सीएचसी पहुंचे व वहां से शव को उठाकर थाना मोड़ पर शव को सड़क पर रखकर जाम कर दिया.

डुमरी के असुरबांध में सत्संग कार्यक्रम

यह शरीर आपका नहीं, काल का पिंजरा है : जयगुरुदेव

संवाददाता । डुमरी (गिरिडीह)

डुमरी के गांव असुरबांध मध्य विद्यालय में सत्संग कार्यक्रम का आयोजन हुआ. इसमें जयगुरुदेव धर्म प्रचारक संस्था, मथुरा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विख्यात संत बाबा जयगुरुदेव महाराज के उत्तराधिकारी संत पंकज महाराज शामिल हुए. उन्होंने लोगों को गृहस्थ आश्रम में रहकर थोड़ा सा समय निकालकर भगवान का भजन में लगाने, शराब जैसे नशों को त्यागने को कहा. महाराज जी ने कहा कि जन्म-जन्मान्तरों के पुण्य से परमात्मा ने आप को यह मनुष्य शरीर दे दिया. अबकी बार आपको मौका मिल गया है. समय रहते हुये अपनी आत्मा के कल्याण के लिये विचार करियेगा. कहा कि ये घर बार अपना नहीं, पराया देश है. ये सरायखाना है. मुसाफिर खाना है. शरीर भी आपका नहीं है. ये काल का पिंजरा है. किराये का मकान है. जितनी श्वांसे उस मालिक ने बख्शी हैं, उसे भुगतने के बाद में हमें शरीर को यहीं छोड़ के जाना है. जिस वक्त यह श्वांसों का भंडार खाली होगा,.

कार्यशाला माइका आश्रित परिवार के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए लेबर डेस्क बनाया गया है

माइका क्षेत्र के मजदूरों को विकास करना होगा: बैद्यनाथ

संवाददाता। गिरीडीह

बदलेगी स्थिति

- कार्यक्रम में टीडीएच से मारकंडेय मिश्रा मौजूद थे
- इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन ने लिया हिस्सा

माइका क्षेत्र के मजदूरों को सशक्त बनाने एवं उनके बच्चों का शिक्षा से जुड़ाव को लेकर इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन, टीडीएच निदरलैंड, चिल्ड्रन ऑफ इंडिया फाउंडेशन और जागो फाउंडेशन के सहयोग से एक जिलास्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में टीडीएच से मारकंडेय मिश्रा, जे दीनबंधु, यूएनआई आर्गेनाइजेशन के अशोक सिंह नयन, सहकारी समिति के अशोक कुमार और जागो फाउंडेशन के सचिव बैद्यनाथ मुख्य रूप से उपस्थित थे. जे दीनबंधु के संचालन में आयोजित इस कार्यशाला में टीडीएच के मारकंडेय मिश्रा ने बताया कि माइका आश्रित परिवार का सामाजिक, आर्थिक सशक्तिकरण हो इसके लिए संस्था के साथ परिवार को आगे बढ़ कर कार्य करना होगा. उनके लिए लेबर डेस्क बनाया गया है. जिसके माध्यम से मजदूरों की स्थिति को बेहतर किया जा सकेगा. सहकारी समिति बनाकर उसके द्वारा सहयोग किया जाना है. वहीं जागो फाउंडेशन के सचिव बैद्यनाथ ने बताया कि माइका क्षेत्र में लेबर डेस्क और माइका वर्कर व सहकारी समिति के सहयोग से मजदूरों को विकास करना होगा. प्रवासी मजदूर को सरकार की कल्याणकारी योजना से जोड़ना होगा. साथ ही समिति के सदस्यों के साथ मिलकर मजदूरों की समस्या का समाधान करना होगा, तभी माइका क्षेत्र के मजदूरों के परिवार का विकास और उनके बच्चों का भविष्य बेहतर बनेगा.

कार्यशाला को ट्रैड यूनियन के अशोक नयन, सीडब्लूसी की पूजा एवं सहकारी समिति के अशोक जी आदि ने भी सम्बोधित किया. सभी ने शोषणमुक्त समाज की परिकल्पना को पूरा करने के लिए मजदूरों के परिवार को किस प्रकार माइका के कार्य से बेहतर लाभ मिल सके, कॉर्पोरेटिव समिति, सरकार और लोकल प्रतिनिधि के साथ मिलकर उनके लिए कैसी नीति बनाया जाय ताकि उन्हें लाभ हो.

1229 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

संवाददाता। गिरिडीह

गिरिडीह के नगर भवन में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय रोजगार मेले में 13 प्रखंडों के बेरोजगार पहुंचे. मेले में विभिन्न राज्यों की 20 कंपनियों ने भाग लिया. वहीं, 2417 युवक-युक्तियों ने नौकरी के लिए निबंधन कराया, जिनमें से 1229 अभ्यर्थियों का चयन कर कंपनियों ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा. अतिथियों ने दर्जन भर नव चयनितों को नियुक्ति पत्र दिया. इससे पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी, डीडीसी दीपक कुमार दुबे व जेएसपीएलएस के डीपीएम पंकज कुमार ने रोजगार मेले का विधिवत उद्घाटन किया.

इसके साथ ही जिप अध्यक्ष मुनिया देवी पहला ऑफर लेटर रितेश कुमार को सौंपा. जिला परिषद की अध्यक्ष ने कहा कि कोई काम छोटा नहीं होता है. उन्होंने चयनित युवाओं से कहा कि जिस कंपनी में उन्हें नियोजन मिला है वहां बेहतर काम कर अपनी पहचान बनाएं. पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करें. डीडीसी दीपक कुमार दुबे ने युवाओं से कहा कि अपनी मेहनत की बदौलत भविष्य में उद्योग सेटअप करें, जिसका लाभ जिले वासियों को मिले. जेएसएलपीएस के डीपीएम पंकज कुमार ने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह रोजगार मेला नहीं, खुद के पांव पर खड़े होने का अवसर है. पढ़ाई के बाद युवाओं के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती होती है कि अब कहां जाएं? ऐसी स्थिति में जेएसएलपीएस युवाओं को अवसर प्रदान कर रहा है. मेले में जिले के 13 प्रखंडों के युवाओं के निबंधन के लिए चार स्टॉल लगाए गए थे. इस मौके पर बेहतर काम करने वाले जेएसपीएलएस कर्मियों को पुरस्कार से नवाजा गया.

गुलाबी विकास की तस्वीर

झारखंड का आर्थिक सर्वेक्षण विकास के संदर्भ में राज्य की गुलाबी तस्वीर प्रस्तुत करता है. आर्थिक सर्वेक्षण दावा करता है कि झारखंड की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव स्पष्ट दिखने लगा है. इसकी विकास दर देश की विकास दर से अधिक रहा है, वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि राज्य की विकास दर 7.7 प्रतिशत रहेगी. 2024-25 के लिए 1 लाख 28 हजार 900 करोड़ रुपए का बजट भी पेश किया गया. झारखंड जैसे पिछड़े माने जाने वाले राज्य के लिए यह उपलब्धि से कम नहीं है. सर्वेक्षण में बेराजगारी दर में कमी, कृषि ऋण में सकारात्मक सुधार और पंचायती राज संस्थाओं की संतोषजनक प्रगति का दावा भी किया गया है. आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष में राज्य की आर्थिक विकास दर 7.1 फीसदी रही है. वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7.7 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से वृद्धि का अनुमान लगाया गया है. वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने सदन में रखी गई रिपोर्ट में दावा किया है कि राज्य का वित्तीय प्रबंधन लगातार बेहतर हुआ है. राजस्व वसूली और खर्च दोनों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है. रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड की विकास दर देश की विकास दर से अधिक रही है. वर्ष 2024-25 में राज्य की आय का स्थिर मूल्य पर करीब तीन लाख करोड़ रुपये एवं वर्तमान मूल्य पर करीब 4.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है. वर्ष 2019-20 में राज्य की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय स्थिर मूल्य पर करीब 55 हजार रुपये (55658) एवं वर्तमान मूल्य पर यह करीब 75 हजार रुपये (75016) थी. पिछले तीन वर्षों यानी 2020-21 और 2022-23 के बीच राज्य की जीएसडीपी 8.8 प्रतिशत औसत वार्षिक दर से बढ़ी है. हालांकि, विकास दर में वृद्धि के इस आंकड़े के बावजूद झारखंड में प्रति व्यक्ति आय के मामले में उल्लेखनीय सुधार का दावा भी है. राज्य में कुल श्रमिकों के सक्रिय श्रमिकों का आंकड़ा वर्ष 2021-24 में 25 जनवरी, 2024 को करीब 45.9% था, मनरेगा के तहत अनुसूचित जाति- जनजाति परिवारों के 14.4% परिवार 2023-24 (25 जनवरी, 2024 को) में इस योजना में कार्य कर रहे थे. इस अवधि में मनरेगा के तहत सृजित संपत्ति में झारखंड का अंश 4.34% रहा है. जनवरी 2024 में शुरू किये गए कामों की लगभग 47.67 लाख थी, जिनमें 40.77 लाख काम पूर्ण हो गए है. साल 2000-01 में प्रति व्यक्ति आय के मामले में देश भर के 28 राज्यों की सूची में झारखंड 26वें स्थान पर था. सिर्फ बिहार और उत्तर प्रदेश ही इससे नीचे थे. वर्ष 2021-22 में भी यह 25वें स्थान पर था. केवल बिहार, उत्तर प्रदेश और मणिपुर ही इस मामले में झारखंड से पीछे थे. रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्य का बजट आकार साल 2011-12 से 2022-23 की अवधि के दौरान 12.1 फीसदी की औसत वार्षिक दर से बढ़ा है. 2023-24 में यह लगभग 1 लाख 16 हजार 418 करोड़ रुपए रहा है. रिपोर्ट में बताया गया है कि शिक्षा के स्तर में सुधार दर्ज किया गया है. साल 2017-18 में राज्य की लगभग 72 प्रतिशत आबादी साक्षर थी, लेकिन 2022-23 में साक्षरता दर 79 प्रतिशत हो गई है. महिलाओं की साक्षरता दर 3 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ी है.

> रिपोर्ट के मुताबिक झारखंड की विकास दर देश की विकास दर से अधिक रही है. वर्ष 2024-25 में राज्य की आय का स्थिर मूल्य पर करीब तीन लाख करोड़ रुपये एवं वर्तमान मूल्य पर करीब 4.7 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है.

सुभाषित

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रात्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मम् ततः सुखम्।।

विद्या हमें विनम्रता देती है अर्थात् हमें विनम्र बनाती है, विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है और योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है जिससे हम धर्म के कार्य करते हैं और हमें सुख की प्राप्ति होती है.

लोकतंत्र की चुनौतियां एवं 'फेयर पोल'

राजनीतिक दलों की नीतियों, कार्यक्रमों, अवधारणाओं के प्रति जब जन मानस में असंतोष व्याप्त होने लगा तो प्रकारान्तर से राजनीति ने इनका सहारा लेना शुरू कर दिया. आगे चलकर जो धनी वर्ग, शक्तिशाली वर्ग, बाहुबली समूह राजनीति को प्रकारान्तर से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन करता था, वह स्वयं इस अखाड़े में कूदने लगा. राजनीतिक भाषा में कहें तो राजनीतिक दलों के सहयोगी ऐसे पूंजीपतियों एवं शक्तिशाली तत्वों ने राजनीतिक शुचिता को बहुत हद तक प्रभावित किया.

• देश-काल

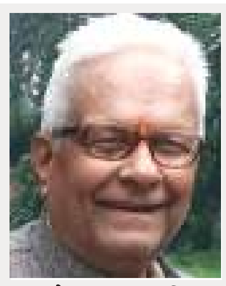

अयोध्या नाथ मिश्र

संसदीय चुनाव का बिगुल चंद दिनों में बजने वाला है. राजनीतिक दलों ने तो उसकी तैयारी अपने-अपने ढंग से महीनों पहले से प्रारंभ कर दी है. देश चुनावी मोड में आ गया है. सर्वेक्षणों के आधार पर लोग उम्मीदवारों एवं उनकी उपलब्धियों के बारे में अटकलें लग रहे हैं. ऐसे में फ्री एंड फेयर अर्थात निष्पक्ष और स्वच्छ अर्थात त्रुटि हीन चुनाव की अपेक्षा आम जनमानस करता है. जो मतदाता दलीय चारदीवारी में आबद्ध नहीं है, जो मतदाता चुनाव को सत्ता एवं व्यवस्था परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण प्रतीक मानते हैं, उनके लिए सद्भावपूर्ण, शांत चुनावी व्यवस्था बहुत मायने रखता है. भारत जैसे विराट लोकतांत्रिक देश में फ्री एंड फेयर चुनाव संपन्न कराना सर्वाधिक सशक्त चुनाव आयोग द्वारा भी एक चुनौती होता है. इस लोकहित की शाश्वत जनतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित करने के लिए कई तत्व ताक लगाए बैठे रहते हैं. इनमें धनबल, जनबल और तनबल को बड़ा कारक माना जाता है. यह परंपरा कोई नई नहीं है. राजनीतिक दलों की नीतियों, कार्यक्रमों, अवधारणाओं के प्रति जब जन मानस में असंतोष व्याप्त होने लगा तो प्रकारान्तर से राजनीति ने इनका सहारा लेना शुरू कर दिया. आगे चलकर जो धनी वर्ग, शक्तिशाली वर्ग, बाहुबली समूह राजनीति को प्रकारान्तर से प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन करता था, वह स्वयं इस अखाड़े में कूदने लगा. राजनीतिक भाषा में कहें तो राजनीतिक दलों के सहयोगी ऐसे पूंजीपतियों एवं शक्तिशाली तत्वों ने राजनीतिक शुचिता को बहुत हद तक प्रभावित किया. इस नेक्सस ने एक अभिनव राजनीतिक संस्कृति को जन्म दिया, जिसके लिए जनहित धीरे-धीरे गौण होने लगा. जन समर्थन से जीतने वाले प्रतिनिधि दाएं बाएं से समर्थन का जुगाड़ बिठाने लगे. उसका परिणाम हुआ, राजनीति की जनप्रतिनिधि धारा बहुत हद तक प्रदूषित होने लगी. सबसे महत्वपूर्ण दुष्परिणाम हुआ कि चुनावी प्रक्रिया के प्रति कुछ मतदाताओं के भरोसे में कमी आने लगी. ऐसे में चुनाव आयोग के लिए भी फ्री एंड फेयर पोल कराना कम चुनौती नहीं रहा. यही कारण है कि आज भी चुनाव में कुछ लोग टीएन शेषन की याद करते हैं.
अपने हिसाब से चुनाव आयोग सतत प्रयोगात्मक ढंग से चुनावी शुचिता की व्यवस्था करता है, परंतु लोग उसमें भी मार्ग निकाल ही लेते हैं. धन बल तब तक प्रभावी होता रहेगा, जब तक लोगों में लालच और डर बना रहेगा. हर छिद्र बंद करने का प्रयास चुनाव आयोग करता है. चुनावी कार्यक्रम संतुलित हो, काले धन का कम से कम प्रवाह हो, डर भय आतंक का साया न हो, किसी प्रकार का दबाव या लोभ-लालच न हो, इसकी व्यवस्था करने में चुनाव आयोग सतत क्रियाशील रहता है. इसके बावजूद चुनाव की निष्पक्षता पर कहीं न कहीं लोग प्रश्न चिह्न खड़ा कर ही देते हैं. संभव है इसके लिए मानवीय भूल भी जिम्मेदार हो.
1952 से ही चुनावी प्रक्रिया में संशोधन एवं सुधार की बातें सामने आने लगी और आज भी कुछ न कुछ प्रतिषेधात्मक , निषेधात्मक बंधेज सामने आते ही हैं. सबसे बड़ा प्रश्न है कि चुनाव में काले धन के प्रवाह को चुनाव आयोग कैसे रोके? राजनीतिक दल विजय को ध्यान में रखते हुए डपोरशंखी आर्थिक घोषणाएं भी करते हैं. न केवल भाषणों में, संवाद में अपितु दलों द्वारा प्रकाशित घोषणा पत्रों में भी एक से बढ़कर एक कमिटमेंट उल्लिखित होते हैं. वोट के लिए ₹आकाश के तारों को तोड़ना ₹ भी इनके लिए आसान बात रहती है. अधिकांश घोषणाएं बिना आर्थिक-वित्तीय आधार के होती हैं! हाल ही में मुख्य चुनाव आयुक्त ने संकेत किया है कि दलों को ऐसी घोषणाओं से परहेज करना चाहिए, जिनके प्रसंग में वे वित्तीय आर्थिक उपबंध की बात करने से कतराते हों. इसका मतलब यह हुआ की राजनीतिक दल बेसिर पैर की बातें बिना आर्थिक आकलन के चुनाव में उछाल देते हैं, आगे भगवान जाने! चुनाव आयोग ऐसी आर्थिक घोषणाओं के प्रसंग में आर्थिक-वित्तीय व्यवस्था की प्रतिबद्धता के लिए राजनीतिक दलों को बाध्य करें या निषेधात्मक कानूनी प्रावधान करें. चुनाव खर्च को सीमित किया जाना भी बहुत आवश्यक है. आज जो प्रत्यक्ष -अप्रत्यक्ष चुनावी खर्च होता है, वैसी दशा में कोई सामान्य ,गरीब, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध अभाव ग्रस्त उम्मीदवार आगे आने की हिम्मत नहीं करेगा! लोकतंत्र में शुचिता के लिए यह आवश्यक है कि सभी प्रकार के लोगों का प्रतिनिधि सभा में समावेश हो सके, लोक प्रतिनिधित्व मिल सके. तभी लोकतंत्र की परिभाषा चरितार्थ होगी.
इसी के साथ चुनावी संसाधनों के संसीमन पर भी विचार आवश्यक है. एक उम्मीदवार कितनी पब्लिसिटी करें, कितनी गाड़ियां दौड़ें, कितने लाउडस्पीकर बजें, कितने पंपलेट पोस्टर होल्डिंग्स लगें, सोशल मीडिया विज्ञापन, मीडिया में विज्ञापन आदि का विनियमन हो. अन्यथा होता यह है कि नामांकन के दिन से ही शक्ति प्रदर्शन, संसाधनों का भोंडा प्रदर्शन सामने आने लगता है. यद्यपि दुनिया का सबसे बड़ा हमारा लोकतंत्र क्रमशः सशक्त, निर्भीक और परिपक्व होता जा रहा है, फिर भी आदमी होता है तो गुण दोष युक्त ही. इसलिए चुनाव आयोग की भूमिका सर्वथा अहम होती है. अव्वल तो यह होगा कि कानूनी उपबंध के आलोक में राजनीतिक दलों की मशरूमिंग को निरुत्साहित किया जाए, चुनावी व्यवस्था के लिए इलेक्शन फंड सृजित किया जाए और दलों के ऊपर उपलब्धियां आधारित आवंटन किया जाए. इस फंड में सहभागिता के लिए व्यक्ति/संस्थानों को कानूनी उपबंध के तहत कर आदि में रिबेट देय हो. आदर्श तो यह होगा जब किसी भी दल को चुनाव में एक पैसा व्यय की अधिकारिता न हो. इसी के साथ निर्वाचित होने के लिए मतानुपात, एक से अधिक क्षेत्रों से उम्मीदवारी पर प्रतिबंध, बाई एलेक्शनल की दशाएं आदि विभिन्न विंदुओं पर संसदीय लोकतांत्रिक आदर्श हेतु ठोस कदम उठाने की चुनौती है. अपेक्षा है, चुनाव आयोग भविष्य में सरकार, राजनीतिक दल, मतदाताओं, विशेषज्ञों आदि के साथ सम्यक संवाद आधृत संस्तुति को बेहतर लोकतांत्रिक भविष्य के लिए स्वरूप दे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

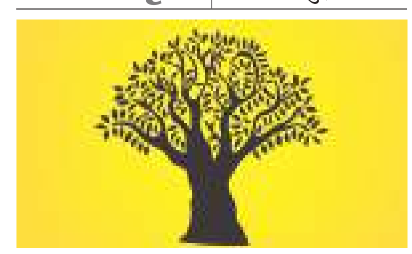

अलिप्त

मिथिला में एक बड़े ही धर्मात्मा एवं ज्ञानी राजा थे. राजकाज के विभिन्न कार्य और राजमहल के भारी ठाट-बाट के उपरांत भी वे उसमें लिप्त नहीं थे. राजऋषि की यह ख्याति सुनकर एक साधु उनसे मिलने आया. राजा ने साधु का हृदय से स्वागत सम्मान किया और दरबार में आने का कारण पूछा. साधु ने कहा, ₹राजन्! सुना है कि इतने बड़े महल में आमोद प्रमोद के साधनों के बीच रहते हुए भी आप इनके सुखोपभोग से अलिप्त रहते हैं, ऐसा कैसे कर पाते है? मैंने वर्षों हिमालय में तपस्या की, अनेक तीर्थों की यात्राएं कीं, फिर भी मन को इतना नहीं साध सका. जबकि संसार के श्रेष्ठतम सुख साधन व समृद्धि के सहज उपलब्ध रहते यह बात आपने कैसे साध ली?₹ राजा ने उत्तर दिया, ₹महात्माजी! आप असमय में आए हैं. यह मेरे काम का समय है. आपके सवाल का जवाब मैं थोड़ी देर बाद ही दे पाउंगा. तब तक आप इस राजमहल का भ्रमण क्यों नहीं कर लेते? आप इस दीये को लेकर पूरा महल देख आइए. एक बात का विशेष ध्यान रखें कि दीया बुझने न पाए, अन्यथा आप रास्ता भटक जाएंगे.₹ साधु दीया लेकर राजमहल को देखने चल दिए. कई घन्टे बाद जब वे लौटे तो राजा ने मुस्करा कर पूछा, ₹कहिए, महात्मन् ! मेरा महल कैसा लगा?₹ साधु बोला, ₹राजन्! मैं आपके महल के हर भाग में गया. सब कुछ देखा, किन्तु फिर भी वह अनदेखा रह गया.₹ राजा ने पूछा, ₹क्यों?₹ साधु ने कहा, ₹राजन्! मेरा सारा ध्यान इस दीये पर लगा रहा कि कहीं यह बुझ न जाय!₹ राजा ने उत्तर दिया, ₹महात्माजी! इतना बड़ा राज चलाते हुए मेरे साथ भी यही होता है. मेरा सारा ध्यान अपनी आत्मा पर लगा रहता है. कहीं मेरे आत्मज्ञान की ज्योति मंद न हो जाय. किसी अनुचित कर्म की तमस मुझे घेर न ले, अन्यथा मैं मार्ग से भटक जाउंगा. चलते-फिरते, उठते-बैठते, कार्य करते यह बात स्मृति में रहती है. मेरा ध्यान चेतन रहता है कि सुखोपभोग के प्रलोभन में कहीं मैं अपने आत्म को मलीन न कर दूं. इसलिए साक्षी भाव से सारे कर्तव्य निभाते हुए भी संसार के मोहजाल से अलिप्त रह पाता हूं. साधु राजा के चरणों में नत मस्तक हो गया. आज उसे नया ज्ञान प्राप्त हुआ था, आत्मा की सतत जागृति, प्रतिपल स्मृति ही अलिप्त रहने में सहायक है. साधु सोचने लगा कि मन चंचल है और वह कभी भी मोहजाल में फंस सकता है. उसे नियंत्रित करने का यही सहज उपाय है अपने कर्तव्य मार्ग पर दृढ़ता पूर्वक चला जाये.

केंद्र और राज्य के संबंधों में जटिलताएं

• विमर्श

लेखा रत्तनानी

तनाव और मतभेदों का एक सिलसिला देश के धैर्य की परीक्षा ले रहा है. कुछ तनाव और मतभेद सड़कों पर विरोध प्रदर्शन के रूप में सामने आते हैं, जैसे किसानों का पहले और अब चल रहा आंदोलन. फिर भी इसके पहले कभी भी राज्यों के निर्वाचित मुख्यमंत्रियों ने अपनी बात रखने के लिए सड़क पर विरोध प्रदर्शन का रास्ता नहीं अपनाया. इस प्रकार की चरम कार्रवाइयां देश को बनाने वाले आंतरिक ताने-बाने के कमजोर होने की ओर इशारा करती हैं, जो विश्व मंच पर एक पुनरुत्थानशील भारत की कहानी के विपरीत है. आखिर आंतरिक असंतुलन बाहरी लचीलापन कैसे पैदा कर सकता है? इस फ्रेम में, केंद्र सरकार तथा विपक्ष शासित राज्य सरकारों के बीच तनाव को विशेष महत्व दिया गया है. किसानों के अलावा फरवरी में दो राज्यों- केरल और कर्नाटक के मुख्यमंत्रियों ने अपने मंत्रिमंडल और सांसदों के साथ दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया और बताया कि वे संघीय धन के वितरण में भेदभाव के रूप में क्या देखते हैं. केरल ने धन आबंटन की अपनी मांग के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया है. केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार के कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'केंद्र द्वारा वित्तीय अन्याय व देश के संघीय ढांचे में गिरावट' के खिलाफ प्रदर्शन किया. उन्होंने एलडीएफ के 8 फरवरी के विरोध दिवस को भारत के इतिहास में एक 'रेड लेटर' दिन बताया. उसी दिन सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल धन जारी करने के केरल सरकार के अंतरिम आवेदन पर केंद्र सरकार को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा. केंद्र ने तर्क दिया है कि केरल के 'वित्तीय कुप्रबंधन' के लिए उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता. केरल के मुख्यमंत्री विजयन और उनके मंत्रिमंडल के ऐसा करने से एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धन के अनुचित आवंटन और कर बंटवारे में अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने मंत्रिमंडल व विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया था. कर्नाटक का कहना है कि जीएसटी संग्रह में वह दूसरे स्थान पर है, लेकिन जीएसटी कार्यान्वयन के कारण उसे लगभग 60,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. उसे कर बंटवारे में 63,000 करोड़ रुपये से थोड़ा कम नुकसान हुआ है. कर्नाटक और केरल ने कहा है कि उनका विरोध सभी राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और उनके बकाये को सुरक्षित करने के लिए भी है. कर्नाटक तथा केरल की बातों से तमिलनाडु सहमत है. इस प्रकार केंद्र-राज्य संबंधों और कर हस्तांतरण के जटिल मुद्दे ने राज्य व देश की बेहतरी के एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय एक बदसूरत रस्साकशी में बदल दिया है. लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में बहस की स्थिति चाहे जो भी हो, राज्यों की आर्थिक स्थिति को इस हद तक कमजोर किए जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती कि उनके निर्वाचित प्रमुखों को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने पड़ें. ये ऐसे हालात हैं जो टूटने के करीब है और यह कोई अच्छी बात नहीं है. केरल के मामले पर विचार करें तो उसे भारतीय रिजर्व बैंक ने शीर्ष पांच वित्तीय तनावग्रस्त राज्यों में रखा है. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्यों के राजकोषीय मानदंडों के अध्ययन में उच्च ऋण स्तरों और राजकोषीय घाटे के स्तरों के कारण बिहार, केरल, पश्चिम बंगाल, पंजाब और राजस्थान की पहचान अत्यधिक दबाव वाले राज्यों के रूप में की गई है. उच्च ऋण का अर्थ है कि राज्य अपने राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा ऋण और ब्याज चुकाने में खर्च करता है. उदाहरण के लिए कई राज्य राजस्व प्राप्तियों का लगभग 10 प्रतिशत या उससे अधिक ब्याज भुगतान पर खर्च करते हैं. पश्चिम बंगाल तथा पंजाब ब्याज भुगतान पर 20 प्रतिशत से अधिक खर्च करते हैं. ऐसा क्यों है और इसे मध्यम और दीर्घकालिक अवधि में कैसे संबोधित किया जा सकता है, यह बहस एवं संवाद का विषय है, लेकिन इसे आपसी वाद-विवाद में बदला नहीं जाना चाहिए. उदाहरण के लिए केरल ने आईओयू (कर्ज के भुगतान की स्वीकारोक्ति) का पहाड़ खड़ा कर दिया है. एलडीएफ ने इस स्थिति के लिए केंद्र को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया है कि उनकी सरकार को राज्य के इतिहास में सबसे खराब वित्तीय संकट में धकेला जा रहा है. 2021-22 के पूर्वव्यापी प्रभाव से केरल की उधार सीमा को कम करने जैसे केंद्र सरकार के कदमों का जिक्र करते हुए एलडीएफ सरकार ने कहा है कि राज्य को 2016 और 2023 के बीच की अवधि के लिए 107513.09 करोड़ रुपये का संचयी नुकसान हुआ है.

> केंद्र ने तर्क दिया है कि केरल के 'वित्तीय कुप्रबंधन' के लिए उसे दोषी नहीं ठहराया जा सकता. केरल के मुख्यमंत्री विजयन और उनके मंत्रिमंडल के ऐसा करने से एक दिन पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने धन के अनुचित आवंटन और कर बंटवारे में अन्याय की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए अपने मंत्रिमंडल व विधायकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया था.

किसान आंदोलन के प्रति संवेदना का अभाव

• आंदोलन

प्रफुल्ल कोलख्यान

किसान आंदोलन पर हैं, भारत में ही नहीं, दुनिया के कई देशों में. भारत में आंदोलन पर व्यवस्था जिस तरह से कहर ढा रही है, वह अप्रत्याशित है. जिससे निदान की अपेक्षा हो वही अप्रत्याशित व्यवहार करने लगे तो मामला कुछ अधिक ही गंभीर हो जाता है. किसान जीवन की समस्याओं पर निष्ठुरता से नहीं, समझ और सहानुभूति के साथ विचार किया जाना बहुत ही जरूरी है. इसका एक स्थानीय प्रसंग है तो वैश्विक प्रसंग भी है. किसान जीवन की समस्या की जड़ में एक बात यह भी है कि जितनी तेजी से अर्थव्यवस्था का शहरीकरण हुआ उस अनुपात में अर्थव्यवस्था का ग्रामीकरण न के बराबर ही हुआ. किसानों की समस्याओं का गहरा संबंध संपूर्ण ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जाति-आधारित पदानुक्रमिक समाज व्यवस्था से है. किसान आंदोलन में जुटे आंदोलनकारियों को सिर्फ भीड़ मानकर चलना अपने को गफलत में रखना है. आम नागरिकों के प्रति सरकार का रवैया लोकतांत्रिक तो बिल्कुल ही नहीं है. सिर्फ किसान आंदोलन के आंदोलनकारियों के प्रति ही नहीं, सरकार से किसी भी तरह के लोकतांत्रिक सवाल करनेवाले, अपना हक मांगने वाले व्यक्ति, समूह, समुदाय के साथ 'लोकतांत्रिक सरकार' जैसा व्यवहार कर रही है, वह भयानक है. लगता है सतरू (सत्तारूढ़) पक्ष पूरे देश को झुंड-मुंड में बदल देने की अपनी चुनावी परियोजनाओं के सफल होने के प्रति "आश्वस्त" है. रोजी-रोजगार के लिए पात्रता की उम्र गंवाते युवा आकुल-व्याकुल हैं. रोजगार परीक्षाओं को पेपर लीक के बेलगाम सिलसिले में झोंक दिया गया है. सरकारी नीति से 'अग्निवीर' पस्त हैं. पुरानी पेंशन की मांग को टरकाने, भटकाने से रिटायर्ड लोग हैं. वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली सहूलियतों के कानून अपनी जगह, अपमानित और रियायतों से वरिष्ठ नागरिक वंचित हैं. मोटर गाड़ी से रौंद कर किसानों को मार दिये जाने वाले को प्रश्रय दिये जाने, विपक्षी नेताओं पर केंद्रीय चुनाव आयोग समेत संवैधानिक संस्थाओं की विवेकहीन कार्रवाई किये जाने, नाजायज और असंवैधानिक तरीके से फंड जुगाड़ने जैसे किसी भी मुद्दे पर खौलते सवालों के प्रति सरकार का रवैया अप्रत्याशित ढंग से लापरवाह निष्ठुर और आक्रामक होता है. नागरिक समस्या के प्रति ऐसा रवैया, क्या लोकतांत्रिक पद्धति से चुनकर आई किसी 'लोकतांत्रिक सरकार' का हो सकता है? बिल्कुल ही नहीं. कारण नागरिक 'असंगठित' सरकार 'संगठित'! 'असंगठित' पर 'संगठित' का वर्चस्व तो सभ्यता संकट का मूल है; असंगठित यानी स्वाभाविक रूप से विकेंद्रित और संगठित यानी आक्रामक ढंग से केंद्रित. पूंजीवाद और लोकतंत्र में एक स्वाभाविक अंतर्विरोध होता है; पूंजीवाद में सर्व-केंद्रीयकरणकी अपराजेय प्रवृत्ति होती है, जबकि लोकतांत्रिक विचारों के अंतःकरण में सर्व-विकेंद्रीयकरण का आश्वासन होता है. लोकतांत्रिक नेतृत्व में सर्वसत्तावाद का रुझान पूंजीवाद के माफिक बैठता है. अद्भुत नजारा होता है. कभी पूंजीवाद सर्वत्तावाद की गोद में तो, कभी सर्वत्तावाद पूंजीवाद की गोद में; यानी तू मुझ में है, मैं तुझ में हूं! सर्वत्तावादी राजनीति लोकतंत्र और पूंजीवाद के बीच संतुलन बनाये रखने की कोई कोशिश नहीं करती है, इस तरह से लोकतांत्रिक ढांचे में बहुमत का नहीं, तानाशाही हुकूमत का दखल हो जाता है. बहुमत पर बहुसंख्यक अपनी सवारी कस लेता है. असल में, भारत का लोकतंत्र आज कई संचयी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं से घिर गया है. भारत की आजादी के बाद से ये समस्याएं धीरे-धीरे संचित होती रही हैं. इन समस्याओं का समग्र प्रभाव राजनीतिक लोकतांत्रिक संरचना पर रह-रहकर उभर रहा है. राजनीतिक रूप से सरकारी नौकरियों के लिए उचित ही आरक्षण का तात्कालिक संवैधानिक उपाय किया गया था. दीर्घकालिक उपाय तो सामाजिक रूप से ही हो सकता है. डॉ. आंबेडकर इस बात को बहुत गहराई से समझते थे. इसलिए उन्होंने बहुत ही संवेदनशील लहजे में कहा कि राजनीतिक लोकतंत्र को सामाजिक लोकतंत्र में बहुत जल्दी न बदला जा सका तो भारत के राजनीतिक लोकतंत्र को झटका लग सकता है. इस संवेदनशील लहजे को 'करुणाविगलित' नजरिये से देखने की कोशिश हमें भरमा सकती है. लोकतंत्र में अंतर्निहित अनिवार्य मूल्यों को जातिवाद से बाहर निकलकर गहरी सांस्कृतिक समझ और समकारक (ईक्वलाइजर) सहानुभूति से ही स्वीकार किया जा सकता है.

> आम नागरिकों के प्रति सरकार का रवैया लोकतांत्रिक तो बिल्कुल ही नहीं है. सिर्फ किसान आंदोलन के आंदोलनकारियों के प्रति ही नहीं, सरकार से किसी भी तरह के लोकतांत्रिक सवाल करनेवाले, अपना हक मांगने वाले व्यक्ति, समूह, समुदाय के साथ 'लोकतांत्रिक सरकार' जैसा व्यवहार कर रही है, वह भयानक है.

मीडिया में अन्यत्र

नियंत्रित लोकतंत्र का पाकिस्तानी मॉडल

बीते 8 फरवरी को हुए पाकिस्तान के आम चुनावों में बराबरी का कोई मौका उपलब्ध नहीं था. इस चुनाव में जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को सेना समर्थित पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के खिलाफ अपने लोकप्रिय चुनाव-चिह्न 'क्रिकेट का बल्ला' पर उम्मीदवार खड़ा करने से रोक दिया गया था. फिर भी, मतदाताओं ने पीटीआई का समर्थन किया. इसके निर्दलीय उम्मीदवार 93 सीटों के साथ नेशनल असेंबली में सबसे बड़े समूह के रूप में उभरे, जबकि पीएमएल-एन 75 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही. चुनाव के नतीजे भले ही कई लोगों के लिए चौंकाने वाले रहे, लेकिन चुनाव के बाद की चालें शायद ही हैरतअंगेज रहीं. पीएमएल-एन ने गठबंधन सरकार बनाने के लिए पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और कई छोटे दलों के साथ हाथ मिलाया है, जिसमें पीटीआई शामिल नहीं है. क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान की सरकार के अप्रैल 2022 में अविश्वास मत के दौरान गिर जाने के बाद इमरान खान-विरोधी गठबंधन के हिस्से के रूप में प्रधानमंत्री बनने वाले शहबाज शरीफ, इस पद पर वापस लौटेंगे. पीएमएल-एन के नेता नवाज शरीफ (जो शहबाज के बड़े भाई हैं) की बेटी मरियम नवाज पंजाब की मुख्यमंत्री बन गई हैं, जबकि पूर्व राष्ट्रपति एवं पीपीपी के नेता आसिफ अली जरदारी द्वारा पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी (पीटीआई के) की जगह लेने की संभावना है. इस गठबंधन को पाकिस्तान के जनरलों का पूरा समर्थन हासिल है, जबकि सेना पर दर्जनों सीटों पर धांधली करने का आरोप लगाने वाली पीटीआई का कहना है कि वह विपक्ष में रहेगी और चुनाव के नतीजों को कानूनी रूप से चुनौती देगी. कई मायनों में नया गठबंधन पिछली गठबंधन सरकार की नकल है. बतौर प्रधानमंत्री श्री शहबाज खासे अलोकप्रिय रहे थे. उनकी सरपरस्ती में पाकिस्तान का आर्थिक संकट कई गुना बढ़ गया. मुद्रास्फीति 30 फीसदी पर है, जबकि अर्थव्यवस्था पिछले साल आईएमएफ द्वारा प्रदान की गई तीन बिलियन अमेरिकी डॉलर की जीवनदायी सहायता पर चल रही है. विदेशी मुद्रा भंडार, थोड़ा बेहतर होने के बावजूद, अभी भी 8.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निचले स्तर पर है. नई सरकार को 'मुश्किल से निजात दिलाने वाले पैकेज' (बेलआउट पैकेज) के लिए आईएमएफ के साथ फिर से बातचीत शुरू करनी होगी. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आपात/आपाद

आपात और आपाद दोनों श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द हैं. झटके में सुनने पर दोनों एक जैसे ही लगते हैं, लेकिन दोनों के अंतिम अक्षर ही स्पष्ट कर देते हैं कि दोनों के बीच कोई समानता नहीं है. आपात का अंतिम अक्षर जहां त है, वहीं आपाद का अंतिम अक्षर द. हिंदी शब्द सागर के अनुसार आपात तत्सम पुल्लिंग शब्द है और इसका अर्थ है किसी घटना का अचानक हो जाना, आरंभ, अंत, पहली झलक, प्रथम दर्शन, गिराना, अधःपतित करना, हाथी को पकड़ने के लिए उसे गड्ढे में गिराना, नरक. आपाद भी तत्सम संज्ञा पल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है पैर तक. इससे बना शब्द है आपादमस्तक, जिसका मतलब है सिर से पैर तक. दोनों के बीच मोटा-मोटी अंतर यही है. आपाद जैसा लगने वाला शब्द है आपद या आपदा, जो अर्थ के दृष्टिकोण से आपात के बहुत निकट है. आपद् का मतलब है विपत्ति, आपत्ति, दुख, कष्ट, विघ्न. सन् 2020 में आयी विश्वव्यापी महामारी कोरोना के दो साल के समय को आपातकाल की संज्ञा दी जाती है, जिसमें लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था. मौत का ऐसा तांडव हुआ था कि श्मशानों और कब्रिस्तानों में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बची थी. आपातकाल का मतलब एक अप्रत्याशित घटना, जिसपर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता होती है. यह घटना अक्सर गंभीर या खतरनाक होती है. जैसे किसी के घर में आग लग जाना. आपातकाल एक महासंकट होता है. आपातकालीन स्थिति में अक्सर संकट की तुलना में तेज प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है. अगर आपके पास नौकरी नहीं है तो यह एक संकट है, अगर आपके पास नयी नौकरी तलाशने के लिए कुछ पैसे हैं. वहीं दूसरी ओर अगर नौकरी छूट जाती है तो आपके सामने आपातकालीन स्थिति बन जाती है, जब आपके पास बिलों का भुगतान करने के लिए पैसे नहीं होते. आपातकालीन परिस्थितियां कई प्रकार की होती हैं. जैसे चिकित्सा संबंधी, मौसम संबंधी जैसे बर्फ़ीला तूफ़ान, बवंडर और तूफ़ान आदि.

स्वर्गलोक में भी पहुंची आरक्षण की आग

• तीर-तुक्का

रवि श्रीवास्तव

हे प्रभु विनती सुन लो. देश में सामान्य वर्ग के लोग अपनी अर्ज लेकर रोज मंदिर में जाते हैं. खूब पूजा अर्चना कर रहे हैं. कभी इस मंदिर तो कभी उस मंदिर. बात ही कुछ ऐसी है. आखिर पुत्र प्राप्ति की लालसा ही कुछ ऐसी है. जिसके लिए लोग कुछ भी करने को तैयार थे. इतनी पूजा को देख भगवान असमंजस में पड़ गए थे. उन्हें कुछ समझ नहीं आ रहा था. क्या करें कैसे अपने भक्तों की लाज रखें? यह संकट देख नटखट नारद को सुझाव के लिए बुलाया गया. सारे देवताओं का दरबार लगा, जिसमें चिंता का विषय पृथ्वी वासी लोग बने थे. दरबार में लोगों की पुकार की आवाजें आ रही थी. तभी देवताओं ने सामान्य वर्ग के एक भक्त की पुकार सुनी. वह पुकार पुत्र प्राप्ति की थी. दरबार में एक बालक को बुलाया गया. उससे कहा गया कि पृथ्वी पर जाओ और भक्त की मनोकामना पूरी करो. उस बालक ने पूछा हे प्रभु हमें जिसके यहां भेज रहे हो, वह कौन हैं. किस वर्ग से ताल्लुक रखते हैं. अरे वह मेरा भक्त है. जाति, वर्ग से क्या मतलब है. नहीं प्रभु मुझे बताओ तभी मैं जाऊंगा. बालक की जिद के आगे भगवान ने कहा भाई सामान्य वर्ग में जन्म ले रहे हो और क्या चाहिए. बालक ने मना कर दिया. मुझे नहीं जाना है. मैं ऊपर स्वर्ग में ही सही हूं. ईश्वर के बहुत पूछने पर बालक ने कहा मुझे इस देश में आरक्षण वर्ग के यहां जन्म चाहिए. क्योंकि उनके यहां आरक्षण मिलता है. जहां आप मुझे भेज रहे हैं उस वर्ग में आरक्षण नहीं हैं. पूरी जिंदगी मेहनत से घिस जाएगी. कोई फायदा नहीं है. मुझे नहीं जाना. भगवान की सभा में एक बालक के विरोध ने तो बवाल मचा दिया. अब हर बालक सामान्य वर्ग में जन्म लेने को मना कर रहा था. भगवान के यहां तो ये बड़ा धर्मसंकट पैदा हो गया. एक तरफ भक्त की पुकार थी तो दूसरी तरफ स्वर्ग में बालकों की जिद. भगवान ने एक बच्चे की जिद आखिर मान ली. उसे आरक्षण वर्ग में जन्म के लिए भेज दिया. उस बालक ने जन्म तो ले लिया. लेकिन वह बहुत गरीब परिवार में था, जिससे आरक्षण का कोई लाभ उसे नहीं मिल पा रहा था. रोज कुआं खोदना और पानी पीने वाला काम था. भगवान को लगा कि संकट शायद टल गया है. लेकिन क्या पता कि एक नए संकट ने जन्म लिया था. अब फिर से वही समस्या अब आरक्षण वर्ग के घर में भी जन्म लेने पर बच्चे मना कर रहे थे. ईश्वर ने फिर दरबार लगाया. गुस्से में पूछा अब क्या समस्या है. बच्चों ने अपनी फरमाइश रख दी. मुझे जन्म अब आरक्षण के उस वर्ग में देना जो पूरी तरह से सम्पन्न हो. उनको आरक्षण का बहुत फायदा मिलता है. तभी जिंदगी सुकून से गुजरेगी.

Her Story

अपने देश की जनसंख्या ही इतनी अधिक है कि नर्सरी से ले कर उच्च शिक्षा तक सभी जगह दाखिला के लिए मारा-मारी मची रहती है. भारतीय बच्चे छुटपन में ही "सर्वाइवल ऑफ़ द फिटेस्ट" यानी सर्वोत्तम ही सफल होगा के मूल मन्त्र को समझने लगते हैं. प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से यह उनके नाजुक कंधों पर बोझ भी डालता है.

वासंती स्वाद

रानी प्रसाद
पाक कला विशेषज्ञ

मौसम वसंत का है. कुकरी एक्सपर्ट रानी प्रसाद लेकर आई हैं कुछ वासंती जायके, बनाइए, चखिए और फिर स्वाद बताएं.

मीठे चावल

यह चाहिए

बासमती चावल : एक कप
चीनी : एक कप
शुद्ध घी : चार बड़े चम्मच
पानी : दो कप
कटे हुए मेवे : आधा कप
केसर के धागे : थोड़े से
दूध : दो चम्मच
तेजपत्ता : एक
छोटी इलायची: पिसी हुई एक चम्मच
गुलाब जल : दो चम्मच
खाने वाला रंग पीला रंग : कुछ बूंदे

ऐसे बनाएं सबसे पहले बासमती चावल को धोकर आधा घंटा पानी मे फुला लें. उसके बाद दो कटोरी पानी में तेज पत्ता आधा चम्मच घी छोटा सा दालचीनी का टुकड़ा और खाने वाली पीले रंग की कुछ बूंदे डालकर पानी ख़ौला लें. अब उसमें चावल को धीमी आंच पर पकाने के लिए रख दें. चावल जब 90% तक हो जाए तो गैस ऑफ कर दें. उसके बाद एक पैन में शुद्ध घी डालें और उसमें ड्राई फ्रूट्स को हल्का भून लें. अब पैन में से इन ड्राई फ्रूट्स को निकाल लें और उसमें पके हुए चावल को डाल दें. चीनी डाल दें और केसर में भीगा दूध भी इसमें डाल दें और गैस को धीमे कर इस चावल को चीनी के साथ पकने दें. जब चावल चीनी के साथ पक जाए तब उसमें ड्राई फ्रूट्स मिला दें. मीठे चावल तैयार हैं.

सूजी और बेसन का हलवा

यह चाहिए

बेसन : 3/4कप
सूजी : 1/4 कप
चीनी : 1/2 कप
पिसी इलायची : एक चम्मच
शुद्ध घी : 1/2 कप
ड्राई फ्रूट्स : 1/2 कप

ऐसे बनाएं सर्वप्रथम सूजी और बेसन को 5 चम्मच घी के साथ धीमी-धीमी आंच पर भून लें. जब बेसन से खुशबू आने लगे तब इसमें दूध के छीटे मारें. इसे धीमी आंच पर भूनते रहें. जब यह अच्छी तरह भून जाए तब इसमें चीनी डाल दें और चीनी के साथ इस धीमे-धीमे चलाते हुए दो-तीन मिनट भुनें. उसके बाद इसमें पानी डालें और धीमे-धीमे चलते रहें. अब इसमें बचा शुद्ध घी डाल दें. कटे हुए ड्राई फ्रूट्स भी डाल दें. गैस को ऑफ कर दें. 5 मिनट हलवे को ढक दें. इसके बाद इसमें आधा कप पानी और डालकर धीमी आंच पर हलवे को उलट पलट कर पकाएं जब पानी सूख जाए तब हलवे को प्लेट में सजा दें.

रीता गुप्ता

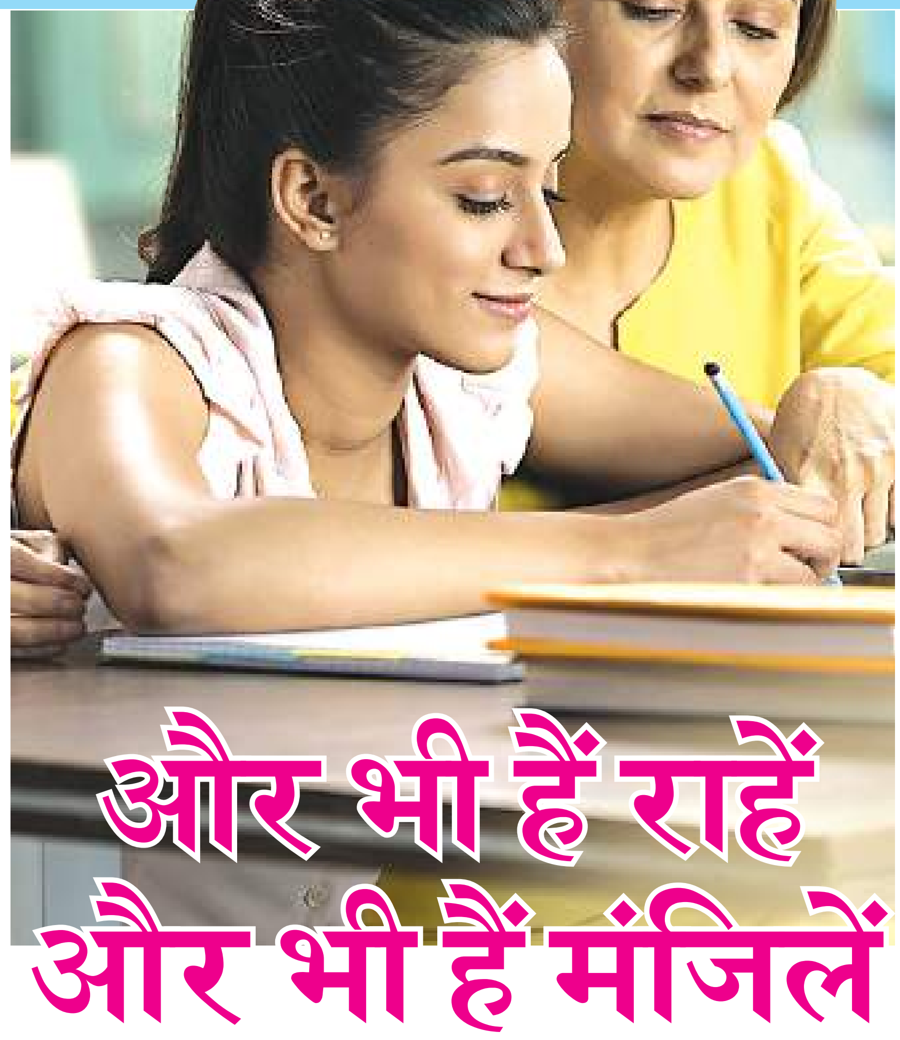

और भी हैं राहें और भी हैं मंजिलें

मैं अपनी सोसायटी की सेक्रेटरी हूं. उस दिन कुछ जरुरी कार्य से कुछ घरों में जाने का मौका मिला. संयोग से उस दिन आईआईटी का रिजल्ट आया था. सबसे पहले मैं झा जी के घर पहुंची, देखा कि वहां मिठाइयां बंट रही है क्योंकि उनकी बेटी ने सफलता प्राप्त किया था. बेटी को आशीर्वाद देती और मिठाई खाती मैं अपना काम कर उनके घर से निकली.

दो-चार घर के बाद मैं चौहान साहब के घर पहुंची, रिजल्ट तो यहां भी निकला था. दरवाजे से बाहर तक चौहान जी की कड़कती आवाज आ रही थी. असमंजस की स्थिति में मैं दाखिल हुई. कमरे से सिसकती हुई घुटी घुटी रोने की आवाज आ रही थी, शायद ये उनकी बीवी की आवाज थी. बेटा सर झुकाए पैर के नाख़ून से जमीन खुरचने की कोशिश कर रहा था.

"मैंने इसे कोटा पढने भेजा, पैसा को पैसा नहीं समझा. देखिये झा जी की बेटी को, उसका सिलेक्शन हो गया और ये जनाब......", चौहान जी आग उगल रहें थें. मैं उनसे साइन करा जल्दी से बाहर निकली.

अगला घर मेरी मित्र रंजना का था और मुझे पता था कि उसके बेटे ने भी आईआईटी की परीक्षा दी है. जाने की हिम्मत ही नहीं हो रही थी, पर दरवाजा खुला देख अंदर चला गया. देखा मां-बेटे आपस में कुछ खुसुर-फुसुर कर रहें हैं. सामने कुछ कालेजों और कोचिंग इंस्टिट्यूट के ब्रोशर पसरे हुए थे. मुझे देखते ही कहा- "हम देख रहें हैं कि दूसरा कौन कौन से अच्छे कालेज हैं जहां इसे दाखिला मिल सकता है. वैसे सोच रहा हूँ कि झा जी की बेटी ने जहां कोचिंग किया था वहां इसे दाखिला दिला दूं. अब ये जो कहे."

ये एक आम सा नज़ारा है प्रतियोगी परीक्षाओं के बाद, जब उनके रिजल्ट निकलतें हैं. सफलता और असफलता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं.

एक वक्त था जब शिक्षा ज्ञान प्राप्ति का माध्यम हुआ करता था. धीरे-धीरे शिक्षा आजीविका से जुड़ती गयी और आजीविका से जुड़ाव इसे अर्थ से जोड़ती गयी. अब तो हालात ये है कि शिक्षा का मूल कारण ही "नौकरी" पाना है. हमारे देश की जनसंख्या ही इतनी अधिक है कि नर्सरी से ले कर उच्च शिक्षा तक सभी जगह दाखिला के लिए मारा-मारी मची रहती है. भारतीय बच्चे छुटपन में ही थ्योरी "सर्वाइवल ऑफ़ द फिट्टेस्ट" यानी सर्वोत्तम ही सफल होगा के मूल मन्त्र को समझने लगते हैं. क्यूंकि बचपन से पापा-मम्मी क्लास के, अड़ोसी-पडोसी. रिश्तेदारों सभी के बच्चों से अधिक नंबर लाने की होड़ शुरू कर देते हैं. स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धाएं हितकारी होती हैं, एक दूसरे के साथ स्वस्थ प्रतियोगिता में बच्चा बेहतर प्रदर्शन करता है. परन्तु आज बच्चों पर अनावश्यक और कई परतों में इतना तनाव रहता है कि उसमें बचपन कहीं गुम सा जाता है. ये तनाव चरम पर तब दिखता है जब बोर्ड इम्तहान और प्रतियोगी परीक्षाओं के दौर शुरू होते हैं. दसवीं-बारहवीं की बोर्ड की परीक्षाएं और फिर प्रतियोगी परीक्षाओं का दौर. बोर्ड में अच्छे मार्क्स और प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर से बेहतर प्रदर्शन करने का तनाव विद्यार्थी के साथ-साथ उसके माता-पिता पर भी होता है.

आखिर ये तनाव होता क्यों है

बच्चों का टॉप संस्थान में पढ़ना मां-बाप का स्टेटस सिंबल होता है. अपना भविष्य उन्हें सुरक्षित महसूस होता है. बच्चे की क्षमताओं, काबलियत और रुझान की सीमाओं को जाने बिना अपेक्षाओं के बोझ डाल मैदान में उतार दिया जाता है. कोचिंग के नाम पर पानी की तरह पैसा बहा कर बच्चे को सीमा से बाहर जा मेहनत करने को बाध्य किया जाता है. सभी अपने बच्चे को टॉप रैंक वाले कॉलेज में ही पढने भेजना चाहतें हैं. सीट होतें हैं गिनती के और परीक्षार्थी होतें हैं कई गुणा अधिक, फिर तनाव होना तो लाजमी ही है क्यूंकि अब सबके तो होने से रहे.

तनाव का नतीजा

तनाव का नतीजा प्रदर्शन और फलत: परिणाम में देखने को मिलता है. तनाव नहीं झेल पाने के कई विस्फोटक नतीजे दिखतें हैं. बच्चे टूट जाते हैं, निराशा के भंवर में डूबने लगतें हैं. उनमें हीनता का भाव आता है. जानता हुआ सवाल बच्चा परीक्षा हॉल में गलत कर आता है. नींद नहीं आना, हाथ-पांव कांपना, भूख नहीं लगना, किसी से बात नहीं करना, गुमसुम रहना इत्यादि कई लक्षण है जब पेरेंट्स को समझ लेना चाहिए कि बच्चे की आत्म विश्वास की गाडी पटरी से उतर रही है. कई शिक्षण संस्थान, कोचिंग सेंटर, कोटा इत्यादि में इतना अधिक प्रेशर होता हैं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए कि बच्चे आत्म हत्या तक कर लेते हैं.

तनाव से लड़ने के सूत्र

- सबसे पहले तो माता-पिता बच्चे को ये आश्वस्त करें कि वो उनको बहुत प्यार करते हैं. ये आश्वासन उनके बच्चों के लिए लाइफ जैकेट की तरह काम करेगी. उनको ये भरोसा रहेगा चाहे कुछ भी परिणाम हो उनके माता-पिता उनके साथ हैं.
- पेरेंट्स और बच्चे दोनों खुद को पहले से ही प्रतियोगिता, उसकी तैयारियों और किसी भी तरह के रिजल्ट हेतु मानसिक रूप से तैयार रखें. राह की कठिनाइयों का पहले से अनुमान होना बाद की तकलीफों को सहने में मदद करती है.
- दूसरों के बच्चे या किसी सहपाठी के बेहतर रिजल्ट को देख हौसला नहीं हारें, बल्कि प्रेरणा ग्रहण करें.
- लोग क्या सोचेंगें, इस बात की परवाह बिलकुल ना करें. पेरेंट्स और बच्चों का अधिकतम तनाव इसी बात का होता है कि अड़ोसी पडोसी, रिश्तेदार, सहपाठी नंबर कम आने पर क्या बोलेंगे. याद रखें, कुछ तो लोग कहेंगे क्यूंकि लोगो का काम है कहना.
- नकारात्मक लोग और नकारात्मक सोच से दूर रहें.
- योग, कसरत, टहलना इत्यादि हल्का फुल्का जरूर करें. पशु-पक्षी के साथ कुछ वक़्त बिताना तथा संगीत दिमाग को रिलैक्स करने में मदद करता है.
- नींद अवश्य पूरी लें. कुछ लोग 4-5 घंटों की नींद में फ्रेश हो लेते हैं तो कुछ को 6-7 घंटे की नींद की जरुरत होती है.
- अपनी क्षमताओं और सीमा को पहचानते हुए व्यावहारिक रहें. काल्पनिक और अव्यावहारिक सोच अक्सर बहुत तनाव देतें हैं.
- जरुरत लगे तो बच्चे को काउंसलर के पास अवश्य ले जाएं. यूं तो माता-पिता से बढ़ कर उनके बच्चे को कोई नहीं समझता परन्तु कितनी बार वे समझाने में असफल हो सकतें हैं, सो बच्चे को तनाव से राहत दिलाने में ये प्रोफेशनल काउंसलर एक अहम् भूमिका निभा सकतें हैं.

क्या होगा जब रिजल्ट मन मुताबिक ना हो?

- सच पूछा जाये तो कुछ नहीं होगा यदि बोर्ड एग्जाम या किसी संस्थान की प्रवेश परीक्षा में बच्चा कम नंबर लाता है. क्या हुआ जो नंबर कम आये? कम से कम आप उनलोगों से ज्यादा खुशकिस्मत हैं जिनके बच्चे मंद बुद्धि हैं या जो नि:संतान हैं. क्या हुआ जो आपके बच्चे का टॉप रैंक वाले कॉलेज में दाखिला न हो सका? कुछ नहीं हुआ. नीचे रैंक वाले संस्थानों से भी बच्चे पढ़ कर जिन्दगी में बहुत अच्छा कर सकते हैं/ करते हैं.
- अगर लगता है कि एक मौका देने से बच्चा बेहतर कर सकता है तो उसे एकाध बार मौका और देना ही चाहिए. यदि उसके बाद भी नहीं हो तो कम से कम ये मलाल तो नहीं रहेगा कि कोशिश नहीं किया.
- नंबर कम आना कहीं ये इंगित तो नहीं कर रहा कि ये विषय या फील्ड आपके बच्चे के रुझान का नहीं है? कहीं आप किसी कलाकार, पेंटर, एथलीट, साहित्यकार, कवि या संगीतकार को डॉक्टर या इंजिनियर बनाने पर नहीं तुले हैं? ये बिलकुल मछली को पेड़ पर चढाने की कवायद जैसी बात होगी.
- प्रवेश परीक्षा में असफलता बहुत छोटी सी बात है आगे जिन्दगी में बहुत सारी और बड़ी बड़ी परीक्षाएं बाकि हैं. इसे छोटी समझ आगे की राह तलाशना ज्यादा जरुरी है.
- लिहाजा अगर आपका बच्चा ज्यादा नंबर लाता है तो बहुत अच्छी बात है लेकिन अगर वह ज्यादा नंबर नहीं ला सका तो तो आप बच्चे से उसका आत्मविश्वास और उसका स्वाभिमान ना छीन ले. उन्हें हौसला दीजिएगा कि कोई बात नहीं यह एक छोटा सा इम्तिहान है, वह तो जिंदगी में इससे भी कुछ बड़ा करने के लिए बनाए गए हैं. कम मार्क्स के बाद भी आप उसके साथ हैं और उसे प्यार करते हैं, यह अहसास दिलाएं. आपके द्वारा किया गया भरोसा और स्नेह ही फिर से दुनिया के मैदान में अगली जंग के लिए उनके हौसले को बुलंद करेगा.

नजर ठिठकेंगी इन फूल लदी लताओं पर

सुंदर लटकती फूलों वाली बेल यानी क्रीपर्स घर की सुंदरता में चार चांद लगा देती है. बालकनी, छत, बाउंड्री, रेलिंग आदि पर लटकी ये लताएं देख एकबारगी से सबकी आंखें ठिठक सी जाती हैं. कई बार तो ये घर की पहचान भी बन जाती हैं. आइए, आज कुछ ऐसी फूलों वाली लताओं की करें बात जिन्हें मार्च महीने में लगाया जा सकता है.

बोगनवेलिया

बोगनवेलिया वसंत या गर्मियों की शुरुआत में इसे लगा सकते हैं. इसकी लताओं पर बैंगनी, ऑरेंज, सफेद, पीले, गुलाबी, लाल रंगों के फूल आते हैं. पूरे साल ही फूलों से लदी-फदी रही हैं लताएं. इसे ऐसी जगह लगाएं जहां खूब धूप आती हो. पानी तभी डालें जब जड़ के पास मिट्टी सूखी दिखे. इसे कटिंग की सहायता से लगाया जा सकता है.

मधुमालती या वसंतमालती

मधुमालती की बेल कटिंग से उगाना चाहती हैं तो मार्च से अप्रैल तक का समय मुफीद है. हालांकि बसंत से बरसात तक इसे आराम से लगाया जा सकता है. इसे रंगून क्रीपर, चायनीज हनीसकल, मधुमंजरी और झुमका बेल भी कहा जाता है. इसे ऐसी जगह लगाएं जहां सीधी धूप मिलती हो. इसके बौने संकर को 12 इंच के गमले में छत पर भी लगा सकती हैं.

अपराजिता बेल/शंखपुष्पी

इस बेल की नीले, बैंगनी, पिंक व सफेद रंग के फूलों की प्रजातियां पाई जाती है. इसकी पत्तियां अंडाकार, छोटी और तने पतले होते हैं. इस बेल में छोटी-छोटी फलियां भी लगती हैं, जिससे अपराजिता के बीज मिलते हैं. इसे बालकोनी में भी लगा सकते हैं. कुछ घंटे की धूप इसके लिए पर्याप्त है. यह 5-10 फुट तक बढ़ती है. इसे गोबर या जैविक खाद देनी चाहिए.

मोगरा

छोटी झाड़ी के रूप में यह 1.5-2 फुट से लेकर लता के रूप में इसकी ऊंचाई 10 फुट तक हो सकती है. इनकी खुशबू बहुत लुभावनी होती है. मार्च महीने में इसे गमले में लगा रहे हैं तो मिट्टी में बालू या कोकोपीट मिक्स करें. इसमें गोबर या वर्मी कम्पोस्ट खाद दें. इसे खूब धूप की जरूरत होती है. इसलिए ऐसी जगह लगाएं जहां तेज धूप आती है.

स्टार ग्लोरी या गणेश बेल

इसके छोटे, नाजुक तारे के आकार के फूल होते हैं, जो ज्यादातर चमकीले लाल, गुलाबी या सफेद रंग के होते है. गणेश वेल का अनोखा नाम इसके फूल के कारण है, जो तुरही के आकार का होता है और भगवान गणेश जैसा दिखता है. कटिंग से से भी इसे लगाया जा सकता है. इसे ऐसी जगह पर रखें जहां करीब 6 घंटे धूप आती हो.

नेहा प्रसाद

बड़े इरादों वाली हैं छोटे से गांव की नेहा

मैक्लुस्कीगंज के एक छोटे से गांव में जन्म लेने वाली नेहा प्रसाद अपने शिक्षक पिता की परवरिश को धन्यवाद देती हैं जिन्होंने उनके व्यक्तित्व को विस्तृत आयाम दिया. नब्बे के दशक में जब स्कूल लड़कियों का गांव में साइकिल चलाना भी कम ही दिखता था, नेहा के पिता ने उन्हें बुलेट, बाइक और फोन व्हीलर चलाना सिखाया. सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस दिलाया. नन्हीं सी उम्र में वॉलीबॉल के प्रति दिल में ऐसा प्रेम और माहौल दिया कि वे इस फील्ड में राष्ट्रीय स्तर तक पहुंची. ख्वाहिश तो थी कि खेल में ही अपना करियर बनाए पर नियति ने कुछ और सोचा था. वर्ष 2003 में उनके पिता की अचानक मृत्यु हो गई और वे अनुकंपा के आधार पर सरकारी स्कूल में शिक्षिका बन गईं. जल्दी ही पिता के स्थान यानी प्रिंसिपल भी बनीं.

नेहा स्कूल की नौकरी के अलावा सोशल सर्विस में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती हैं. आसपास जहां जिसे खाने-पहनने ओढ़ने की तकलीफ देखी, उसे पूरा करने खुद पहुंची. बकौल नेहा, गर मैं समृद्ध घर से हूं और जरुरतमंद को कंबल, कपड़े, खाना आदि दे सकती हूं, तो देना मेरा कर्तव्य है. आसपास जहां कहीं भी घरेलू हिंसा देखतीं, इसके विरुद्ध आवाज बुलंद करती हैं. अपने सरकारी स्कूल को पठन-पाठन और साज-सज्जा की दृष्टि से निजी स्कूल से कहीं बेहतर बनाने की कोशिश की है जिसकी तारीफ भी संबद्ध लोगों से मिलती रहती है.

advt

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आईपीएल से शमी का बाहर रहना तय, बायें टखने में दर्द से काफी परेशान थे भारत के तेज गेंदबाज

शमी के टखने का लंदन में सफल ऑपरेशन, टी-20 विश्व कप में खेलना संदिग्ध

भाषा । नयी दिल्ली

भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बायें टखने (अकिलीज़ टेंडन) का सफल ऑपरेशन हुआ है जिसके कारण वह अगले महीने से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नहीं खेल पाएंगे. इस कारण से वह जून में होने वाले टी-20 विश्व कप से भी बाहर रह सकते हैं. इस 33 वर्षीय गेंदबाज ने पिछले साल वनडे विश्व कप में भारत को फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी. उन्होंने भारत की तरफ से अपना अंतिम मैच 19 नवंबर 2023 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल के रूप में खेला था. उनका सोमवार को लंदन में ऑपरेशन किया गया. शमी जल्द से जल्द अपने पैरों पर खड़ा होना चाहते हैं लेकिन उनको फिट होने में तीन महीने का समय लग जाएगा. इस कारण वह 22 मार्च से 26 मई तक होने वाले आईपीएल में नहीं खेल पाएंगे.

उनका जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी-20 विश्व कप में खेलना भी संदिग्ध है. वनडे विश्व कप में 24 विकेट लेने वाले शमी दर्द के बावजूद इस टूर्नामेंट में खेले थे. वह टखने में विशेष इंजेक्शन लगाने के लिए जनवरी में लंदन चले गए थे. उन्हें हालांकि इससे कोई फायदा नहीं हुआ जिसके बाद उन्हें ऑपरेशन करवाना पड़ा.

ऑपरेशन सफल हुआ, उबरने में समय लगेगा लेकिन मैं फिर से अपने पैरों पर खडे़ होने के लिए उत्सुक हूं - मोहम्मद शमी

लंदन में सफल हुआ शमी के अकिलीज टेंडन का ऑपरेशन

गुजरात टाइटंस को झटका

शमी का आईपीएल से बाहर होना गुजरात टाइटंस के लिए करारा झटका है, जिसके ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पहले ही मुंबई इंडियंस से जुड़ चुके हैं. शमी ने पिछले साल आईपीएल में अपनी टीम की तरफ से सर्वाधिक विकेट लेकर उसे फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी. शमी को हाल में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था. उन्होंने अभी तक एक दशक के अपने करियर में टेस्ट क्रिकेट में 229, वनडे में 195 और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 24 विकेट लिए हैं. इस घटनाक्रम से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा शमी के लिए तैयार किए गए रिहैबिलिटेशन कार्यक्रम पर भी सवालिया निशान लग गया है.

अक्टूबर-नवंबर में वापसी की संभावना

इस तेज गेंदबाज के बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ अक्टूबर नवंबर में भारत में होने वाली टेस्ट श्रृंखलाओं से पहले वापसी करने की संभावना नहीं है. उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट श्रृंखला में वापसी करना होगा.

शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं: मोदी

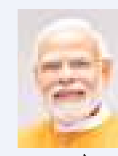

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के ऑपरेशन के बाद शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की. मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मैं आपके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं मोहम्मद शमी. मुझे पूरा विश्वास है कि आप अपने अंदर रचे बसे साहस के कारण जल्द ही इस चोट से उबर जाएंगे.

रणजी ट्रॉफी : 78 वर्ष में पहली बार 10 व 11 नंबर के बल्लेबाजों ने जड़ा शतक

मुंबई की टीम सेमीफाइनल में

भाषा । मुंबई

बड़ौदा के खिलाफ रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मैच में मुंबई के नंबर-10 और नंबर-11 बल्लेबाजों ने शतक बनाए हैं. मुंबई की दूसरी पारी में नंबर-10 पर आने वाले तनुष कोटियन ने नाबाद 120 और नंबर-11 पर आने वाले तुषार देशपांडे ने 123 रन की पारी खेली. यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट के इतिहास में दूसरा मौका है जब किसी पारी में नंबर-10 और नंबर-11 बल्लेबाजों ने शतक जड़ा है. इससे पहले 1946 में इंग्लैंड में सरे काउंटी के खिलाफ भारतीय टीम की ओर से चंदु सरवटे और शुते बनर्जी ने नंबर-10 और नंबर-11 पर बैटिंग करते हुए सेंचुरी जमाई थी. तनुष और तुषार की सेंचुरी की बदौलत मुंबई ने अपनी दूसरी पारी में 569 रन बनाए और बड़ौदा के सामने जीत के लिए 600 रन का टारगेट रखा. इसके जवाब में आखिरी दिन का खेल खत्म होने तक बड़ौदा ने तीन विकेट खोकर 121 रन बनाए और मैच ड्रॉ हो गया. वहीं मुंबई ने पहली पारी में बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया. इससे पहले मुंबई ने अपनी पहली पारी में 384 रन बनाए थे. जवाब में बड़ौदा की पहली पारी 348 रन के स्कोर पर सिमट गई थी. दूसरी पारी में मुंबई के 9 विकेट 337 रन के स्कोर पर गिर गए थे. इसके बाद तनुष और तुषार ने आखिरी विकेट के लिए 232 रन की पार्टनरशिप की. तनुष ने अपनी पारी में 129 गेंदों का सामना किया और 10 चौके और 4 छक्के जमाए. वहीं, नंबर-11 तुषार ने 129 गेंदों का सामना करते हुए 10 चौके और 8 छक्के जमाए.

मुंबई- बड़ौदा के बीच मैच ड्रॉ, पहली पारी में बढ़त के आधार पर मुंबई सेमीफानल में

कर्नाटक को हराकर विदर्भ सेफा. में

नागपुर । हर्ष दुबे और आदित्य सरवटे के चार-चार विकेट की बदौलत विदर्भ ने मंगलवार को यहां कर्नाटक को 128 रन से हराकर रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाई. कर्नाटक ने 371 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिन की शुरुआत एक विकेट पर 103 रन से की थी. मंगलवार को मैच के पांचवें और अंतिम दिन सुबह के सत्र में कर्नाटक ने लगातार विकेट गंवाए जिससे उसकी जीत दर्ज करने की उम्मीदें टूट गईं. कर्नाटक को अंतिम दिन 268 रन की दरकार थी जबकि उसके नौ विकेट शेष थे लेकिन दुबे और सरवटे की धारदार गेंदबाजी की बदौलत विदर्भ की टीम बड़ी जीत दर्ज करने में सफल रही. कर्नाटक ने सुबह के सत्र में शुरुआती घंटे में ही कप्तान मयंक अग्रवाल (70), निकिन जोस (00) और मनीष पांडे (01) के विकेट गंवा दिए. इन सभी को सरवटे (78 रन पर चार विकेट) ने पवेलियन की राह दिखाई. अनीष केवी दूसरे छोर पर टिककर खेल रहे थे लेकिन 40 रन बनाने के बाद रन आउट हो गए जिससे कर्नाटक की जीत की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा. हार्दिक राज (13) के साथ छठे विकेट के लिए 40 रन जोड़कर अनीष पारी को संवारने की कोशिश कर रहे थे. दुबे (65 रन पर चार विकेट) ने कर्नाटक के निचले क्रम को समेटा.

टी-20 : नामीबिया ने नेपाल को हराया

लॉफ्टी ने बनाया सबसे तेज शतक

भाषा । कीर्तिपुर (नेपाल

नामीबिया के यान निकोल लॉफ्टी-ईटन ने मंगलवार को यहां त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच में नेपाल के खिलाफ 33 गेंद में शतक के साथ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास का सबसे तेज शतक जड़ा. मध्य क्रम के बल्लेबाज लॉफ्टी-ईटन ने नेपाल के कुशाल मल्ला के 34 गेंद में शतक के रिकॉर्ड को तोड़ा. मल्ला ने पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों के दौरान यह उपलब्धि हासिल की थी जब उनकी टीम ने मंगोलिया के खिलाफ तीन विकेट पर 314 रन का विश्व रिकॉर्ड स्कोर बनाया था. लॉफ्टी-ईटन ने सिर्फ 36 गेंद में 101 रन की पारी खेली. उन्होंने 11 चौके और आठ छक्के लगाए तथा 280.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 92 रन बाउंड्री से जुटाए.

बाइस साल के लॉफ्टी-ईटन ने अब तक 33 टी-20 अंतरराष्ट्रीय और 36 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं. यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय शतक है. लॉफ्टी-ईटन के अलावा सलामी बल्लेबाज मलान क्रूगर ने भी नाबाद 59 रन की पारी खेली जिससे नामीबिया ने चार विकेट पर 206 रन बनाए. नेपाल की टीम इसके जवाब में 19वें ओवर में 186 रन पर सिमट गई. दीपेंद्र सिंह ऐरी (48) नेपाल की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे. नामीबिया की ओर से रूबेन ट्रंपलमैन ने 29 रन देकर चार विकेट चटकाए. टूर्नामेंट की तीसरी टीम नीदरलैंड है.

33 गेंद में लॉफ्टी-ईटन ने जड़ा शतक

- नेपाल के कुशाल मल्ला का रिकॉर्ड तोड़ा

खिलाड़ी	गेंद	मैच	वर्ष
जान निकोल लॉफ्टी-ईटन	33	नामीबिया बनाम नेपाल	2024
कुशाल मल्ला	34	मंगोलिया बनाम नेपाल	2023
डेविड मिलर	35	दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश	2017
रोहित शर्मा	35	भारत बनाम श्रीलंका	2017
एस विक्रमशेखर	35	चेक गणराज्य बनाम तुर्की	2019

भारती महिला टीम का दक्षिण एशिया के बाहर टूर्नामेंट जीतने का सपना टूटा

तुर्की कप में उपविजेता रहा भारत

- कोसोवो ने भारतीय टीम को 1-0 से हराया
- कोसोवो ने लगातार दूसरा खिताब जीता

भाषा । अलान्या (तुर्की)

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का दक्षिण एशिया क्षेत्र से बाहर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतने का सपना मंगलवार को यहां टूट गया जब तुर्की महिला कप के अंतिम राउंड रोबिन मैच में कम रैंकिंग वाली कोसोवो की टीम ने इंजरी टाइम में गोल दागकर उसे हरा दिया. दुनिया की 100वें नंबर की टीम कोसोवा ने एर्लेटा मेमेटी (90 प्लस दो) के गोल की मदद से 1-0 से जीत दर्ज की. कोसोवो ने फीफा रैंकिंग में 65वें स्थान पर मौजूद भारत तीन मैच में छह अंक के साथ उप विजेता रहा. टूर्नामेंट में तीसरी बार हिस्सा ले रही भारतीय महिला फुटबॉल टीम का यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के लिए भारत की मनीषा कल्याण को सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर चुना गया. भारत के लिए यह करो या मरो का मुकाबला था.

कोसोवो ने पिछला मुकाबला नवंबर 2022 (स्लोवेनिया के खिलाफ 1-3 की हार) में गंवाया था और भारत के खिलाफ ड्रॉ से ही उसका खिताब पक्का हो जाता लेकिन टीम ने इससे भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की. भारत ने हांगकांग के खिलाफ पिछले मैच से एक बदलाव करते हुए कार्तिका अंगमुथु की जगह संगीता बासफोर को मैदान में उतारा. भारत ने शुरुआत में ध्यान कोसोवो को रोकने पर दिया. पहले हाफ में भारत की ओर से सौम्या गोगुलोथ को सर्वश्रेष्ठ मौका मिला. प्यारी शाशा ने गेंद को अपने कब्जे में लेने के बाद इंदुमति कथिरेसन की ओर बढ़ाया जिन्होंने डिफेंस को छकाते हुए गेंद सौम्या की ओर बढ़ाई.

टेस्ट मैच की फीस बढ़ा सकता है बीसीसीआई

नयी दिल्ली । भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने कुछ दिनों पहले ही अपने सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट खिलाड़ियों के लिए घरेलू रेड बॉल टूर्नामेंट में अनिवार्य रूप से खेलने का नियम बनाया था. बीसीसीआई टेस्ट मैच की फीस बढ़ाने का विचार कर रही है, जिससे प्लेयर्स क्रिकेट के सबसे पुराने और लंबे फॉर्मेट के प्रति आकर्षित हो और पहले से ज्यादा फोकस करें.

मीडिया सूत्रो की माने तो बोर्ड ने ईशान किशन द्वारा घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टीम मैनेजमेंट के निर्देश को नजरअंदाज करने और इसके बजाय अगले महीने से शुरू होने वाले आईपीएल की तैयारी करने का विकल्प चुनने के मद्देनजर वेतन संरचना को फिर से तैयार करने का फैसला किया है. बोर्ड के एक सूत्र ने कहा कि उदाहरण के लिए, यदि कोई एक कैलेंडर ईयर में सभी टेस्ट सीरीज खेलता है, तो उसका कॉन्ट्रेक्ट बढ़ाने के अलावा, अतिरिक्त पुरस्कार दिया जाना चाहिए.

एलेना नॉर्मन ने हॉकी इंडिया के सीईओ पद से दिया इस्तीफा

दो गुट में बंटी है हॉकी इंडिया : नॉर्मन

भाषा । नयी दिल्ली

लंबे समय तक हॉकी इंडिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रही एलेना नॉर्मन ने त्यागपत्र दे दिया है और उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से उनका वेतन रोका गया था तथा महासंघ में आपसी गुटबाजी के कारण काम करना मुश्किल हो गया था. ऑस्ट्रेलिया की रहने वाली नॉर्मन लगभग 13 वर्ष से यह पद संभाल रही थी और उन्हें पिछले तीन महीने से भुगतान नहीं किया गया था. हॉकी इंडिया के नॉर्मन के पद छोड़ने के संबंध में किसी कारण का उल्लेख किए बिना बयान जारी करने के बाद इस ऑस्ट्रेलियाई ने कहा कि (वेतन से जुड़े हुए) कुछ मुद्दे थे. नॉर्मन ने कहा कि हॉकी इंडिया में दो गुट हैं. एक तरफ मैं और (अध्यक्ष) दिलीप टिर्की हैं तथा दूसरी तरफ (सचिव) भोलानाथ सिंह, (कार्यकारी निदेशक) कमांडर आर के श्रीवास्तव और (कोषाध्यक्ष) शेखर जे मनोहरन हैं। दो गुटों की आपसी लड़ाई में काम करना मुश्किल हो रहा था. नॉर्मन का त्यागपत्र भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शोपमैन के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि राष्ट्रीय महासंघ उन्हें महत्व नहीं देता और उनका सम्मान नहीं करता. नॉर्मन का त्यागपत्र राष्ट्रीय महासंघ के लिए एक और झटका है. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की ने नॉर्मन का त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उनका आभार भी व्यक्त किया.

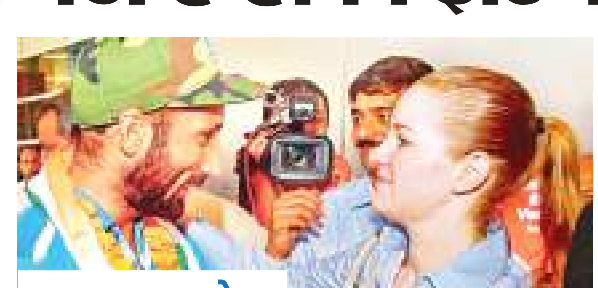

लगाया आरोप

- नॉर्मन ने कहा- लंबे समय से उनका वेतन रोका गया
- आपसी गुटबाजी के कारण काम करना मुश्किल हो गया

नॉर्मन के पद पर रहते भारत को मिली कई सफलता

नॉर्मन के शीर्ष पद पर रहते हुए भारत की पुरुष और महिला टीमों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की थी. यही नहीं पुरुष टीम ने तोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीतकर 41 साल से चले आ रहे पदक के इंतजार को खत्म किया था. इन खेलों में महिला टीम भी चौथे स्थान पर रही थी. नॉर्मन ने अपने कार्यकाल का अधिकतर समय अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष नरिंदर बत्रा के हॉकी इंडिया का प्रमुख रहते हुए बिताया.

टेस्ट श्रृंखला | हमारे पास भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका तक नहीं था

भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देने पर गर्व : बेन स्टोक्स

भाषा । रांची

- पांच मैच की शृंखला में भारतीय टीम 3-1 से आगे
- स्टोक्स व मैकुलम की जोड़ी ने पहली बार कोई शृंखला गंवाई

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा कि वर्तमान टेस्ट शृंखला में उनके पास भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने का मौका तक नहीं था लेकिन इसके बावजूद उन्होंने मेजबान टीम को कड़ी चुनौती दी और इसलिए उन्हें अपने खिलाड़ियों पर गर्व है. भारत ने इंग्लैंड को चौथे टेस्ट मैच में 5 विकेट से हराकर पांच मैच की शृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है. इंग्लैंड ने स्टोक्स के कप्तान और ब्रैंडन मैकुलम के मुख्य कोच बनने के बाद पहली बार कोई शृंखला गंवाई है. स्टोक्स ने कहा कि 3-1 अच्छा नहीं लग रहा है लेकिन जिस तरह से हमने भारत को कड़ी चुनौती दी उस पर मुझे गर्व है. उन्होंने कहा कि यहां तक कि हमारे पास भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने तक का मौका नहीं था लेकिन रांची टेस्ट भी हमने भारत को आसानी से नहीं जीतने दिया और मुझे लगता है कि वे इसे स्वीकार करेंगे. इंग्लैंड ने चौथे टेस्ट मैच में एक समय अच्छी वापसी कर दी थी. चौथे दिन 192 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 120 रन था. इसके बाद शुभमन गिल और ध्रुव जुरेल ने 72 रन की अटूट साझेदारी करके भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया.

युवा खिलाड़ियों को भारतीय परिस्थितियों का अनुभव नहीं

स्टोक्स ने कहा कि हमारी युवा और कम अनुभवी टीम पिछले दो वर्ष से सफल रही है लेकिन भारत आना पूरी तरह से भिन्न होता है जिसका इस टीम को अभी तक अनुभव नहीं था. उन्होंने कहा कि हमने जिस तरह से उनकी हर चुनौती का कड़ा जवाब दिया उस पर मुझे वास्तव में गर्व है भले ही हमें हार का सामना करना पड़ा हो. हमारे प्रत्येक खिलाड़ी ने जिस तरह से आखिर तक हार नहीं मानी, उस पर मुझे गर्व है. कोई भी खिलाड़ी किसी भी समय पीछे नहीं हटा.

रणजी ट्रॉफी : अय्यर मुंबई की टीम में शामिल

मुंबई । मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को तमिलनाडु के खिलाफ दो मार्च से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए मंगलवार को मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया. बड़ी पारी खेलने के नाकाम रहने और फिर पीठ से संबंधित समस्या से जूझने के कारण 29 वर्षीय अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट मैच के लिए भारत की टीम में शामिल नहीं किया गया था. इसके बाद अय्यर और ऑलराउंडर शिवम दुबे मुंबई के क्वार्टर फाइनल मैच में भी नहीं खेले. अय्यर के महत्वपूर्ण रणजी मुकाबले से हटने के समय ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने घोषणा की कि खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से घरेलू मैच खेलने के लिए एक निर्देश जारी किया जाएगा.

झारखंड ने जीते 4 पदक

खेलो इंडिय वीमेन वुशु प्रतियोगिता का समापन

- 11 पदक के साथ मणिपुर ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता । रांची

खेलो इंडिया सीनियर नेशनल वीमेन वुशु लीग का समापन मंगलवार को ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इंडोर स्टेडियम में हुआ. इस प्रतियोगिता में झारखंड ने कुल चार पदक जीते. राज्य की ओर से आस्था उरांव ने स्वर्ण, प्रिया गाड़ी ने रजत जबकि सोनली और तनुश्री ने कांस्य पदक जीता. वहीं 11 पदक के साथ मणिपुर पहले, सात पदक के साथ राजस्थान दूसरे और पांच पदक के साथ मध्यप्रदेश तीसरे स्थान पर रहा. समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि कांके के विधायक समरी लाल ने विजेता खिलाड़ियों को पदक व कैश पुरस्कार देकर सम्मानित किया.

2030 तक झारखंड को 10 ट्रिलियन रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य-वित्तमंत्री

घोषणाओं की झड़ी नहीं पुरानी योजनाओं पर ध्यान

रांची (शुभम संदेश टीम)। झारखंड सरकार ने चुनावी साल में अपने कार्यकाल का अंतिम बजट पेश किया। 1.28 लाख करोड़ के इस बजट में चंपई सरकार ने नई योजनाओं और घोषणाओं की झड़ी नहीं लगाई, बल्कि पहले से चल रही योजनाओं को मजबूती से धरातल पर उतारने के लिए संतुलित तरीके से बजट की राशि खर्च करने की योजना बनाई है. अपने बजट में भाषण में वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि सरकार ने बजट में राजकोषीय घाटा को नियंत्रित और कम से रखने को प्राथमिकता दी है. झारखंड को 2030 तक 10 ट्रिलियन रुपए की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर बजट बनाई गई है.

किस विभाग को कितनी राशि मिली

विभाग	राशि
कृषि विभाग	4606 .57 करोड़
ग्रामीण विकास	11316 .07 करोड़
जल संसाधन	2238 .06 करोड़
पंचायती राज	2066 .08 करोड़
महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा	8021.93 करोड़
माध्यमिक शिक्षा	2314 .21 करोड़
उच्च एवं तकनीकी शिक्षा	2411 .77 करोड़
स्वास्थ्य विभाग	7223 करोड़
पेयजल एवं स्वच्छता	5686 .67 करोड़
खाद्य, सार्वजनिक वितरण, उपभोक्ता मामले	2860 .27 करोड़
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास	1053 .27 करोड़
एसटी, एससी, अल्पसंख्यक, पिछड़ा कल्याण	3523 .55 करोड़
पथ निर्माण	6398 .28 करोड़
ग्रामीण कार्य	5114 .03 करोड़
नागर विमानन	112 .93 करोड़
ऊर्जा विभाग	9378 .49 करोड़
उद्योग विभाग	484 .87 करोड़
भवन निर्माण विभाग	883 .23 करोड़
नगर विकास एवं आवास	3429 .86 करोड़
पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद, युवा कार्य	336 .16 करोड़
सूचना, प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस	303 .49 करोड़
गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन	9527 .20 करोड़

ग्रामीण विकास, शिक्षा और कृषि पर फोकस

चंपाई सरकार ने अपने बजट में सबसे अधिक फोकस ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर रखा है. 2024-25 में सरकार इन दोनों क्षेत्र में 14.35 फीसदी राशि खर्च करेगी. ग्रामीण विकास विभाग के लिए 11316.07 करोड़ और पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने कि लिए 2066.08 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है. इसके बाद शिक्षा पर फोकस किया गया है. शिक्षा के क्षेत्र में सरकार बजट की कुल राशि का 11.42 फीसदी राशि खर्च करेगी. माध्यमिक शिक्षा के लिए 12314.21 करोड़ और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए 2411.77 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे. कृषि के क्षेत्र में सरकार ने 5.31 फीसदी बजट राशि खर्च करने की योजना बनाई है. कृषि विभाग का बजट 4606.57 करोड़ रुपये रखा गया है. वन एवं पर्यावरण पर सबसे कम 1.06% राशि खर्च की जाएगी.

किस क्षेत्र में कितनी % राशि होगी खर्च

क्षेत्र	राशि
ग्रामीण विकास और पंचायती राज	14.35%
शिक्षा	11.42%
स्वास्थ्य और पेयजल	9.24%
लैंड रेवेन्यू, लेबर, टूरिज्म, आईटी	7.84%
ऊर्जा	7.28%
कल्याण और सामाजिक कल्याण	8.96%
पुलिस और आपदा प्रबंधन	7.39%
शहरी विकास और आवास	2.66%
सड़क और ट्रांसपोर्ट	5.19%
वन एवं पर्यावरण	1.06%
कृषि	5.31%
पेंशन	6.78%

इन योजनाओं पर होगी बजट की मोटी राशि खर्च

- 2024-25 में अबुआ आवास के लिए 4831.83 करोड़
- **सर्वजन पेंशन के लिए 3107 .40 करोड़**
- 280 .17 करोड़ से आंगनबाड़ी केंद्रों में सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी
- **90 करोड़ में 6 लाख लाभार्थियों को 1500 रुपये के मातृ किट दिये जाएंगे.**
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के लिए 468 करोड़
- **कृषि यंत्रों के वितरण और ट्रांसप्लांट के लिए 200 करोड़**
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लिए 50 करोड़ का बजट
- **24 .59 करोड़ में होंगे राज्य में 60 मिनी शीतगृहों के निर्माण**
- राज्य के 6 बड़े शहरों में 10 करोड़ से पलाश मार्ट बनेंगे
- **456 करोड़ से पलामू में पेयजल एवं सिंचाई योजनाएं क्रियान्वित होंगी**

ब्लॉक लेवल लीडर स्कूल : झारखंड की प्राथमिक-माध्यमिक शिक्षा में सुधार के लिए प्रखंडस्तरीय लीडर स्कूल का निर्माण कराया जाएगा. वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सरकार पूरे झारखंड में करीब 325 प्रखंडस्तरीय लीडर स्कूलों और करीब 4,036 पंचायत स्तरीय आदर्श विद्यालयों का निर्माण कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है.

मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना : उच्च शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी शिक्षा संस्थानों के नामांकन में सुधार के लिए सरकार की ओर से स्नातक व डिप्लोमा प्रोग्राम के लिए मानकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना की शुरुआत करेगी. इसके लिए डिप्लोमा कोर्स के लिए विद्यार्थियों को 15,000 रु. व स्नातक कोर्स के लिए 30,000 रु. की छात्रवृत्ति मिलेगी.

ऑनलाइन एजुकेशन : झारखंड में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की ओर से बच्चों को ऑनलाइन शिक्षा दी जाएगी. इसके लिए सरकार की ओर से लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जा रहा है. इसके तहत छात्रों की ऑनलाइन क्लास, मूल्यांकन, प्रॉक्टरिंग और ग्रेडिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी.

बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क : झारखंड में छात्रों को व्यावसायिक और रोजगारपरक शिक्षा देने के लिए तकनीकी तौर पर भी मजबूत किया जाएगा. इसके लिए स्पेशल परपस व्हीकल के माध्यम से बीआईटी सिंदरी में स्टेट टेक्नोलॉजी पार्क की स्थापना होगी.

19 नए कॉलेज का निर्माण : इतना ही सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 के सालाना बजट में 19 नए कॉलेज खोलने का प्रस्ताव किया है. इसमें 14 डिग्री कॉलेज और 4 महिला महाविद्यालय शामिल हैं.

टेरिटरी हेल्थ केयर : झारखंड सरकार टेरिटरी हेल्थ केयर को मजबूत बनाने के लिए आने वाले सालों में राजधानी रांची में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करेगी. इसके साथ ही, पहले से संचालित रिम्स को सुदृढ़ीकरण और रिनपास के कैंपस में उपलब्ध जमीन पर एक मेडिको सिटी की स्थापना की जाएगी.

खाद्य सुरक्षा योजना : झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना का सुगम संचालन और किसानों को समय पर उनके धान के मूल्य की प्राप्ति को ध्यान में रखते हुए धान अधिप्राप्ति योजना के तहत खरीदे गए धान के निकलने वाले चावल से किया जाएगा. झारखंड में पहली बार कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) का इस्तेमाल किया जाएगा.

पीडीएस डीलरों के कमीशन में बढ़ोतरी : इसके साथ ही, सरकार ने अपने सालाना बजट में जनवितरण प्रणाली के डीलरों के कमीशन की बढ़ोतरी करने का भी प्रस्ताव किया है. झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के तहत डीलरों के कमीशन को 100 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़ाकर करीब 150 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है.

4जी बेस्ड ईपीओएस : आधार आधारित बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन के जरिये अनाजों के वितरण के लिए 2जी नेटवर्क आधारित इलेक्ट्रॉनिक प्वाइंट ऑफ सेल (ईपीओएस) के स्थान पर 4जी नेटवर्क वाला ईपीओएस स्थापित होगा.

गरीबों की थाली में सब्जी : झारखंड के गरीब परिवारों को भोजन मुहैया कराने के लिए सरकार की ओर से चलाई जा रही दाल-भात योजना के साथ ही अब हर थाली में सब्जी भी परोसी जाएगी.

छात्रावासों का निर्माण : झारखंड के सालाना बजट में सरकार की छात्रावास निर्माण योजना के तहत उच्च शिक्षा हासिल करने वाले अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ फ्री में आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य के प्रमुख शहरों में मल्टीस्टोरी छात्रावास के निर्माण का प्रस्ताव किया गया है.

जयपाल सिंह मुंडा छात्रवृत्ति योजना : मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड नॉर्दन आयरलैंड के विश्वविद्यालयों व संस्थानों के चयनित कोर्स में उच्च शिक्षा (एमए, एमफिल) की डिग्री हासिल करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है.

रांची में इनर रिंग रोड : वर्ष 2024-25 के बजट में नए रोड का निर्माण, उसका नेटवर्क बढ़ाने और कोर रोड नेटवर्क कनेक्टिविटी विकसित करने के लिए निर्धारित नए रोड को शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है. रोड अपग्रेडेशन मिनिमम इंटरमीडिएट लेन कॉन्फिगरेशन के रूप में किया जाएगा.

125 यूनिट बिजली फ्री : झारखंड सरकार की ओर से घरेलू उपभोक्ताओं को अब 100 यूनिट के स्थान पर 125 यूनिट बिजली फ्री में दी जाएगी. साथ ही पतरातू में 4000 मेगावाट के सुपर थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है.

जलापूर्ति योजना : अमृत 2.0 मिशन के तहत झारखंड में 8 जलापूर्ति योजना की शुरुआत की जाएगी. इनमें कपाली, जामताड़ा, गुमला, बरहरवा, हरिहरगंत, छत्तरपुर, श्रीवंशीधर नगर व लोहरदगा में इसके तहत निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा.

बजट भाषण की शुरुआत कविता से और अंत भी कविता से

रवि भारती/रांची । वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने लगातार पांचवीं बार झारखंड बजट पेश किया. चंपाई सरकार का यह आखिरी भी बजट भी है. बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री काफी कांफिडेंस में दिखे. बजट भाषण की शुरुआत कविता से की और अंत भी कविता से ही की. दोनों ही कविताएं काफी मोटिवेशनल रहीं. इन कविताओं के माध्यम से वित्त मंत्री ने पिछले चार साल की उपलब्धियों का बखान भी किया. 41 पेज के बजट भाषण में सोमरा-मंगरा के भी विकास की बात कही.

आज का कालखंड आने वाले भविष्य की नींव

वित्त मंत्री ने बजट भाषण के दौरान बड़े ही तार्किक अंदाज में कहा कि काल की शाश्वतता में आज का यह कालखंड हमारे आने वाले भविष्य की नींव है. कठिनाइयां और विषम परिस्थितियां मंजिल के लिए बाधा नहीं, बल्कि वे और ज्यादा दृढ़ प्रयास करने को प्रेरित और संकल्पित करती हैं. चंद्रोदय से पूरनमासी के सफर से आगे हमारी गठबंधन सरकार झारखंड के लोगों को विश्वास दिलाना चाहती है कि हम प्रगति और खुशहाली के उस रास्ते पर अग्रसर हैं, जहां विकास का सूरज कभी अस्त नहीं होता.

बजट भाषण के शुरू में ये कविता पढ़ी
हर विघ्न को हमने पार किया,
कांटों का झुरमुट साफ किया,
जब घटा कोरोना की छाई,
सुखाड़ उदासी भर लाई,
जब लगा सिमटने केंद्रीय अनुदान,
वित्तीय प्रबंधन बना समाधान,
हुआ अग्रसर तब अबुआ राज,
कुशल, बेहतर कर काम-काज,
विकास की गाड़ी घर-घर आई,
'सरकार आपके द्वार' खुशियां लाई.

बजट भाषण के अंत ये कविता पढ़ी
मैं दृष्टि श्रेष्ठ प्रबंधन का
जल, जमीन और जंगल का
हर हाथ को मिले जब रोजगार
अबुआ आवास की छत-दीवार
कर संपदा का सही इस्तेमाल
बने झारखंड समृद्ध-खुशहाल
गूंजे स्वर मीठे हर कौम से
खुशियां बरसेंगी तब व्योम से
लें प्रण, सब मिलकर करें प्रयास
हर 'सोमरा-मंगरा' का हो विकास.

जल, जंगल व जमीन को समर्पित है यह बजट : कांग्रेस

गठबंधन सरकार ने आज विधानसभा में जल, जंगल और जमीन की चेतना से संवेदित बजट वर्ष 2024-25 का राज्य की जनता को समर्पित की है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि यह बजट अन्नदाता किसानों को कर्ज से राहत दिलाने और गरीबों को सिर ढकने के लिए अबुआ आवास योजना झारखंड का सराहनीय बजट है. इसमें वित्तीय सूझबूझ की झलक साफ दिखाई देती है, क्योंकि बजट सरकार के वित्तीय घाटा को कम करने में सफल है.

गांव के विकास को लेकर कोई परिकल्पना नहीं है : सुदेश महतो

आजसू विधायक दल के नेता सुदेश कुमार महतो ने झारखंड विधानसभा में सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि शिक्षा विभाग का बजट घटाना निराशाजनक है. साथ ही स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने को लेकर बजट में इच्छाशक्ति का अभाव है. झारखंड जैसे राज्य में शिक्षा, चिकित्सा के क्षेत्र में आमूलचूल बदलाव की जरूरत है. कोई भी प्रगतिशील राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र को विशेष महत्व देते हैं.

यह बजट असक्षम सरकार का आईना है : अमर कुमार बाउरी

झारखंड सरकार के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस-राजद कुशासन के अंतिम बजट में विफल हेमंत सरकार पार्ट-2 ने पूरे प्रदेश को निराश किया है. यह बजट कमजोर नेतृत्व, असमर्थ-असक्षम सरकार का आईना है. इस बजट से झारखंड को बहुत उम्मीद थी, लेकिन आज जन-उत्थान और विकास की रूपरेखा निर्धारित करने में यह सरकार विफल साबित हुई है.

इस बजट में छात्रों और युवा वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है : ओम वर्मा

आजसू छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राज्य सरकार द्वारा पेश वर्ष 2024 के बजट में छात्र और युवा वर्ग के लिए कुछ भी नहीं है. सरकार छात्र और युवा के नाम पर युवा पीढ़ी को बरगला कर इस सत्ता में आयी है. सरकार सत्ता के नशे में चूर होकर छात्र और युवा विरोधी कार्य कर रही है. शिक्षा का भी बजट कम कर दिया गया है. इससे आगे कहा कि न रोजगार, न शिक्षा और ना ही स्वास्थ्य व्यवथा ही अच्छा है.

विधायक विनोद सिंह ने जेपीएससी के पुराने मामले की सीबीआई जांच के हश्र पर उठाए सवाल

सीजीएल प्रश्न पत्र लीक पर विपक्ष सीबीआई जांच पर अड़ा

विशेष संवाददाता।रांची

जेएसएसी और सीजीएल प्रश्न पत्र लीक मामले में सदन में मंगलवार को भी हंगामा हुआ. अल्पसूचित प्रश्न काल में भाजपा विधायकों ने इसकी सीबीआई जांच की मांग पर अड़े रहे. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने सदन में कहा की जेएसएससी मामले में सरकार उदासीन है. हम पहले दिन से सीबीआई जांच की मांग कर रहे. युवाओं को न्याय मिलने का रास्ता नहीं दिख रहा. सरकार इसे ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश कर रही है. मैं फिर से सीबीआई जांच की मांग करता हूं. ऐसा नहीं हुआ तो युवाओं के भविष्य बर्बाद होने के लिए यह सरकार जिम्मेवार होगी. नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि उदास इसलिए हैं, क्योंकि युवाओं के भविष्य की चिंता है. जेएसएससी पेपर लीक की सीबीआई जांच हो. भाजपा की मांग पर टिप्पणी करते हुए माले विधायक विनोद सिंह ने कहा कि इसका हल सीबीआई जांच नहीं है. इसके पूर्व भी प्रथम जेपीएससी मामले की सीबीआई जांच हुई. मामला राजभवन तक गया. इसका क्या परिणाम हुआ. इसलिए सीबीआई की जिद करना बेकार है. उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सदन नही चल रहा है. राज्य बनने के बाद से परीक्षाओं में गड़बड़ी हो रही. जेपीएससी घोटाले की सीबीआई जांच हुई. उसका क्या हश्र हुआ सबको पता है। सरकार जेएससीसी मामले में पहल करे. नहीं तो कहीं जेपीएससी जैसे जेएसएससी का हश्र न हो जाए. इधर मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि सरकार एसआईटी गठन कर लिया है. सही दिशा और त्वरित गति से जांच चल रही है.

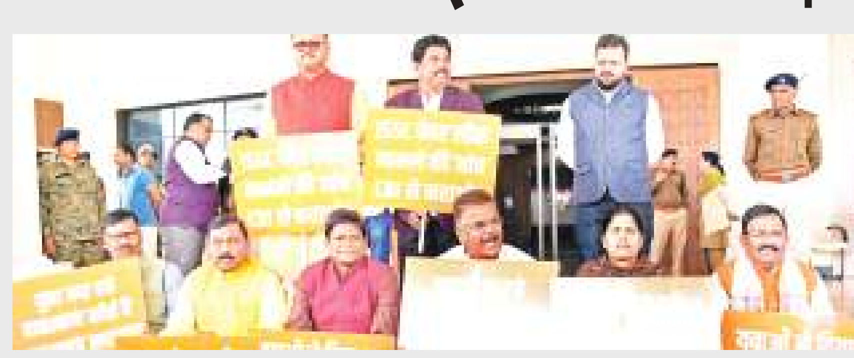

स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई नहीं हो रही है : मंत्री : अल्पसूचित प्रश्न सेशन में झामुमो विधायक लोबिन हेंब्रम ने सदन में कहा कि राज्य के स्कूलों में जनजातीय भाषा की पढ़ाई नहीं हो रही. लोबन ने कहा कि जनजातीय भाषाओं के शिक्षकों और किताबों की कमी है.

स्कूलों के किचेन शेड का क्या हुआ : नीलकंठ : नीलकंठ सिंह मुंडा ने सदन में सवाल उठाया कि 13 जिलों के 2600 स्कूलों में किचन शेड का निर्माण करना था. 20 करोड़ राशि आवंटित की गई थी. सरकार बताए स्कूलों को आवंटन राशि कब भेजी गई और अब तक कितने स्कूलों में किचन शेड बना है.

ब्रीफ खबरें

सड़क हादसे में छह की मौत, दस घायल

बलिया। बलिया जिले के दोकटी थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एक मांगलिक कार्यक्रम से लौट रहे ग्रामीणों के दो वाहनों की एक अन्य वाहन से टक्कर हो गई. पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गयी और क़रीब 10 लोग घायल हो गए. पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद उस्मान ने मंगलवार को बताया कि दोकटी क्षेत्र के सुघर छपरा मोड़ के पास मंगलवार तड़के लगभग ढाई-तीन बजे तेज रफ्तार पिकअप वाहन और दो जीप में टक्कर हो गयी.

बॉयलर फटने से दो की मौत, तीन घायल

मेरठ। मेरठ जिले में एक टायर कारखाने में मंगलवार सुबह बॉयलर के फटने से दो कर्मचारियों की मौत हो गयी और अन्य तीन लोग घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि घटना सुबह करीब साढ़े पांच बजे थाना इंचौली क्षेत्र के गांव फिटकरी से तीन किलोमीटर दूर स्थित कारखाने में हुई. एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि सुबह अचानक बॉयलर फट गया जिसकी चपेट में आए शंकर (30) और प्रवीण (22) की मौत हो गयी और अन्य तीन लोग घायल हो गए.

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

इडुक्की। केरल के इडुक्की जिले के पर्यटक शहर मुन्नार के पास कन्नीमाला एस्टेट में एक जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि हाथी ने सोमवार रात एक ऑटोरिक्शा पर हमला कर दिया जिसके कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई. उसने बताया कि ऑटोरिक्शा में कुछ और यात्री भी थे. उन्होंने बताया कि मृत व्यक्ति की पहचान सुरेश कुमार उर्फ मणि के रूप में की गई है. कुमार यहां का एक ऑटोरिक्शा चालक था.

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़, 4 नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में चार नक्सलियों को मार गिराया है. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ जांगला पुलिस थाना क्षेत्र के जंगल में हुई, जब जिला रिजर्व गार्ड और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अलग-अलग दलों को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था. आधिकारी ने बताया कि जब डीआरजी का दल तुंगाली गांव के जंगल में पहुंचा तब नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी.

मां-बेटे की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

ब्रह्मपुर (ओडिशा)। ओडिशा पुलिस ने गंजम जिले में अपनी एक रिश्तेदार और उसके सात वर्षीय बेटे की कथित तौर पर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने 19 फरवरी को डी नीलाबेनी (28) और उनके बेटे डी रुशी के शव चुडियालंजी गांव में उनके आवास से बरामद किए थे और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था. ब्रह्मपुर के पुलिस अधीक्षक सरवना विवेक एम ने कहा कि जब मां-बेटे की हत्या की गई थी तब महिला का पति घर पर नहीं था.

बिहार में महागठबंधन को एक और लगा झटका

कांग्रेस और राजद के तीन विधायक हुए भाजपा के

संवाददाता । पटना

मुरारी

सिद्धार्थ

संगीता

बिहार के महागठबंधन में बड़ी टूट हुई है. कांग्रेस के दो और राजद की एक विधायक ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया. भाजपा में शामिल होने वाले विधायकों में कांग्रेस के दो विधायक सिद्धार्थ सौरव और मुरारी गौतम के अलावा राजद की विधायक संगीता देवी हैं. तीन विधायकों के भाजपा में शामिल होने पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने उनका एनडीए में स्वागत किया.

उन्होंने कहा कि ये तो अभी शुरुआत है, आगे-आगे देखते जाइए क्या होता है. बिहार से महागठबंधन का नामोनिशान मिट जाएगा. साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दिन-रात बिहार की तरक्की के लिए काम कर रहे हैं और उनके काम से प्रभावित होकर विपक्ष के लोग एनडीए के साथ आ रहे हैं.

पूर्व मंत्री मंगल पांडेय ने भाजपा में आए तीनों विधायकों का स्वागत किया. नितिन नवीन ने कहा कि राजद के लोगों ने विधायकों को बंधक बनाकर रखा था और कांग्रेस के लोगों ने विधायकों को उड़ाकर रखा था. तेजस्वी और राहुल यात्रा पर घूम रहे हैं, जो पार्टी को नहीं जोड़ पाए उनको उनके विधायकों ने जवाब दिया है. बिहार में भारी बहुमत से एनडीए की सरकार है. इसके बावजूद महागठबंधन को छोड़कर लोग आ रहे हैं. हम सभी विधायकों का स्वागत करते हैं. वहीं, मंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि जिस तरीके से महागठबंधन के विधायक शामिल हुए हैं यह बड़ी बात है. आने वाले दिनों में और भी कई विधायक शामिल होंगे और भारतीय जनता पार्टी और मजबूत होगी. प्रेम कुमार ने दावा किया कि और भी विधायक संपर्क में हैं. आगे-आगे देखिए होता है क्या? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार पूरा कार्यकाल पूरा करेगी. कांग्रेस विधायक सिद्धार्थ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियां उन्हें पसंद हैं और वे उससे काफी प्रभावित हुए. इसीलिए उन्होंने भाजपा में आने का फैसला किया.

दोनों को पार्टी से निकाला जाएगा : शकील अहमद

पटना। महागठबंधन के 3 विधायक एनडीए में शामिल हो गए. इस पर कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खां ने कहा कि भाजपा ने जो समा बांधा है इस आग में सब लोग झुलसेंगे. साथ ही अपने दोनों विधायकों को गद्दार बताया. पाला बदलने वाले दोनों विधायकों को लेकर उन्होंने कहा कि दोनों को पार्टी से निकाल दिया जाएगा. आज ही इसकी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. विस अध्यक्ष से कहकर प्रक्रिया के तहत इन दोनों को पार्टी से निष्कासित किया जाएगा.

2022 में असम में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की संख्या सात गुना बढ़ी

भाषा । गुवाहटी

असम के नए आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार 2022 में लगभग 10 लाख शिक्षित युवाओं ने राज्य के रोजगार कार्यालयों में पंजीकरण कराया जबकि पिछले वर्ष यह संख्या केवल 1.4 लाख थी. असम के आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 में कहा गया है कि नौकरी चाहने वाले शिक्षित लोगों की संख्या काफी अधिक है और नए पंजीकरण में केवल एक ही वर्ष में सात गुना से अधिक की वृद्धि हुई है. इसमें कहा गया है कि रोजगार कार्यालयों में दर्ज रिकॉर्ड से पता चलता है कि नौकरी चाहने वाले पंजीकृत शिक्षित लोगों की संख्या 2022 में 9,83,093 थी जो 2021 के दौरान 1,37,865 थी. असम विधानसभा के बजट सत्र के दौरान पेश रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि 2021 की तुलना में 2022 में नौकरी चाहने वालों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि रोजगार कार्यालयों में पंजीकरण के अनुसार 2021 में नौकरी चाहने वाले शिक्षित लोगों की कुल संख्या 18,05,441 थी, जबकि 2020 के दौरान यह संख्या 17,46,671 थी. असम में साल 2022-23 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के बीच बेरोजगारी दर 1.7 प्रतिशत थी, जबकि पूरे देश में यह दर 3.2 प्रतिशत थी. यह आंकड़ा उन बेरोजगारों का है जो काम करने के लिए उपलब्ध थे, लेकिन उन्हें काम नहीं मिल सका.

उत्तर प्रदेश में भाजपा के 8 और सपा के 2 उम्मीदवारों की जीत

पहले 'कमल' फिर 'किस्मत' से हार गए अभिषेक सिंघवी

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क

राज्यसभा चुनावों को लेकर पिछले कई दिनों से चल रही गहमा-गहमी के बीच सोमवार को तीन राज्यों की 15 सीटों पर वोटिंग हुई. ये तीन राज्य उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक हैं. उत्तर प्रदेश की 10, कर्नाटक की 4 तथा हिमाचल प्रदेश की एक राज्यसभा सीट पर वोटिंग हुई, जिसमें हिमाचल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला. यहां 40 विधायकों वाली कांग्रेस को सिर्फ 34 वोट मिले, जिसके कारण पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और भाजपा के उम्मीदवार की जीत हुई. इतना ही नहीं, हिमाचल में कांग्रेस पहले 'कमल' से हारी और फिर 'किस्मत' से भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा.

दरअसल, हिमाचल प्रदेश में एक राज्यसभा सीट के लिए हुए चुनाव में कुल 68 विधायकों ने वोटिंग की. भाजपा और कांग्रेस, दोनों ही उम्मीदवारों को 34-34 वोट मिले. क्रॉस वोटिंग के चलते हिमाचल में पेंच फंस गया, जिसके बाद टॉस कराकर फैसला किया गया. इसमें भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन की जीत हो गई और कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक मनु सिंघवी को हार का सामना पड़ा. इस चुनाव में कांग्रेस के 6 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की. टोटल 9 विधायकों ने क्रॉस वोटिंग करते हुए भाजपा को वोट दिया.

योगी की डिनर पॉलिटिक्स से हो गया बड़ा खेला

राज्यसभा चुनाव के लिए सोमवार को वोटिंग से ठीक एक दिन पहले यानी रविवार को बीजेपी और सपा, दोनों ने ही अपने-अपने विधायकों को डिनर पर बुलाया था. बीजेपी की ओर से कमान सीएम योगी आदित्यनाथ ने संभाली थी, तो सपा की ओर से मोर्चे पर अखिलेश यादव थे. सीएम योगी की डिनर पॉलिटिक्स में वोटिंग को लेकर पार्टी की रणनीति पर व्यापक मंथन हुआ और फिर मतदान से ठीक पहले इसके परिणाम भी नजर आने लगे. वहीं, अखिलेश के डिनर से आठ विधायकों ने किनारा कर लिया था, जिससे यह साफ हो गया कि सपा फूट की ओर बढ़ रही है.

सपा उम्मीदवार जया बच्चन को सबसे ज्यादा वोट

यूपी राज्यसभा चुनाव के नतीजे में भाजपा ने 8 सीट जीती है तो वहीं सपा के खाते में दो सीट गईं. सपा उम्मीदवार जया बच्चन को सबसे ज्यादा वोट मिले हैं. क्रॉस वोटिंग का भाजपा को स्पष्ट फायदा मिला और उसका आठवां उम्मीदवार भी जीत गया.

उत्तर प्रदेश में किसको मिले कितने वोट?

अमरपाल मौर्य (भाजपा) को	38 वोट
आलोक रंजन (भाजपा) को	19 वोट
जया बच्चन (सपा) को	41 वोट
तेजपाल सिंह (भाजपा) को	38 वोट
नवीन जैन (भाजपा) को	38 वोट
आरपीएन सिंह (भाजपा) को	37 वोट
रामजी लाल सुमन (सपा) को	37 वोट
साधना सिंह (भाजपा) को	38 वोट
सुधांशु त्रिवेदी (भाजपा) को	38 वोट
संगीता बलवंत (भाजपा) को	38 वोट

कर्नाटक में कांग्रेस तीन व भाजपा 1 सीट जीती

कर्नाटक में हुए राज्यसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के एक और कांग्रेस के तीन उम्मीदवारों की जीत हुई है. जनता दल सेक्युलर के उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ा है. यहां भाजपा के एक विधायक ने कांग्रेस उम्मीदवार के लिए क्रॉस वोटिंग की थी. इसके साथ ही साफ हो गया था कि जनता दल के उम्मीदवार को हार का सामना करना पड़ेगा.

कर्नाटक रास चुनाव में किसको, कितने वोट मिले?

कर्नाटक से पांच उम्मीदवार थे, जिनमें कांग्रेस की तरफ से अजय माकन, सैयद नासिर हुसैन और जीसी चंद्रशेखर, भाजपा से नारायण भांडागे और जेडीएस से कुपेंद्र रेड्डी शामिल थे. कर्नाटक में राज्यसभा के लिए चुने जाने के लिए एक उम्मीदवार को 45 वोटों की जरूरत होती है. चुनाव में कांग्रेस के अजय माकन को 47, नासिर हुसैन को 47 और जीसी चंद्रशेखर को 45 वोट पड़े. वहीं भाजपा के उम्मीदवार को 47 और जेडीएस के उम्मीदवार को 36 वोट मिले हैं

एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए सीएम केजरीवाल

केजरीवाल को फिर भेजा समन

भाषा । नयी दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति संबंधी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में पूछताछ के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आठवीं बार समन जारी किया है. आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सूत्रों ने बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को यहां एजेंसी के मुख्यालय में चार मार्च को आने को कहा गया है. केजरीवाल (55) इस मामले की जांच के सिलसिले में सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए थे. यह सातवीं बार है जब केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के समन पर एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए. उन्होंने कहा था कि अगर अदालत इस संबंध में आदेश देगी तो वह प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश होंगे. समन पर केजरीवाल के पेश नहीं होने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय ने शहर की एक अदालत का रुख किया, जिस पर अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को 16 मार्च को उसके समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है. प्रवर्तन निदेशालय ने आठवां समन जारी करते हुए इस तर्क को खारिज कर दिया था कि केजरीवाल को पेश होने के लिए भेजा गया नया नोटिस अनुचित है, क्योंकि मामला स्थानीय अदालत में विचाराधीन है.

सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का निधन, शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का मंगलवार को निधन हो गया. सपा सांसद बर्क

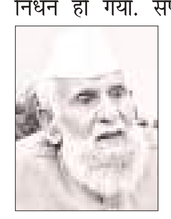

(93) लंबे समय से बीमार चल रहे थे और हालत बिगड़ने पर उन्हें मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली. चार बार विधायक और कई बार सांसद रह चुके डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क 2019 में सपा के चुनाव चिह्न पर पांचवीं बार संभल से सांसद चुने गए. बर्क के निधन पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और सपा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने शोक संदेश में कहा कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, कई बार के सांसद जनाब शफीकुर्रहमान बर्क साहब का इंतकाल, अत्यंत दुःखद है. भगवान उनकी आत्मा को शांति दें.

संदेशखाली जा रहे आईएसएफ के विधायक नौशाद गिरफ्तार

भाषा । कोलकाता

पुलिस ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संकटग्रस्त संदेशखाली जा रहे 'इंडियन सेक्युलर फ्रंट' (आईएसएफ) के विधायक नौशाद सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी.

निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए संदेशखाली की ओर जा रहे कांग्रेस के एक दल को भी नजात के पास रोक दिया गया. पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि भांगड़ से विधायक सिद्दीकी को सीआरपीसी की धारा 151 (संज्ञेय अपराध को रोकने के लिए गिरफ्तारी) के तहत कोलकाता में साइंस सिटी के पास गिरफ्तार किया गया था. उत्तर 24 परगना जिला प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए संदेशखाली के संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है. सिद्दीकी ने संवाददाताओं से कहा कि मुझे नहीं पता कि उन्होंने मुझे क्यों गिरफ्तार किया है. यह संदेशखालि से कई किलोमीटर दूर है. मैं संदेशखाली के ग्रामीणों से मिलने के लिए वहां जा रहा था. मैंने कोई नियम या कानून नहीं तोड़ा. विधायक ने कहा कि उन्होंने मुझे संदेशखाली से 62 किलोमीटर दूर रोका लेकिन राज्य के दो मंत्री पार्थ भौमिक और सुजीत बोस जब वहां गए तो उन्होंने उन्हें नहीं रोका. पुलिस सिर्फ विपक्ष को संदेशखाली जाने से रोक रही है. वे क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं?

मरयम नवाज 'चोरी के जनादेश' पर सीएम निर्वाचित हुई हैं : इमरान

'समानांतर' सत्र बुलाएगी पीटीआई

भाषा । लाहौर

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव करने के लिए पंजाब विधानसभा का 'समानांतर' सत्र बुलाने की योजना बनाई है और दावा किया है कि मरयम नवाज 'चोरी के जनादेश' के आधार पर मुख्यमंत्री निर्वाचित हुई हैं. यह जानकारी मंगलवार को जारी मीडिया रिपोर्ट में दी गयी है. पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी की 50 वर्षीया वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरयम ने 220 वोट प्राप्त करने के साथ ही पाकिस्तान के सबसे अधिक आबादी वाले पंजाब प्रांत की पहली महिला मुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया. उन्होंने 71-वर्षीय खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के राणा आफताब को हराया, जिन्हें कोई वोट नहीं मिला, क्योंकि उनकी पार्टी ने चुनाव का बहिष्कार किया था. डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व क्रिकेटर से नेता बने खान की पार्टी ने महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित सीट सहित 250 सदस्यों के आंकड़े का दावा करने के बाद सोमवार को 'समानांतर' पंजाब विधानसभा का आह्वान किया.

हैरी पॉटर किताब की प्रूफ कॉपी प्रति लाखों में बिकी

लंदन। करीब 30 साल पहले पुरानी किताबें बेचने वाली एक दुकान से महज कुछ रुपयों में खरीदी गई हैरी पॉटर श्रृंखला के पहले उपन्यास की शुरुआती प्रति (प्रूफ कॉपी) नीलामी में 11,000 पाउंड (करीब 11.5 लाख रुपये) में बिकी. ब्रिटिश नीलामीकर्ता हैनसन ने बताया कि 'हैरी पॉटर एंड द फिलोसोफर्स स्टोन' के प्रथम संस्करण की प्रति 1997 में दक्षिण लंदन की एक दुकान से दो अन्य पुस्तकों के साथ कुल 40 पेंस (करीब 41 रुपये) में खरीदी गई थी. इस प्रति के आवरण पृष्ठ पर 'असंशोधित प्रूफ कॉपी' लिखा है. हैनसन ने इस पुस्तक को खरीदने वाली महिला का नाम सार्वजनिक नहीं किया.

'जीनोम वैली' का अगला चरण विकसित होगा : मुख्यमंत्री रेड्डी

भाषा । हैदराबाद

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश सरकार यहां 300 एकड़ भूमि में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ जीव विज्ञान अनुसंधान एवं विकास और स्वच्छ विनिर्माण गतिविधियों के लिए देश का पहला संगठित समूह 'जीनोम वैली' का अगला चरण शुरू करेगी. चिकित्सा और जीवन विज्ञान के वार्षिक कार्यक्रम 'बायोएशिया 2024' में रेड्डी ने कहा कि सरकार राज्य में 10 'फार्मा गांव' विकसित करने की भी योजना बना रही है. इस परियोजना में एक लाख करोड़ रुपये की निवेश क्षमता होगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं यहां 2,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 300 एकड़ भूमि में जीनोम वैली के अगले चरण की स्थापना की घोषणा कर रहा हूं. उन्होंने कहा कि फार्मा गांवों की स्थापना के बाद उनमें पांच लाख नौकरियां पैदा करने की क्षमता होगी. रेड्डी ने कहा कि सरकार ने बुनियादी ढांचे और निवेश के लिए तेलंगाना के तीनों अलग-अलग क्षेत्रों- विकाराबाद, मेडक और नलगोंडा में नए एकीकृत फार्मा गांवों के लिए समूह भी चिह्नित किया है.

नील नदी में नौका डूबी 10 लोगों की हुई मौत

काहिरा। मिस्र की राजधानी के पास नील नदी में एक नौका के डूब जाने से उसमें सवार 15 में से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई. अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी. जनशक्ति मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि हादसे में बचे पांच लोगों को अस्पताल ले जाया गया. उन्हें बाद में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. मंत्रालय के अनुसार, नौका के डूबने का कारण तत्काल स्पष्ट नहीं हो सका है. मंत्रालय ने प्रत्येक मृतक के परिवार को दो-दो लाख मिस्र पाउंड (लगभग 6,466 डॉलर) और प्रत्येक घायल को 20-20 हजार मिस्र पाउंड (646 डॉलर) का मुआवजा दिया है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

टॉप भर्तीकर्ता

- डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी
- नेचुरल कैलेमिटी इंश्योरेंस कंपनीज
- वेदर चैनल फायर ब्रिगेड कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी

12वीं के बाद डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स भी बेहतर विकल्प

रजनीश । रांची

कक्षा 12वीं के बाद शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों के लिए कई विकल्प खुल जाते हैं. खैर ये कहना भी गलत नहीं होगा कि इतने सारे विकल्पों में से किसी एक को चुनना बहुत ही कठिन काम होता है. आप नहीं समझ पाते कि क्या करें और क्या न करें. ऐसे में छात्र सोचते हैं कि काश वह एक साथ दो से तीन कोर्स कर सकते. तो हां आप ऐसा कर सकते हैं. छात्र किसी भी डिग्री कोर्स के साथ कोई सर्टिफिकेट कोर्स या फिर डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं. पढ़ाई की इच्छा रखने वाले और अन्य कोर्स को करने की चाहत रखने वाले छात्र अक्सर ही ऐसा करते हैं वह किसी एक कोर्स तक ही सीमित नहीं रहते है. ज्ञान एक ऐसी चीज है जो कभी ज्यादा नहीं होती जितना सीखों उतना कम है. तो ऐसे में आप कई अन्य सर्टिफिकेट कोर्सों के लिए आवेदन कर सकते हैं. और ऐसा करने से आपका ज्ञान ही नहीं बढ़ेगा बल्कि आपके पास कई करियर ऑप्शन भी खुल जाएंगे.

कई अच्छे ऑप्शन हैं

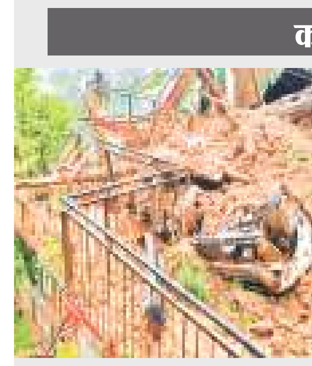

छात्र कक्षा 12वीं के बाद डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं. भारत के कुछ इलाके ऐसे है जहां हर साल किसी न किसी प्रकार की आपदा आती रहती है. ये खास कर उनके भौगोलिक एरिया के कारण होता है. हाल ही में उत्तराखंड में लैंडस्लाइड और असम में बाढ़ की स्थिति रही है. ऐसे में ये वही लोग होते हैं जो स्थिति को समझते हुए इन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क करते हैं, ताकि लोगों को किसी प्रकार की हानि का सामना न करना पड़े. डिजास्टर मैनेजमेंट पढ़ने पर छात्र इस तरह की स्थितियों को किस तरह मैनेज किया जाए आदि सीखते हैं, जो छात्र कक्षा 12वीं के बाद अपनी डिग्री के साथ किसी अन्य सर्टिफिकेट कोर्स की तलाश में हैं, वह छात्र डिजास्टर मैनेजमेंट कोर्स कर सकते हैं. इस कोर्स में छात्रों के पास कई अच्छे करियर ऑप्शन हैं.

फुल टाइम और ओपन से भी कर सकते हैं कोर्स

डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स छात्र फुल टाइम और ओपन से भी कर सकते हैं. भारत में ऐसे कई संस्थान हैं जो डिजास्टर मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर करते हैं, जिसमें ओपन और रेगुलर दोनों कोर्स शामिल होते हैं. डिस्टेंस मोड में कोर्स करने की इच्छा रखने वाले छात्र इग्नू से इस कोर्स को कर सकते हैं. सर्टिफिकेट इन डिजास्टर मैनेजमेंट सिलेबस डिजास्टर मैनेजमेंट 1 साल का सर्टिफिकेट कोर्स है, जिसे 2 सेमेस्टर में बांटा गया है, जिसके अंत में परीक्षा का आयोजन किया जाता है,जिसके आधार पर छात्रों को सर्टिफिकेट दिया जाता है.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)